नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, रविवार 23 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 186 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

जी-20 समिट में साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने पीएम मोदी का स्वागत किया

संक्षिप्त समाचार

मिनटों में धू-धू कर जल गई हुंडई कार

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। टाटानगर स्टेशन के आउट गेट के पास शनिवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक हुंडई जाज कार अचानक आग की तेज लपटों में घिर गई। गम्हरिया निवासी श्रीनिवास नायक अपने बेटे को दुरंतो एक्सप्रेस में बैठाने के लिए पत्नी और बेटे के साथ स्टेशन पहुंचे थे। इसी बीच कार में अचानक आग लग गई।

राइफल से निकली गोली से हवलदार की मौत

देवघर (नबिटा ब्यूरो)। जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र स्थित जैप-5 परिसर में शूटिंग रेंज का चार्ज संभाल रहे जैप-5 के हवलदार शिवपूजन पाल की अपनी ही एके-47 राइफल से निकली गोली लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हवलदार सुबह से ही हथियारों की जांच और अन्य औपचारिक प्रक्रियाओं में व्यस्त थे। इसी दौरान उनकी एके-47 राइफल से अचानक ब्रस्ट फायर हो गया। गोली सीधे उनकी गर्दन में लगी जिससे वे मौके पर ही गिर पड़े। फायरिंग की आवाज सुनते ही आसपास मौजूद जवान और अधिकारी तुरंत वहां पहुंचे और स्थिति को संभालने की कोशिश की लेकिन तब तक हवलदार शिवपूजन की मौत हो चुकी थी।

सड़क हादसे में युवक की मौत

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। जरीडीह थाना क्षेत्र में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में 23 वर्षीय कोलेश्वर महतो की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना जैनामोड़ के पास मल्हानटांड़ चौक पर हुई जिसमें एक स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। सूचना मिलने पर जरीडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल युवक को तत्काल अस्पताल भेजा और दुर्घटना में शामिल ट्रक, बाइक तथा स्कूटी को जब्त कर लिया।

जंगली हाथियों ने किसान को कुचला

गिरिडीह (नबिटा ब्यूरो)। जिले के जमुआ प्रखंड के वन बीशनपुरा गांव में शनिवार को जंगली हाथियों के हमले में एक किसान की मौत हो गई। मृतक की पहचान 50 वर्षीय जागो महतो के रूप में हुई है। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग की कथित लापरवाही के विरोध में सड़क जाम कर दिया।

वृद्ध महिला की हत्या

गुमला (नबिटा ब्यूरो)। जिले के पालकोट प्रखंड अंतर्गत टेंगरिया गांव में 73 वर्षीय झालो देवी की धारदार हथियार से गर्दन काटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को सूचना मिलने पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेजा और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मृतका के परिजन सूरज इंदवार ने पुलिस को बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके सिर और गर्दन के पीछे धारदार हथियार से वार कर हत्या की है।

राज्य स्थापना की मूल भावना को पूरा करने में झारखंड निचले पायदान पर : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहा है लेकिन अभी भी गरीबी, कुपोषण और पिछड़ेपन से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने हर व्यक्ति को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से मजबूत बनाने का संकल्प लिया है। इसी संकल्प के तहत राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और बेहतर शिक्षा के लिए स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत की गई है। राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर हमने 'सेवा का अधिकार' कार्यक्रम भी शुरू किया है। ये कदम भविष्य में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं कि झारखंड राज्य की परिकल्पना तो पूरी हुई, लेकिन मूल विषय में हम अभी भी सबसे निचले पायदान पर खड़े हैं। गरीबी, कुपोषण, पिछड़ापन, शिक्षा का अभाव, सामाजिक न्याय से महरूम, कई ऐसी चीजें हैं, जो आज भी इस राज्य के जनमानस को घेरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम आज के दिन भी किसी भी राज्य से तुलना करें तो इस राज्य में लोगों का शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूती का दावा करें तो ये सही नहीं होगा। वर्तमान समय में आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और बौद्धिक रूप से मजबूत नहीं हैं और इसमें जो अपेक्षाकृत लोगों का सहयोग नहीं मिलता तो यह संघर्ष और लंबा हो सकता था। अगर किसी के जेब में एक रुपये ना हो, खेतों में पानी ना हो, शिक्षा विहीन हो तो वह बेचारा करे तो क्या करे। किस दिशा में जाए, नहीं जाए, वह समझ ही नहीं सकता। इसलिए हम सबका दायित्व बनता है कि इस देश का लोकतंत्र और इस देश का संविधान,

इस देश का कानून, राज्य का कानून, हर व्यक्ति के हित में हो और उन्हें इसकी जानकारी भी हो। यही कारण है कि वर्तमान सरकार ने लोगों को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से मजबूत करने का संकल्प लिया है। विधानसभा रजत जयंती कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में धनबाद से भाजपा विधायक राज सिन्हा रहे जिन्हें वर्ष 2025 का उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार प्रदान किया गया। राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने उन्हें एक प्रशस्ति पत्र, एक शॉल और एक स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इसके अलावा, छह विधानसभा के कर्मचारियों संतोष कुमार, नीलम कुजूर, राकेश कुमार सिंह, मन्नू राम, रवींद्र पाल, और मोहम्मद शाहिद हैदर को उत्कृष्ट विधानसभा कर्मी के रूप में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दो महत्वपूर्ण प्रकाशनों षष्ठी झारखंड विधानसभा के सदस्यों का जीवन परिचय संकलन और पिछले 25 वर्षों की विधायी यात्रा पर केंद्रित सदन संवाद पुस्तक का भी लोकार्पण हुआ। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और विधायक राज सिन्हा ने भी सभा को संबोधित किया। दोनों ने झारखंड विधानसभा के 25 वर्षों के गौरवशाली सफर को याद करते हुए इसके योगदान की सराहना की। यह रजत जयंती समारोह राज्य के लोकतांत्रिक इतिहास के 25 साल की उपलब्धियों, चुनौतियों और संसदीय परंपराओं के संरक्षण का प्रतीक बना। समारोह के दौरान राष्ट्र के लिए शहीद हुए झारखंड के सैनिकों के परिजनों को सम्मानित किया गया। समारोह में विधायक कल्पना सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर, वरिष्ठ विधायक सरयू राय समेत कई मंत्री, विधायक और पूर्व विधायक शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष ने मिलकर दीप प्रज्वलित कर की। इसके बाद स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने सभी मेहमानों का स्वागत किया और सभी का संबोधन किया।

विधानमंडल लोकतंत्र का मुख्य स्तंभ : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का उद्देश्य जनकल्याण और राज्य का विकास होना चाहिए। उन्होंने विधायकों से यह भी आग्रह किया कि वे सुनिश्चित करें कि सरकारी योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। रांची में झारखंड विधानसभा के रजत जयंती समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मेरा मानना है कि टकराव नहीं बल्कि स्वस्थ चर्चा से लोकतंत्र मजबूत होता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष को जनकल्याण और राज्य के विकास के लक्ष्य को लेकर कार्य करना चाहिए। झारखंड विधानसभा का गठन 22 नवंबर, 2000 को हुआ था। उन्होंने कहा कि विधानमंडल लोकतंत्र का मुख्य स्तंभ है। जनता द्वारा चुने गए विधायक न केवल राज्य में कानून निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं बल्कि जनता और सरकार के बीच एक मजबूत सेतु का काम भी करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि एक

जनप्रतिनिधि के तौर पर विधायक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता के भरोसे को बनाए रखना है। जनता द्वारा दिया गया अधिकार सेवा का अवसर है, शक्ति का माध्यम नहीं। विधायकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह विशेष दिन हमारे लिए यह संकल्प लेने का अवसर है कि हम सभी मिलकर झारखंड को राजनीतिक रूप से मजबूत, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सामाजिक रूप से समृद्ध बनाएंगे। इस अवसर पर राज्यपाल ने धनबाद विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी के तीन बार के विधायक राज सिन्हा को श्रेष्ठ विधायक पुरस्कार भी प्रदान किया।

धनबाद विधायक राज सिन्हा को मिला उत्कृष्ट विधायक का सम्मान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। धनबाद विधायक राज सिन्हा को साल 2025 के लिए उत्कृष्ट विधायक सम्मान से सम्मानित किया गया है। झारखंड विधानसभा के रजत जयंती वर्ष पर आयोजित समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो ने संयुक्त रुप से राज सिन्हा को उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार से सम्मानित किया। इस मौके पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, विधानसभाध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, संसदीय कार्य मंत्री सहित उपस्थित सभी लोगों ने राज सिन्हा के व्यक्तित्व और सदन के अंदर के आचरण की सराहना करते हुए दूसरे विधायक के लिए प्रेरणादायक बताया। उत्कृष्ट विधायक सम्मान पानेवाले राज सिन्हा 21वें विधायक हैं जिन्हें यह पुरस्कार मिला है। इस अवसर पर राज सिन्हा ने विधानसभा से मिले सम्मान राशि को अपने धनवाद विधानसभा क्षेत्र स्थित एक ब्लाइंड स्कूल के सेवार्थ सौंपने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह सम्मान धनबाद की जनता का प्यार और बड़ों का आशीर्वाद से मिला है। कभी हम भी सोचा करते थे कि हम भी ऐसा कार्य करें जिससे हमें उत्कृष्ट विधायक बनने का गौरव प्राप्त हो, आज वो अवसर हमें मिला है, इसके लिए मैं सभी के प्रति आभारी हूं।

ई-रिक्शा पर पलटा हाइवा, तीन की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सरायकेला। जिले में शनिवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। राजनगर थाना क्षेत्र स्थित हाता-चाईबासा मुख्य मार्ग पर पांच सवारियों से भरी ई-रिक्शा (टोटो) पर एक हाइवा पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसा कुजू बांकसाई और 5 नंबर गेट के बीच हुआ। मृतकों की पहचान संजय राज तियु, मेचो तियु और नंदी तियु के रूप में की गई। हादसे में संजय और मेचो ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि तियु की मौत अस्पताल में हुई। दो अस्पताल में भर्ती हैं। जानकारी के अनुसार पश्चिम सिंहभूम के तांतनगर सिंदरी गांव से पांच लोग पूजा के लिए राजनगर आ रहे थे। ये सभी ई-रिक्शा में सवार थे। इसी दौरान, एक हाइवा अनियंत्रित होकर सीधे ई-रिक्शा पर पलट गया। हाइवा के

नीचे दबने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से अन्य घायलों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। सभी घायलों को चाईबासा सदर अस्पताल ले जाया गया जहां एक और जख्मी ने दम तोड़ दिया। दो की हालत गंभीर बनी हुई है। इधर हादसे से आक्रोशित स्थानीय ग्रामीणों ने मुख्य सड़क को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ, प्रशिक्षु डीएसपी और राजनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है।

अनिल गोयल के कोयला भट्ठे पर इडी की रेड

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। कोयला कारोबारियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी दूसरे दिन शनिवार को भी जारी रही। ईडी की टीम 15 वाहनों से धनबाद के गोविंदपुर थाना क्षेत्र स्थित तेतुलिया में कोयला कारोबारी अनिल गोयल के कोयला भट्ठे पर पहुंची। दर्जनों ईडी अधिकारियों ने अनिल गोयल के भट्ठे पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की। यह कार्रवाई बीसीसीएल के टेंडर में गड़बड़ी, कोयले का अवैध कारोबार और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में की गई। वहीं, शुक्रवार को ईडी टीम को झारखंड में 2.40 करोड़ की नगद व जमीन की 120 डीड मिली थी। इससे पहले शुक्रवार को भी धनबाद में ईडी ने 17 स्थानों पर देर रात तक छापेमारी की थी। इस दौरान, ईडी की टीम ने कोयला कारोबारी अनिल गोयल के टिकियापाड़ा स्थित कार्यालय पर भी दबिश दी थी। ईडी ने शुक्रवार को झारखंड के धनबाद व दुमका समेत पश्चिम बंगाल में बड़ी कार्रवाई की थी। धनबाद में 17 समेत झारखंड के 18 ठिकानों पर ईडी की टीम ने सुबह 6 बजे एक साथ छापेमारी की। धनबाद में एलबी सिंह के सरायढेला, कुंभनाथ सिंह के कुसुम बिहार, दोनों के शिमलाबहाल स्थित आवास, संजय खेमका के धनसार स्थित ऑफिस व दुमका में अमर मंडल सहित अन्य के ठिकानों पर रेड डाली गई। आउटसोर्सिंग कंपनी एटी देवप्रभा के मालिक एलबी सिंह, कुंभनाथ सिंह और संजय खेमका के घरों पर छापेमारी हुई। वहीं, जीएसटी में गड़बड़ी, कोयला

तस्करी, अवैध परिवहन और कोयला भंडारण मामले में कारोबारी अनिल गोयल, दीपक पोद्दार आदि के ठिकानों पर ईडी ने दबिश दी। एलबी-कुंभनाथ समेत अन्य का ईडी ने स्टेटमेंट दर्ज किया। ईडी 8 माह से संबंधित लोगों की जांच के दायरे में रखा था। जांच में अनियमित ठेके, कोयले काली कमाई और धन के अवैध हस्तांतरण के कई साक्ष्य मिले थे। कोयला मंत्रालय के पास इस संबंध में पहले से कई शिकायतें आई थीं। दुमका में अमर मंडल के ठिकानों पर भी रेड पड़ी। अमर का पत्थर के साथ कोयले का भी कारोबार है। अमर मंडल के यहां से भी ईडी की टीम ने कई कागजात और डिजिटल डिवाइस जब्त किए हैं। ईडी की जांच में अमर मंडल की भूमिका अवैध कोयले के कारोबार के अलावा पत्थर और बालू में अवैध उगाही से जुड़े नेटवर्क में पाई गई है।

जमुआ के थाना प्रभारी निलंबित

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जमुआ के घोरचांची में जमीन कब्जे को लेकर मारपीट, फायरिंग और बमबारी की घटना के बाद जिले के एसपी सख्त हो गए हैं। एसपी ने जहां जमुआ के थाना प्रभारी मणिकांत को निलंबित कर दिया है वहीं सभी थानेदार को कड़े शब्दों में सीधा निर्देश भी दिया है। एसपी ने साफ कहा है कि जमीन के मामले में किसी भी पदाधिकारी को सीधे रूप से शामिल नहीं होना है। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी को किसी प्रकार की समस्या है तो उसे संबंधित विभाग को अग्रसारित करना चाहिए। एसपी ने कहा कि जमुआ के प्रकरण के बाद से पुलिस की स्पेशल टीम छापेमारी कर रही है। रात-रात भर वैसे लोगों को पकड़ा जा रहा है जिनकी संलिप्तता इस कांड में रही है। पहले उन लोगों को पकड़ा जा रहा है जिसके खिलाफ साक्ष्य मिले हैं, जिनकी पहचान हो चुकी है। उन्होंने कहा कि माहौल को खराब करने वाला कोई भी हो उसे किसी भी हालात में बख्शा नहीं जायेगा।

अगलगी की घटना में घर और दुकान जलकर राख, लाखों का नुकसान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। जिले के नगर उंटारी थाना क्षेत्र के चेचरिया में शनिवार की अहले सुबह एक घर और दुकान में भीषण आग लग गई। अगलगी की घटना में नकद सहित लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। अगलगी की घटना अहले सुबह 3 बजे की बताई जा रही है। जानकारी मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक सारा सामान जल चुका था। इस संबंध में गृह स्वामी विक्की कुमार ने गोतिया पर घर और दुकान में आग लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि घर के बाहरी साइड में साइकिल दुकान थी। रवि कुमार दास नामक व्यक्ति साइकिल दुकान चलाता था। अगलगी की घटना में घर के साथ-साथ साइकिल दुकान भी जलकर राख हो गई है। गृह स्वामी विक्की कुमार के अनुसार घर में रखे छह लाख रुपये नगद के अलावे एक बाइक, ज्वेलरी, कपड़े सहित अन्य समान पूरी तरह जल गए। विक्की कुमार ने बताया कि गोतिया से जमीन विवाद चल रहा था। उन्होंने गोतिया पर ही आग लगाने का आरोप लगाया है। हालांकि स्थानीय लोगों की माने तो घर में पेट्रोल रखा जाता था और बिक्री की जाती है जिससे आग ने और विकराल रूप धारण कर लिया। बहरहाल पुलिस अगलगी की घटना की जांच में जुट गई है।

जमीन विवाद में चली गोली, तीन गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। टाउन थाना क्षेत्र के गौसिया मदरसा के पास जमीन के विवाद में दो पक्षों में फायरिंग की घटना हुई है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने एक देसी पिस्टल, एक देसी कट्टा और 09 गोली बरामद की हैं। घटना शुक्रवार देर रात की है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी अमजद खान, मोहित कुमार और तनवीर शाह को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि सोनू खान, अमजद खान और आरोपियों के बीच पहाड़ी मोहल्ला में जमीन को लेकर विवाद था। इसी विवाद में शुक्रवार की देर रात गोली चली थी। फायरिंग के बाद

सभी फरार होने की कोशिश कर रहे थे और रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ कर भागने की फिराक में थे। इसी क्रम में पुलिस ने छापेमारी कर सभी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की छापेमारी में टाउन थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार, टीओपी-एक के प्रभारी इंद्रदेव पासवान, एएसआई संदीप कुमार समेत कई पुलिस अधिकारी शामिल थे। गिरफ्तार आरोपी अमजद खान का आपराधिक इतिहास रहा है। पहले भी वह जेल जा चुका है और अभी जमानत पर बाहर था। जमीन के विवाद में शामिल दोनों पक्ष एक ही मोहल्ले के रहने वाले है। पुलिस के अनुसार घटना में शामिल सभी हथियार देसी है। इस घटना में सोनू खान को टारगेट कर फायरिंग की गई थी।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।
2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।
3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

C M Y K

उपायुक्त ने गांवा प्रखंड अंतर्गत प्लस टू उच्च विद्यालय पिहरा का निरीक्षण किया, दिए जरूरी निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त ने बच्चों के साथ खिचड़ी खाया, भोजन की गुणवत्ता को परखा जिला उपायुक्त, रामनिवास यादव ने आज गांवा प्रखंड अंतर्गत प्लस टू उच्च विद्यालय, पिहरा का निरीक्षण किया, इस दौरान उपायुक्त ने विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन, बुनियादी सुविधाओं, विद्यालय के संचालन, रखरखाव, शैक्षणिक व्यवस्था, कक्षाओ की स्थिति, बच्चों की संख्या, पढ़ाई की गुणवत्ता, पानी की सुविधाएं, पेयजल एवं स्वच्छता, शौचालय, बाउंड्री वॉल, विद्युत आदि की जानकारी ली।

इस दौरान उपायुक्त ने बच्चों के साथ खिचड़ी खाया और भोजन की गुणवत्ता की जांच की। उपायुक्त ने पूरे कैम्पस परिसर का अवलोकन कर विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का जायजा लिया तथा विद्यालय के सौंदर्यीकरण, पूरे परिसर में साफ-सफाई, पौधारोपण आदि के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही शौचालय, पेयजल की स्थिति, साफ-सफाई, बच्चों के भोजन की गुणवत्ता, विद्यालय में संचालित स्मार्ट क्लास के संचालन, कंप्यूटर कक्ष, रसोई घर, सीआरसी भवन आदि को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। वहीं

उपायुक्त ने बच्चों को अनुशासन, नियमित व्यायाम, रूटीन वर्क समेत कई मार्गदर्शन दिए। उपायुक्त ने कहा कि सरकार की ओर से जो भी सुविधाएं छात्राओं को उपलब्ध कराई जानी हैं, उन्हें किसी प्रकार की कमी के बिना मुहैया कराई जाय। ताकि विद्यार्थियों को शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ आवश्यक सहूलियतें भी मिल सकें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गांवा प्रखंड और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य संसाधनों का अवलोकन किया एवं वहां कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की रोस्टरवार जानकारी सुनिश्चित की। इसके अलावा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति, संस्थानों की कार्यप्रणाली एवं बुनियादी सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की।

जिला प्रसासन ने ग्रामीणों से की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जमुआ बेंगाबाद देवरी क्षेत्र में आज एक दुखद घटना हुई है, प्राप्त सूचनानुसार एक व्यक्ति द्वारा हाथी के अत्यंत निकट जाकर प्रणाम करने का प्रयास करने पर हाथी की प्रतिक्रिया में मृत्यु हो गई।

वन विभाग घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करता है और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता है वन विभाग की टीमें लगातार क्षेत्र में तैनात हैं एवं वर्तमान मैं मौजूद दो हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी कर रही हैं। सभी को आश्वस्त किया जाता है कि सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सूचना प्राप्त होते ही संबंधित स्थानों पर नियमित गश्ती, निगरानी तथा स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय सुनिश्चित किया गया है। स्थिति पर सतत नजर रखी जा रही है मानव-जीवन की सुरक्षा विभाग की प्राथमिकता है। आगे की आवश्यक जानकारी समय-समय पर साझा की जाएगी। जनहित में पुनः सभी से अनुरोध है कि पूर्ण सतर्कता रखें और शांत रहें, ताकि आगे कोई अन्य दुर्भाग्यपूर्ण घटना न हो।

जर्जर रेल ओवरब्रिज बना मुसीबत : मुकेश जालान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रोजाना जाम, उद्योगों को आपूर्ति बाधित; केंद्रीय मंत्री ने मामला रेल मंत्रालय को भेजा गिरिडीह, झारखंड, गिरिडीह जिले के टुंडी रोड-बरवाडीह स्थित दशकों पुराना रेल ओवरब्रिज अब स्थानीय जनता, उद्योगों और परिवहन के लिए गंभीर समस्या बन चुका है। ब्रिटिश काल में बने इस पुल की स्थिति लगातार जर्जर होती जा रही है। इस पुल की चौड़ाई इतनी कम है कि एक बार में केवल एक ट्रक ही गुजर सकता है, जिसके कारण शहर और औद्योगिक क्षेत्रों की ओर जाने वाली सड़क पर रोजाना लंबे समय तक भारी जाम लगा रहता है।

यह मार्ग गिरिडीह शहर को धनबाद, आसनसोल, कोलकाता जैसे प्रमुख औद्योगिक एवं व्यापारिक शहरों से जोड़ता है। इस ओवरब्रिज से रोज हजारों ट्रक, औद्योगिक वाहन और कर्मियों की आवाजाही होती है। संकरे पुल की वजह से कोयला, इस्पात, सीमेंट एवं अन्य औद्योगिक सामग्री की आपूर्ति और ढुलाई में बाधा उत्पन्न हो रही है, जिससे औद्योगिक क्षेत्र की सप्लाई चेन प्रभावित हो रही है और स्थानीय व्यापार व श्रमिकों पर भी असर पड़ रहा है इसके साथ ही पुल की ऊँचाई कम होने के कारण रेलवे लाइन का विद्युतीकरण कार्य अवरुद्ध है, जिससे कोयला रेक कोल रके की आवाजाही में बाधा आ रही है और रेलवे को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि पुल की लगातार खराब होती हालत किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इसी गंभीर समस्या को संज्ञान में लेते हुए भाजपा जिला कोषाध्यक्ष और पूर्वी रेलवे जेडआरयूसीसी सदस्य मुकेश कुमार जालान ने इस मुद्दे को केंद्र सरकार तक पहुँचाया। उनके अनुरोध पर भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री सह कोडरमा की सांसद अन्नपूर्णा ने इस मामले को तत्काल संज्ञान में लिया और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र अग्रेषित कर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया। इससे उम्मीद बढ़ी है कि पुल की मरम्मत, चौड़ीकरण और आधुनिकीकरण के लिए जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जा सकते हैं। स्थानीय उद्योगपतियों, व्यापारिक संगठनों और आम नागरिकों का कहना है कि इस पुल के विस्तार और मरम्मत से न केवल परिवहन व्यवस्था में सुधार होगा बल्कि क्षेत्र के औद्योगिक विकास, व्यापार और जनसुरक्षा को भी बड़ी राहत मिलेगी। अब पूरे जिले को जल्द निर्णय और त्वरित कार्यवाही की प्रतीक्षा है।

गांवों को मजबूत बनाने के लिए बन रहीं योजनाएं : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मंत्री ने पंचायत स्तरीय शिविर में पहुंचे लाभुकों के बीच बांटी परिसंपत्तियां मंत्री ने कहा - गांवों को मजबूत बनाने के मकसद से बनाई जा रही योजनाएं आपको आपका हक और अधिकार देने आपके द्वार पहुंच रही सरकार लोगों को मान-सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीविकोपार्जन का अवसर दे रहे हैं सरकार की योजनाओं में आपकी सहभागिता राज्य के विकास को गति देगी गांवों को मजबूत करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा कई योजनाएं बनाई जा रही है।

गांवों का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी वजह से ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले गरीबों, जरूरतमंदों, आदिवासियों, अनुसूचित जाति, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं, बुजुर्गों और नौजवानों समेत समाज के सभी वर्ग और तबके को केंद्र में रखकर पूरे कार्य योजना के साथ कल्याणकारी योजनाएं बनाकर उसे धरातल पर उतारने का काम किया जा रहा है। ये योजनाएं ग्रामीणों की दशा और दिशा को तय करेंगी। उक्त बातें माननीय मंत्री, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, नगर एवं आवास, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार, सुदीव्य कुमार ने गिरिडीह प्रखंड अंतर्गत करहरबारी पंचायत स्तरीय "आपके अधिकार-आपकी सरकार-आपके द्वार" कार्यक्रम के अंतर्गत परिसंपत्ति वितरण शिविर में कहीं। आगे उन्होंने कहा कि यहां के लोगों को मान सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीविकोपार्जन का अवसर देने का काम सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किया जा रहा है,जिसके बदौलत राज्य में विकास को गति मिलेगी आप सभी की सहभागिता और सहयोग से ही योजनाएं सफल होंगी मंत्री ने कहा कि झारखंड में कई ऐसे जटिल इलाके हैं, जहां सरकार की योजनाएं कैसे पहुंचेगी यह सहज ही समझा जा सकता है। वहीं, सुदूर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रखंड अथवा जिला मुख्यालय आना पड़ता है। लेकिन, यहां काम कराने में कई कठिनाइयां पैदा होती है। अगर एक -दो प्रयास में भी उनके कार्य नहीं होते हैं तो फिर वे योजनाओं से जुड़ने की बात सोचना छोड़ देते हैं। इसी को ध्यान में रखकर "आपके अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से आपको योजनाओं की जानकारी देने के साथ योजनाओं से जोड़ा भी जा रहा है। इसके लिए सरकार आपके द्वार पर आ रही है। आपसे आग्रह है कि आप अपना सहयोग और सहभागिता सुनिश्चित करें ।आम-जनों से "झारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011" में सूचीबद्ध सेवाओं सेवा का अधिकार सप्ताह" कार्यक्रम के माध्यम से निराकरण सुनिश्चित कराया जा रहा है अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि आम-जनों से "झारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011" में सूचीबद्ध सेवाओं सेवा का अधिकार सप्ताह" कार्यक्रम के माध्यम से निराकरण सुनिश्चित कराया जा रहा है। इसके तहत जाति प्रमाण पत्र स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र आय प्रमाण पत्र जन्म प्रमाण पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र नया राशन कार्ड दाखिल खारिज वादों का निष्पादन भूमि की मापी मैसूरमेंट ऑफ लैंड भूमि धारण प्रमाण पत्र विभिन्न प्रकार के सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की स्वीकृति से संबंधित आवेदनों का निपटारा त्वरित गति से किया जायेगा। ग्रामीणों का खेत-खलिहान और पशुधन ही उनकी पूंजी है मंत्री सुदीव्य कुमार ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के पास ना घर में और ना ही बैंक में पैसा होता है। उनका खेत- खलिहान और पशुधन उनकी पूंजी है। इसी वजह से सरकार किसानों और पशुपालकों के लिए कई योजनाएं शुरू की है, ताकि उनकी आय में बढ़ोतरी और ग्रामीण इलाकों में समृद्धि आ सके कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति मौके पर उप विकास आयुक्त, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, प्रमुख, मुखिया, एवं अन्य संबंधित अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि व ग्रामीण उपस्थित थे।

दर्जनों युवकों ने की कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज जमुआ प्रखंड के जोरासंख पंचायत में दर्जनों युवकों ने जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सतीश केडिया के नेतृत्व में आस्था व्यक्त करते हुए कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की सस्ता ग्रहण करने वालों में जनार्दन वर्मा मदन वर्मा राजदेव वर्मा गौरव वर्मा विनोद कुमार पंकज वर्मा संजीत वर्मा दीपक कुमार वर्मा महेंद्र वर्मा राहुल वर्मा रोहित वर्मा पोद्दार अंसारी दशरथ महतो महानंद वर्मा झूमति अंसारी बसंत वर्मा इंद्रजीत वर्मा विनोद वर्मा विकास कुमार वजीर वर्मा अंकित कुमार मनोज वर्मा सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने कांग्रेस का दामन थामा युवाओं को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सतीश

केडिया ने कहा जिस तरह से आप लोगों ने कांग्रेस पार्टी में आस्था व्यक्त की है निश्चित रूप से कांग्रेस पार्टी आपको मजबूत करने का काम करेगी ताकि आप जनता के कार्यों को बेहतर तरीके से कर सके और ग्रामीण स्तर पर एक बेहतर नेतृत्व उभर कर सामने आए एक स्वर में कहा कि हमारा लक्ष्य है कि कांग्रेस पार्टी को हर स्तर पर मजबूत करना है ताकि बहुत जल्द इस देश में बदलाव लाया जा सके।

साँड़ पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम, 367 आवेदन जमा, कई का शिविर में ही निपटारा

डीएलओ निर्भय कुमार ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बड़कागांव हजारीबाग। बड़कागांव में शनिवार को प्रखंड के तीन पंचायत में झारखंड सरकार के द्वारा संचालित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़कागांव प्रखंड के साँड़, बड़कागांव पूर्वी एवं कांडतरी पंचायत भवन में आयोजन किया गया। जिसमें साँड़ में 367 आवेदन, बड़कागांव पूर्वी में 490 आवेदन, कांडतरी में 413 आवेदन, कुल लगभग 1270 आवेदन जमा हुए जिसमें कई मामलों का निपटारा शिविर में ही किया गया। साँड़ पंचायत भवन में मुखिया सुलेखा कुमारी के नेतृत्व में शिविर लगाया गया जिसकी अध्यक्षता बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल एवं संचालन भास्कर राज ने किया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि डीएलओ निर्भय कुमार व विशिष्ट अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कई विभाग के द्वारा स्टॉल लगाए गए। इस दौरान कई लोगों की समस्याओं का निष्पादन शिविर में हीं कर दिया गया। इस दौरान अधिकारियों ने स्टॉल का निरीक्षण किया गया। लाभुको के बीच धोती साड़ी लूंगी, बच्चों के बीच गर्म वस्त्र परिसंपत्तियों का वितरण किया। मईया सम्मान योजना, अबुवा आवास, प्रधानमंत्री आवास, मत्स्य पालन, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, जाति, आवासीय, पेंशन योजना के अलावा अन्य योजना को लेकर स्टॉल लगाए गए थे। मईया समान योजना एवं अबुवा आवास योजना का पोर्टल शुक्रवार से ही बंद है। जिसके कारण ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। वही आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया । मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से प्रमुख फुलवा देवी, उप प्रमुख वचन देव कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल , अंचलाधिकारी मनोज कुमार, डॉ अविनाश कुमार, मुखिया सुलेखा कुमारी व अन्य लोग शामिल थे।

बरही में अवैध चिरान लकड़ी सहित पिकअप वैन जप्त, चालक फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। बरही प्रक्षेत्र के बरही बीट खुटवाटांड क्षेत्र में अवैध चिरान से लदा एक पिकअप वैन को वन विभाग की टीम ने जप्त किया।टीम का नेतृत्व बरही वनपाल अमर आनंद सरस्वती कर रहे थे। उन्होंने बताया है गुप्त सूचना मिली कि बरही बीट क्षेत्र के खुटवाटांड क्षेत्र में अवैध रूप से पिकअप वैन में लदा चिरान लड़की की तस्करी की जा रही है।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने उक्त स्थान पर छापामारी की तो देखा कि पिकअप वैन में चिरान लड़की ले जाया जा रहा है।वन विभाग की टीम ने वाहन रोकने का प्रयास किया परंतु वाहन चालक गाड़ी को भगाते रहा।वन

विभाग की टीम ने गाड़ी को पीछा किया। वाहन चालक खुटवाटांड के पास गाड़ी खडा कर फरार हो गया। उन्होंने बताया है कि बिना चालक के खड़ी पिकअप वैन को जप्त कर टोचन के माध्यम से सुरक्षित तरीके से बरही प्रक्षेत्र कार्यालय लाया गया। मामले की जांच जारी है और चालक की पहचान की तलाशी की जा रही है। छापामारी दल में वनपाल अमर आनंद सरस्वती, वनरक्षी संजीत कुमार,अशीष कुमार,चेतन कुमार सहित कई कर्मी शामिल थे।

ईरगा व पुनाई पंचायत में लगा जनोपयोगी शिविर, बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने लिया योजनाओं का लाभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दारु (हजारीबाग)। दारु प्रखंड के ईरगा और पुनाई पंचायत भवन में शनिवार को 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवेदन किया।

शिविर में प्रखंड प्रशासन की ओर से वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन, राशन कार्ड, आवास योजना, पाइपलाइन जल कनेक्शन सहित जाति, आय व निवास प्रमाणपत्र जैसे कई महत्वपूर्ण सेवाओं के काउंटर लगाए गए। ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर ही सुनकर कई आवेदनों का तत्काल निष्पादन किया गया, जबकि कुछ मामलों को आवश्यक प्रक्रिया के तहत संबंधित विभागों को भेजा गया। पंचायत सचिवालय परिसर में आयोजित इस शिविर में महिलाओं, बुजुर्गों तथा दिव्यांगजन की

उल्लेखनीय उपस्थिति रही। अधिकारियों ने बताया कि सरकार की प्राथमिकता है कि योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचे और उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। कार्यक्रम में प्रखंड प्रशासन, पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मियों की सक्रिय भूमिका दिखी। शिविर देर शाम तक जारी रहा और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया।

एनएमएल सिकरी मैदान पर मैत्री मैच में बीजीआर इंफ्रा की दमदार जीत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बड़कागांव हजारीबाग। एनएमएल सिकरी परिसर के स्पोर्ट्स ग्राउंड में शुक्रवार को एनएमएल बादम सीएमपी और बीजीआर इंफ्रा एंड माइनिंग लिमिटेड के बीच एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच खेला गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दोनों संस्थानों के कर्मियों के बीच आपसी तालमेल, टीम भावना और सौहार्दपूर्ण संबंधों को और मजबूत बनाना था।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि अरुण कुमार सक्सेना, हेड ऑफ प्रोजेक्ट (बादम सीएमपी), ने टीमों के जोश और अनुशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि कार्यस्थल पर भी बेहतर समन्वय का मार्ग प्रशस्त करते हैं। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों ने शानदार खेल कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन किया। कई रोमांचक क्षणों के बीच मुकाबला बराबरी का चलता रहा, लेकिन अंत में बीजीआर इंफ्रा एंड

माइनिंग लिमिटेड की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। मैच समाप्ति के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता टीम तथा बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि द्वारा ट्रॉफी प्रदान की गई। कार्यक्रम का समापन दोनों टीमों के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत और समूह फोटो से हुआ, जिससे यह आयोजन स्मरणीय बन गया।

रक्तदान शिविर को लेकर छात्र-छात्राओं में जिज्ञासा व उमंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सुभाष इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया. इस रक्तदान शिविर को लेकर छात्र- छात्राओं में काफी जिज्ञासा और उमंग देखी गई। कुल 50 छात्र एवं छात्राओं का टेस्ट किया गया जिसमें से 32 लोगों को ब्लड देने लायक पाया गया बाकी लोग का वजन कम था या हीमोग्लोबिन कम था जिसके कारण से उनका ब्लड नहीं लिया गया। 32 रक्तदाताओं में से 28 दाता पहली बार रक्तदान किये।

रेड क्रॉस सोसाइटी गिरिडीह द्वारा सफल शिविर का आयोजन किया गया इसमें मुख्य रूप से चेयरमेन अरविंद कुमार का काफी सहयोग रहा। सदस्य चरणजीत सिंह भी मौके पर मौजूद रहे। ब्लड बैंक के डॉक्टर शोहेल अख्तर एवं लैब टेक्नीशियन ने काफी मेहनत से इस कैंप को सफल बनाया। सुभाष इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉ विजय सिंह शुरू से लेकर आखिरी तक शिविर में मौजूद रहे और उन्होंने भरोसा दिलाया की हर 6 महीने में इस तरह का कैंप अपने कॉलेज में लगाएंगे.

कॉलेज के फैकल्टी मेंबर का भी मोटिवेशन के लिए सहयोग रहा. एक सप्ताह से प्राचार्य विपिन चौधरी स्टूडेंट को मोटिवेट कर रहे थे। डॉ विजय सिंह का कहना था कि हमें उन युवक और युवातियों को ज्यादा मोटिवेट करना चाहिए जो प्रथम बार रक्तदान कर रहे हैं क्योंकि वह समाज के लिए एक नए वृक्ष की तरह है जो हर साल हर 3 महीने में रक्तदान करेंगे।

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।आपकी-योजना आपकी-सरकार आपके-द्वार कार्यक्रम के तहत ऑन द स्पॉट विभिन्न मामलों का किया गया निष्पादन आज से जिले भर में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत पंचायत स्तरीय शिविरों में सेवा का अधिकार सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। जहां आमजनों की शिकायतों और समस्याओं का सरल एवं सुगम रूप से समाधान सुनिश्चित कराया जा रहा है। सभी प्रखंड के लिए वरीय पदाधिकारियों को नामित किया गया है। शिविर में अलग-अलग विभाग के स्टॉल लगाये जा रहे हैं, जहां योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। सभी आमजन योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन करें विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

बरही के राज ट्रैक्टर केयर में अधिकारियों व कर्मचारियों का हुआ सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही धनबाद रोड स्थित राज ट्रैक्टर केयर वर्कशॉप के संचालक ने शनिवार को अपने कर्मचारियों के साथ बरही के चचरों पार्क में पिकनिक हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान वर्कशॉप संचालक आजाद हुसैन द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया।

राज ट्रैक्टर केयर बीते तीन वर्षों से अनुमंडलीय अस्पताल के सामने स्थित वर्कशॉप में ट्रैक्टर मोटर पार्ट्स और सर्विस की विश्वसनीय सुविधा प्रदान कर रहा है। पूरे बरही विधानसभा क्षेत्र में पॉवरट्रैक सहित विभिन्न ब्रांड के ट्रैक्टरों की सर्विसिंग का महत्वपूर्ण

कार्य यह वर्कशॉप करता रहा है। मौके पर इंजीनियर पुरुषोत्तम पटेल, कोनरा पंचायत समिति सदस्य मो. सगीर, मुस्लिम आवामी तंजीम के मो. इसरार, मो. महताब उर्फ डब्लू, और वर्कशॉप संचालक आजाद हुसैन, व कर्मचारियों में मो. मुख्तार, मो. अख्तर, प्रिंस कुमार, मो. गुलजार, मो. साहिल, इमरान सिद्दीकी, महेश कुमार, मो. इदरीश, मो. सोनू, मो. महमूद, मो. सरफराज, मंसूर आलम, मो. कुर्बान, मो. मिस्टर, सनोवर आलम, साहिल सिद्दीकी, मो. मिस्टर इंडिया, मो. साजिद, राजू मिस्त्री शामिल रहे।

झारखंड में जल्द शुरू होगी थर्ड जेंडर्स के लिए विशेष ओपीडी, स्वास्थ्य मंत्री ने दी जानकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष पहल की है। जिसमें जल्द ही राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल और जिला अस्पतालों में थर्ड जेंडर के लिए विशेष ओपीडी क्लिनिक काम करने लगेगा।

राज्य के थर्ड जेंडर्स समुदाय की ओर से लंबे दिनों से यह मांग की जाती रही थी कि उनको इलाज में कोई परेशानी न हो, इसके लिए स्पेशल ओपीडी क्लीनिक का शुरू होना बेहद जरूरी है। उनकी इसी मांग पर विचार करते हुए स्वास्थ्य अब राज्य में थर्ड जेंडर के लिए अलग से ओपीडी शुरू करने के विभागीय योजना पर स्वास्थ्य मंत्री ने अपनी सहमति प्रदान कर दी है। आज शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री की ओर से खुद इसकी जानकारी सोशल मीडिया ग्रुप के माध्यम से दी गयी।

थर्ड जेंडर के लिए विशेष ओपीडी सेवाएं शुरू

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने बताया कि थर्ड जेंडर के लिए विशेष ओपीडी क्लीनिक, एक ऐसी जगह होगी जहां उन्हें बिना किसी भेदभाव के सम्मानजनक ढंग से स्वास्थ्य जांच, परामर्श और इलाज मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा राज्य में "सम्मान स्वास्थ्य सेवा" व्यवस्था लागू की जा रही है। जिसके तहत ट्रांसजेंडर समुदाय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विशेष चिकित्सा सेवाएं और मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

इसके लिए सभी अस्पतालों के डॉक्टर, नर्स और स्टाफ को ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता और पेशेवर व्यवहार के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि उनकी गरिमा और अधिकार सुरक्षित रहें। सरकार ने निर्देश जारी किए हैं कि यह पूरी व्यवस्था शीघ्रतम प्रभाव से लागू की जाए ताकि थर्ड जेंडर समुदाय को तुरंत राहत, सम्मान और समर्पित चिकित्सा सेवा मिल सके।

कांग्रेस ने की स्वास्थ्य विभाग के फैसले की सराहना

थर्ड जेंडर यानी किन्नर समाज के लोगों के लिए राज्य के सरकारी अस्पतालों में स्पेशल ओपीडी क्लिनिक शुरू करने के निर्णय की सराहना प्रदेश कांग्रेस ने की है। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस और उसके कोटे से बनें मंत्री सबकी के हितों का ख्याल रखते हैं। यहीं कांग्रेस की नीति और यही राहुल गांधी की सोच है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मानती है कि हर व्यक्ति सम्मान का हकदार है। ट्रांसजेंडर समुदाय को मुख्यधारा में समान स्थान मिले, यह सरकार का दायित्व है।कांग्रेस इसके लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर बोकारो डीसी ने दिया जांच का आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छात्रों और अभिभावकों की शिकायत पर तुरंत संज्ञान लेते हुए बोकारो उपायुक्त को अंगवाली उच्च विद्यालय, पेटरवार में जांच कराने और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। स्कूल की शिक्षिका सह प्रभारी प्रधानाचार्य निभा आइंद पर सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रों का कहना है कि रजिस्ट्रेशन के नाम पर निर्धारित शुल्क से अधिक पैसे वसूले जाते हैं। स्कूल का कोई भी सामान टूटने पर सभी छात्रों से जुर्माना वसूला जाता है। इसके अलावा, क्लास में पढ़ाते समय शिक्षिका छात्र-छात्राओं के बीच अपशब्द, गाली-गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग करती हैं।

मुख्यमंत्री को लिखा था पत्र

इस पूरे मामले की शिकायत छात्रों, उनके अभिभावकों और स्थानीय मुखिया ने मिलकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर की थी। मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बोकारो उपायुक्त को तत्काल जांच के निर्देश दिए। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से जांच कर रिपोर्ट मांगी है। जिला शिक्षा पदाधिकारी जगन्नाथ लोहारा फिलहाल जमशेदपुर में हैं। उन्होंने कहा कि बोकारो लौटते ही इस मामले की जांच शुरू करेंगे।

अभिभावकों को जेल भेजने की धमकी का आरोप

छात्रों ने बताया कि जैसे ही प्रभारी प्रधानाचार्य को शिकायत की जानकारी हुई, वे घर-घर जाकर अभिभावकों को धमकाने लगीं। बच्चों का भविष्य खराब करने, उनके माता-पिता को जेल भिजवाने और रजिस्ट्रेशन व नंबर काट देने की धमकी दी जा रही है।

अलमारी टूटने पर सभी से 30-30 रुपये वसूले, नई अलमारी नहीं खरीदी

स्कूल में लगभग ढाई सौ छात्र-छात्राएं हैं। छात्राओं ने बताया कि एक अलमारी टूट जाने पर सभी से 30-30 रुपये जुर्माना वसूला गया, लेकिन नई अलमारी नहीं खरीदी गई। टूटी अलमारी पर सिर्फ टेप चिपकाकर काम चला दिया गया। अभिभावकों ने भी प्रधानाचार्य के इस रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है।

कार्रवाई नहीं हुई तो छात्र-छात्राएं धरने पर बैठे

प्रधानाचार्य पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज छात्र-छात्राओं ने स्कूल परिसर में ही धरना शुरू कर दिया और नारेबाजी की। वे सुबह 11 बजे से स्कूल की छुट्टी तक धरने पर डटे रहे। छात्रों ने चेतावनी दी है कि सोमवार तक अगर कार्रवाई नहीं हुई तो वे कक्षाओं का बहिष्कार करेंगे और फिर से धरने पर बैठेंगे। इस पूरे मामले में प्रभारी प्रधानाचार्य निभा आइंद कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं।

बिहार के बाद बंगाल में भी बनेगी एनडीए की सरकार, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी का दावा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पश्चिम बंगाल में भी एनडीए सरकार बनाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बनी है, अगली बारी बंगाल की है। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास मॉडल के आधार पर एनडीए को वोट दिया है। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं का विश्वास नरेंद्र मोदी पर है। महिलाओं के लिए योजनाएं लोगों का काफी पंसद आई। जिससे बिहार में प्रचंड बहुमत एनडीए को मिला। उन्होंने कहा कि बिहार के जैसे ही पश्चिम बंगाल में भी एनडीए की सरकार बनेगी। बंगाल के वोटर आने वाले दिनों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी की योजनाएं महिलाओं और युवाओं के विकास और समाज के सबसे निचले तबके के लोगों पर फोकस करते हैं। लोगों को मोदी पर भरोसा है, इसीलिए वे एनडीए को चुनते हैं। बता दें कि केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के चटकारी गांव में बरकट्ठा के पूर्व विधायक स्वर्गीय चित्तरंजन यादव की 16वीं पुण्यतिथि पर आयोजित शोक सभा में शामिल हुईं। उन्होंने पूर्व विधायक के जीवन पर रोशनी डाली और कहा कि लोग उनके काम को कभी नहीं भूलेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद मौजूद रहे।

पलामू जिले के 20 प्रखंडो में विधिक सशक्तिकरण शिविर आज : डीएलएसए सचिव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। झालसा के दिशा निर्देश व पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में 23 नवम्बर रविवार को जिले के 20 प्रखंड में विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजित किया जायेगा। उक्त जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन ने दी। उन्होंने बताया कि सशक्तिकरण शिविर में योग्य लाभुकों के बीच परिसम्पत्तियों का वितरण व समस्याओं को सुना जाएगा। साथ ही ज़रूरतमन्दों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन 11 बजे दिन से शुरू होगा। इस संबंध में पलामू की उपायुक्त सह सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार उपाध्यक्ष व प्राधिकार की सदस्य पुलिस अधीक्षक को सूचना दी गई है।

रांची में सेवा अधिकार सप्ताह कार्यक्रम के तहत लगाए गये शिविर, पंचायत से लेकर वार्ड तक उमड़े फरियादी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की रजत जयंती वर्ष के मौके पर 22 नवंबर 2025 रांची जिला में "आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार" यानी सेवा अधिकार सप्ताह कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर जनसेवा शिविरों का आयोजन हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों की पंचायतों से लेकर रांची नगर निगम के वार्डों तक कुल 60 से अधिक स्थानों पर शनिवार को सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ देखी गई। एक ही छत के नीचे कई विभागों की योजनाओं की जानकारी, आवेदन, स्वीकृति और मौके पर ही परिसंपत्ति वितरण की सुविधा उपलब्ध होने से लोग बेहद उत्साहित दिखे। रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि "झारखंड की रजत जयंती का यह वर्ष हम सभी के लिए गर्व और संकल्प का वर्ष है। आज का जनसैलाब और लोगों के चेहरों पर मुस्कान बता रही है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं"।

शिविरों में समस्याओं का समाधान

सामाजिक सुरक्षा पेंशन (वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग) के सैकड़ों नवीन एवं लंबित स्वीकृति पत्रों का वितरण।

सोना-सोबरन धोती-साड़ी-लुंगी योजना के तहत हजारों लाभुकों को धोती, साड़ी एवं लुंगी का वितरण।

दिव्यांगजनों को ट्राइसाईकिल व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, आदि का मौके पर वितरण।

दाखिल-खारिज शुद्धि पत्र, लगान रसीद, जाति, आय, आवासीय प्रमाण-पत्रों का त्वरित निष्पादन।

आधार कार्ड नामांकन/सुधार, पैन कार्ड।

प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, किसान क्रेडिट कार्ड आदि की जानकारी एवं आवेदन।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क जाँच, दवा वितरण एवं गोल्डेन कार्ड बनवाने की सुविधा।

इन पंचायतों में लगा जनसेवा शिविर

आज शनिवार को अनगड़ा प्रखंड में बोंगईबेड़ा एवं पैका पंचायत, बेड़ो प्रखंड में डोरण्डा एवं करकरी पंचायत, बुण्डू प्रखंड में ऐदलहातु एवं बारूहातु पंचायत, बुढ़मू प्रखंड के मुरुपीरी एवं ओझासाइम पंचायत, चान्हो प्रखंड के बलसोकरा, पतरातु एवं सोंस पंचायत, ईटकी प्रखंड के कुल्ली एवं कुर्गी पंचायत, कांके प्रखंड के काटमकुली, मालभृंग, गागी एवं मनातु पंचायत में शिविर लगा।

इसके साथ ही खलारी प्रखंड के मायापुर एवं चुरी पूर्वी पंचायत, लापुंग प्रखंड के बोकरन्दा एवं दानेकेरा पंचायत, माण्डर प्रखंड के बरगरी एवं ब्राम्बे पंचायत, नगड़ी प्रखंड के देवरी एवं नगड़ी पंचायत, नामकुम प्रखंड के सोदाग, लालखटंगा, डुंगरी एवं सीठियो पंचायत, ओरमांझी प्रखंड को कुटे एवं चाडू पंचायत, राहे प्रखंड को होटलो पंचायत, रातु प्रखंड को पुरियो, रातु उत्तरी एवं रातु पूर्वी पंचायत, सिल्ली प्रखंड के हाकेदाग एवं पिस्का पंचायत, सोनाहातु प्रखंड के जामुदाग एवं तेलवाडीह पंचायत और तमाड़ प्रखंड के आराहंगा, रड़गांव, मल्हानभुड़हाडीह एवं मरधान पंचायत के अलावा शहरी क्षेत्र के अलग-अलग वार्ड में शिविर लगाए गये। जिला स्तरीय वरीय अधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, विभागीय कर्मचारी एवं जन-प्रतिनिधि सुबह से शाम तक शिविरों में डटे रहे और लाभुकों की हर छोटी-बड़ी समस्या का त्वरित निदान किया। सेवा का अधिकार सप्ताह 28 नवंबर 2025 तक चलेगा। इस दौरान जिले के शेष सभी पंचायतों एवं वार्डों में भी जनसेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान कोशिश की जा रही है कि सभी पात्र नागरिक को योजनाओं का लाभ दिया जा सके।

हत्या की नीयत से गोली मारने का आरोपित गिरफ्तार

प्रेम-प्रसंग में लड़की ने दी थी जान, चचेरे भाई ने रची थी प्रेमी की हत्या की साजिश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र के हाई स्कूल के सामने एक नवंबर की सुबह में नीरज चंद्रवंशी को पीठ में गोली मारकर जख्मी करने के आरोपी हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के महुअरी गांव निवासी आकाश कुमार सिंह उर्फ गोलू को हैदरनगर थाना की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर घटना में उपयोग किए गए मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन, पहने गए कपड़े व जूता को बरामद किया गया है। पलामू पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने शनिवार को प्रेस के सामने सुपारी लेने वाले अपराधी को प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि एक नवंबर की सुबह में हैदरनगर के हाई स्कूल के सामने नीरज चंद्रवंशी को गोली मार कर जख्मी कर दिया गया था। नीरज ने गांव के ही कुछ लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया था। मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। इस क्रम में जानकारी मिली कि हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के महुअरी गांव निवासी आकाश कुमार सिंह ने घटना को अंजाम दिया है। इस आधार पर एसडीपीओ मो. याकूब के नेतृत्व में टीम गठित कर आकाश कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के क्रम में आकाश उर्फ गोलू ने पुलिस को बताया कि लोहरपुरा निवासी प्रिंस मेहता व सुमित मेहता ने नीरज चंद्रवंशी की हत्या के लिए 70 हजार रुपए की सुपारी दी थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना की 10 दिन पहले अपराधी ने उसकी रेकी की थी। रेकी करने के बाद 1 नवंबर की सुबह में आकाश कुमार चंद्रवंशी उर्फ गोलू ने नीरज की हत्या करने की नियत से उसे गोली मारकर फरार हो गया था। उन्होंने बताया कि इलाज के बाद नीरज चंद्रवंशी स्वस्थ हो गया है। उसने पुलिस को बताया है कि प्रिंस मेहता की चचेरी बहन ने हैदरनगर के निवासी के एक लड़के कारण आत्महत्या कर ली थी। उसी समय से प्रिंस व अन्य साथी उसकी हत्या के फिराक में थे। छापामारी दल में हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू चौधरी, हैदरनगर थाना प्रभारी अफजाल अंसारी आदि शामिल थे।

पाटन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर 24 को

मेदिनीनगर (पलामू)/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आगामी 24 नवंबर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अमित कुमार आजाद ने क्षेत्रवासियों से रक्तदान करने की अपील की है ।उन्होंने कहा है कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है। ऐसे में अधिक से अधिक लोग शिवर में पहुंचकर मानव की सेवा के लिए पुनीत कार्य में भाग लें। डॉक्टर आजाद ने बताया कि रक्तदान से दाताओं के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है बल्कि इससे शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है। रक्तदान से हृदय रोग की जोखिम भी कम होता है। साथ ही साथ शरीर में आयरन का स्तर नियंत्रित रहता है। तनाव कम होता है। इसलिए सभी स्वस्थ मनुष्य को रक्तदान जरूर करना चाहिए । उन्होंने युवा वर्ग, सामाजिक संगठन व आम नागरिकों से 24 नवंबर को पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचकर रक्तदान करने की अपील की है।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

धनबाद, दिनांक 20.11.2025, मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण)/पूर्व मध्य रेल/धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैः– **क्र.सं. : 1 ई– निविदा सं.** : 250-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि** : पू. म. रेल के धनबाद मंडल में वरीय अनु. अभि. (पुल)/ धनबाद के अधीन सिजुआ – अंगारपथरा के बीच कि.मी. 10/2–4 पर पुल सं. 20A (ROB) (1x33.60), तेतुलमारी – निचितपुरस्टेशन के बीच कि.मी. 280/17–19 पर पुल सं. 34A अप एवं डाउन, परसाबाद – सरमाटांड स्टेशन के बीच कि.मी. 374/27–29 पर पुल सं. 202 अप एवं डाउन और बोकारो थर्मल – गोमिया स्टेशन के बीच कि.मी. 43/9–11 पर पुल सं. 117 (9x18.30) के जंग लगे मेंबर को बदलना, रिवेटस के द्वारा बोल्ट और जंग लगे / लूज रिवेट को बदलना तथा मजबूतीकरण। **11 (ग्यारह) महीने, कार्य की लगभग लागत (रु. में)** : 1,66,20,220.32, **क्र.सं. : 2 ई– निविदा सं.** : 251-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि** : धनबाद मंडलः व.मं.अभि./1/ धनबाद के क्षेत्राधिकार अधीन टोरी, लातेहार, छीपादोहर, बरवाडीह, डाल्टनगंज, रजहरा और गढ़वा रोड में आरजीएम / मशीन साइडिंग का अपग्रेडेशन 07 नं.। **12 (बारह) महीने, कार्य की लगभग लागत (रु. में)** : 3,08,71,635.28, **क्र.सं. : 3 ई– निविदा सं.** : 252-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि** : सहा.मं.अभि./डाल्टनगंज के अधीन व. अनु.अभि./ रेलपथ / बरवाडीह के अधीन 259/0–276/0 तक 17 टीकिमी के लिए पूर्ण ट्रैक नवीनीकरण (प्राइमरी) सीटीआर (पी) कार्य। **12 (बारह) महीने, कार्य की लगभग लागत (रु. में)** : 3,63,15,358.28, **क्र.सं. : 4 ई– निविदा सं.** : 253-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि** : धनबाद मंडलः व.मं. अभि./1/ धनबाद के क्षेत्राधिकार में टोरी – शिवपुर (टीकिमी – 06.099), टोरी (टीकिमी – 4.699), लातेहार (टीकिमी – 11.80), बरवाडीह (टीकिमी – 2.351) में टीकिमी सेस मरम्मत। **12 (बारह) महीने, कार्य की लगभग लागत (रु. में)** : 11,96,37,544.79, **क्र.सं. : 5 ई– निविदा सं.** : 254-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि** : धनबाद मंडलः व.मं.अभि. / 2/ धनबाद के अधीन आरजीएम / मशीन साइडिंग का अपग्रेडेशन–06 नं. **12 (बारह) महीने, कार्य की लगभग लागत (रु. में)** : 2,64,59,887.47, **क्र.सं. : 6 ई– निविदा सं.** : 255-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि** : पिपराडीह, बरही, पदमा और हजारीबाग टाउन में पीपी शेल्टर और एफओबी शेल्टर का सुधार। **12 (बारह) महीने, कार्य की लगभग लागत (रु. में)** : 34,99,960.50. **ब्याने की राशि (रु. में) : ब्याने की राशि http://www.ireps.gov.in** पोर्टल पर दिखाये राशि के अनुसार लागू, **निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय** : ई–निविदा बंद होने की तारीख 16.12.2025 को 12.00 बजे तक। ई–निविदा खुलने की तारीख 16.12.2025 को 12.30 बजे से, **वेबसाईट का विवरण : http://www.ireps.gov.in** ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण),
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/1328/डीएचएन/ईजी./टी/25–26/84

जमीन विवाद में चली गोली, तीन आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के गौसिया मदरसा के पास जमीन विवाद में दो पक्षों में फायरिंग की घटना हुई थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को एक घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने एक देसी पिस्टल, एक देसी कट्टा व नौ गोली बरामद किया है। गोली चालन की घटना शुक्रवार की देर रात 11 बजे के करीब की है। उक्त जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने तीनों आरोपियों को प्रेस के सामने प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी अमजद खान, मोहित कुमार व तनवीर शाह को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद कार्रवाई करते हुए एक घंटे में पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने बताया कि सोनू खान, अमजद खान व आरोपियों के बीच पहाड़ी मोहल्ला में जमीन को लेकर विवाद था। इसी विवाद में शुक्रवार की देर रात गोली चली थी। फायरिंग के बाद सभी फरार होने की कोशिश कर रहे थे। इस क्रम में रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ कर भागने की फिराक में थे। पुलिस ने छापेमारी कर सभी को गिरफ्तार कर लिया।छापेमारी में टाउन थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार, टीओपी वन के प्रभारी इंद्रदेव पासवान, एएसआई संदीप कुमार समेत कई पुलिस अधिकारी शामिल थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अमजद खान का आपराधिक इतिहास रहा है। पहले भी वह जेल जा चुका है।

कानून-व्यवस्था में सुधार पर कांग्रेस ने की पलामू पुलिस की प्रशंसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिला कांग्रेस के प्रवक्ता गोपाल सिंह ने कहा कि पलामू पुलिस ने हाल के दिनों में अपने कर्तव्यों के प्रति जिस सतर्कता, प्रतिबद्धता व दक्षता का परिचय दिया है, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। विभिन्न मामलों के शीघ्र निष्पादन, सफल उद्भेदन व गंभीर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण ने जिले की कानून व्यवस्था को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा की गई समयबद्ध व तथ्यपरक जांच, अपराध की जड़ तक पहुंचने की क्षमता व जिले में चलाए जा रहे संयोजित सुरक्षा प्रयासों ने आम नागरिकों में भरोसा बढ़ाया है। कई मुख्य आरोपितों की गिरफ्तारी व विभिन्न प्रकरणों में की गई पेशेवर कार्रवाई ने जिले में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ किया है। कांग्रेस प्रवक्ता ने विशेष रूप से पलामू की पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके निर्देशन में पुलिस बल ने प्रशासनिक कुशलता, रणनीतिक तैयारी व आंतरिक समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।गोपाल सिंह ने कहा कि पलामू पुलिस के इस समर्पण, साहस व पेशेवर दक्षता पर पलामूवासियों को गर्व है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक व संपूर्ण पुलिस बल को हार्दिक बधाई के साथ शुभकामनाएं दी। कहा कि कांग्रेस पार्टी जन-सुरक्षा से जुड़े हर सकारात्मक प्रयास के साथ खड़ी रहेगी।

कूरियर कंपनी की आड़ में 2709 लीटर विदेशी शराब जब्त, दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बिंद थाना पुलिस ने शनिवार को एक बड़े शराब तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक पार्सल पिकअप वाहन से 2709 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। इस दौरान दो तस्करों को मौके से गिरफ्तार भी किया गया। मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस के अनुसार तस्कर कूरियर कंपनी के नाम और लोगो का इस्तेमाल कर शराब को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचा रहे थे, ताकि किसी को शक न हो। बिंद थानाध्यक्ष चंदन कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि शेखपुरा से होकर बेनार मोड़ के रास्ते भारी मात्रा में शराब बिंद की तरफ लाई जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद फोरलेन चौराहा के पास भट्ठा पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। बेनार मोड़ की ओर से आ रहे एक संदिग्ध पिकअप वाहन को रोका गया। वाहन पर 'ब्लू डार्ट डाक पार्सल' लिखा हुआ था, जिससे यह एक साधारण कूरियर गाड़ी जैसा दिख रहा था। लेकिन तलाशी के दौरान पुलिस दंग रह गई। वाहन से 'मेड इन अरुणाचल प्रदेश 999 गोल्ड प्रीमियम व्हिस्की' के 301 कार्टन बरामद हुए। प्रत्येक कार्टन में 750 एमएल की 12 बोतलें थीं। कुल बोतलेंः 3612, कुल शराबः 2709 लीटर। बरामद की गई शराब की कीमत बाजार में लाखों रुपये आंकी गई है। पुलिस ने चालक और उपचालक दोनों को गिरफ्तार कर लिया। चालक उदय कुमार पासवान उर्फ हुलेश्वर पासवान (28), निवासी – डुमरी गांव, हंटरगंज थाना, चतरा (झारखंड) उपचालकः मिंटू कुमार (23), निवासी – घोरहरी गांव, चंडी थाना, नालंदा पिकअप वाहन को जब्त कर उत्पाद अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि यह तस्करी का एक संगठित नेटवर्क प्रतीत होता है, जिसमें कई राज्यों के लोग जुड़े हो सकते हैं। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि इस अवैध धंधे से जुड़े अन्य लोगों और मास्टरमाइंड का पता लगाया जा सके।

सड़क दुर्घटना में चालक की मौत

बिहारशरीफ/ नबिटा ब्यूरो। वेना थाना क्षेत्र के वेना बाजार स्थित पुल के पास शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक अनियंत्रित ट्रैक्टर सड़क किनारे बने करीब 20 फीट गहरे गड्ढे में गिर गया, जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर चालक बाजार से ट्रैक्टर लेकर अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान वेना बाजार के पास पुल के निकट वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया। बताया जाता है कि जैसे ही ट्रैक्टर असंतुलित हुआ चालक ने कूदकर खुद को बचाने की कोशिश की लेकिन दुर्भाग्यवश ट्रैक्टर का चक्का उसके ऊपर चढ़ गया। इससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान वेना थाना क्षेत्र के कमलबीघा गांव निवासी दिनेश राम के 35 वर्षीय पुत्र सचिन कुमार के रूप में की गई है।

पोखर में डूबने से तीन मासूमों की दर्दनाक मौत

परिजनों का बुरा हाल, गांव में मचा कोहराम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा। एकमा थाना क्षेत्र के परसा पूर्वी पंचायत के धनौती गांव के बाहर शनिवार की दोपहर बाद एक मत्स्य पालन वाले निजी पोखर में डूबने से तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया। वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आशंका जताई जा रही है कि तीनों बच्चे पोखरा की मछली देखने, खेलने अथवा नहाने गए थे, इसी दौरान गहरे पानी में चले जाने से उनकी डूबकर मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों व परिजनों द्वारा तीनों बच्चों को आनन-फानन में एकमा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां ड्यूटी पर तैनात डॉ इरफान अहमद ने तीनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों के शव की पहचान सोनी कुमारी (5), पिता शिवप्रसन्न यादव, निवासी पकवलिया, महराजगंज, जिला सिवान, बताया गया है कि सोनी कुमारी अपने ननिहाल एकमा थाना क्षेत्र के धनौती गांव में रहती थी।

वहीं उज्ज्वल कुमार (4), पिता मनोज मांझी और तन्या कुमारी (3) पिता सरोज मांझी, दोनों निवासी धनौती, थाना एकमा, जिला सारण के रूप में की गई है। बताया गया है कि उज्ज्वल कुमार व तन्या कुमारी रिश्ते में चचेरे भाई-बहन थे।घटना की सूचना बीएचएम वाहिद अख्तर द्वारा एकमा थाना एवं अंचलाधिकारी अमलेश कुमार को दी गई। सूचना पाकर एकमा थानाध्यक्ष ध्रुव प्रसाद सिंह के निर्देश पर पुलिस अवर निरीक्षक नंदकिशोर सिंह पुलिस बल के साथ सीएचसी पहुंचे। जहां परिजनों का बयान लेने के बाद शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया।

वहीं जानकारी पाकर पहुंचे एकमा अंचलाधिकारी अमलेश कुमार ने मृत बच्चों के परिजनों से मिलकर सांत्वना दी और सरकार द्वारा आपदा सहायता मद से प्रत्येक मृतक के परिवार को नियमानुसार चार लाख रुपए का मुआवजा दिए जाने के प्रावधान की बात कही।

बताया गया है कि तीनों बच्चे गांव के ही आंगनवाड़ी केन्द्र में पढ़ने के लिए जाते थे। यह बात अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है कि शनिवार को बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने के लिए गए थे अथवा नहीं। अगर गए थे तो घर आकर पोखरा की तरफ गए थे या आंगनबाड़ी केंद्र से ही पोखरा की तरफ चले गए थे।

बहरहाल, इस दर्दनाक हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल व्याप्त है।

जिले में भाजपा के दो कार्यकर्ताओं की मौत

बिहारशरीफ। भारतीय जनता पार्टी नालंदा के लिए शनिवार का दिन अत्यंत दुखद रहा, जब पार्टी ने अपने दो सक्रिय कार्यकर्ताओं को खो दिया। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निशा कश्यप का पटना ले जाने के दौरान शुक्रवार की रात निधन हो गया। प्रसव के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी थी। भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष राजेश कुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी। कुछ ही देर बाद भाजपा नालंदा के पूर्व जिला महामंत्री और आरएसएस के बाल स्वयंसेवक सियाशरण आर्य के निधन की खबर से कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई।

वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और पटना के एक अस्पताल में उनका देहांत हो गया। दोनों दिवंगत नेताओं की स्मृति में 23 नवंबर 2025 को दोपहर 12 बजे, भाजपा जिला कार्यालय मेहनौर में शोकसभा आयोजित की जाएगी। जिलाध्यक्ष राजेश कुमार ने इस दोहरी क्षति को पार्टी के लिए अपूर्णीय बताया और दोनों परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

जेसीबी से तोड़ी गयी दुकानें, वसूला जुर्माना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा। शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और लगातार लगने वाले जाम से राहगीरों की परेशानी को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने शनिवार को बड़ा अभियान चलाते हुए सलेमपुर चौक से मेवा लाल चौक तक सड़क के दोनों किनारों पर फैले अतिक्रमण को हटाया।

इस दौरान कुल 32 अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई की गई, जबकि अवैध रूप से सड़क घेरकर दुकान लगाने वाले दुकानदारों से 1700 रुपये जुर्माना वसूला गया।

इस सड़क पर रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती थी। सड़क के दोनों किनारों पर फल-सब्जी के ठेले और अस्थाई दुकानें सजी होने से रास्ता संकरा हो चुका था। जाम के कारण स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं, कार्यालय कर्मियों और मरीजों को समय पर गंतव्य तक पहुंचने में मुश्किल होती थी।

कई बार एंबुलेंस तक फंस जाती थी। आए दिन लोग पैदल चलने को मजबूर होते थे, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती थी।

अभियान छपरा सदर के अंचलाधिकारी राणा अक्षय प्रताप सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। कार्रवाई में सहकारिता विभाग के कमलेश साह, कृषि समन्वयक शंभूनाथ सिंह, नगर थाना पुलिस अवर निरीक्षक विजय

बहादुर सिंह, पीटीसी जितेंद्र कुमार, नगर थाना बल, दो सेक्शन सशस्त्र बल, 15 पुरुष व 10 महिला पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस और नगर निगम टीम ने मिलकर अस्थाई कब्जों को तुरंत हटाया और आगे अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी।

नगर निगम प्रशासन ने बताया कि शहर को जाम-मुक्त और सुगम बनाने के लिए आने वाले दिनों में भी अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी रहेगा। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण करने वालों पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भीषण अगलगी में लाखों रुपये मूल्य के पेड़ राख

पीड़ित किसान ने की मुआवजे की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड के बंधार पंचायत अंतर्गत परशुराम गांव वार्ड-18 में बुधवार को एक भीषण अगलगी की घटना ने किसान के वर्षों की मेहनत पर पानी फेर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव के एक खेत में अचानक लगी आग की चपेट में आकर लगभग 12 कट्ठा में लगे करीब 1200 महोगनी के पेड़ जलकर राख हो गए। इन पेड़ों की अनुमानित कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।

पीड़ित किसान रामदेव शाह ने बताया कि उन्होंने करीब 10 वर्ष पूर्व अपने खेत में महोगनी के पौधे लगाकर बड़ी मेहनत से उनकी देखभाल की थी। पेड़ अब पूरी तरह तैयार हो चुके थे और इससे उन्हें भविष्य में अच्छी आमदनी की उम्मीद थी। लेकिन अचानक लगी आग से सारी उम्मीदें और वर्षों की मेहनत एक पल में नष्ट हो गई

पीड़ित ने कहा कि आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। हालांकि आशंका है कि किसी राहगीर द्वारा सिगरेट या बीड़ी पीकर लापरवाही से फेंक देने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया होगा। घटना के बाद किसान ने संबंधित अधिकारियों को सूचना दी है।

उन्होंने बताया कि सीओ को घटना की जानकारी देकर सरकारी सहायता प्रदान किए जाने की गुहार लगाई है। किसान ने कहा कि यदि सरकार की ओर से उन्हें मुआवजा मिलता है तो इस कठिन समय में बड़ी राहत होगी, अन्यथा इतनी बड़ी क्षति की भरपाई कर पाना बेहद कठिन होगा। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि घटना की जांच कर पीड़ित किसान को उचित मुआवजा दिया जाए और ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए गांव में जागरूकता भी बढ़ाई जाए।

पोखर में डूबने से मौत, जाम

गयाजी। थाना क्षेत्र के राजाविगहा स्थित बड़की पोखर में एक युवक का शव मिलने के बाद स्वजनों और ग्रामीणों ने उग्र हंगामा करते हुए मुख्य सड़क को करीब सात घंटे तक जाम कर दिया था। जिसे प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद जाम हटाया गया था। अब इस मामले में वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर फतेहपुर थाना पुलिस ने सड़क जाम, हंगामा करने वालों एवं सरकारी काम में बाधा उत्पन्न करने वालो पर प्राथमिकी की गई है।मृतक की पहचान संतोष कुमार उर्फ संटू यादव पिता नंदलाल यादव ग्राम टेगैनी, थाना गुरपा के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में उसकी मौत पानी में डूबने से होने की सूचना मिली है। घटना की जानकारी मिलने पर घटना के सुबह करीब 10 बजे फतेहपुर थाना के पुअनि हसन ईमाम टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर स्वजन और ग्रामीणों की बड़ी भीड़ जमा हो गई और पोस्टमार्टम कराने से इनकार करते हुए पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। आक्रोशित भीड़ राजाबिगहा मोड़ तक पहुंचकर सड़क पर बैठ गई, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया।

जिला महिला लोक समिति की कार्यकर्ता बैठक

बिहार में शराब बंदी कानून का सख्ती से पालन हो : शिवजी सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। विगत दिनों भोजपुर जिला महिला लोक समिति के तत्वावधान में महिला सशक्तिकरण एवं उनके हक अधिकार को लेकर आरा स्थित राजेन्द्र नगर में गीता महिला उत्थान समिति के सभागार में महिला कार्यकर्त्ता बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता गीता पाण्डेय और संचालन सजला श्रीवास्तव ने की। मौके पर उपस्थित बिहार प्रदेश लोक समिति के प्रांतीय महासचिव शिवजी सिंह ने कहा कि बिहार विधान सभा चुनाव में महिलाओं की सक्रियता एवं भागीदारी पुरूषों से कम नहीं थी। चुनाव में महिलाओं की भागीदारी के कारण मतदान का प्रतिशत हर जगह बढ़ गया था। यें महिला सशक्तिकरण एवं लोक समिति तथा आरक्षण की देन है। अब कोई भी सरकार महिलाओं को दबा नहीं रख सकती। महिलाएं अपने हक और अधिकार के लिए आगे आयें। महिलाओं को पर्दा से बारह निकालने के लिए गांधी और जयप्रकाश नारायण का बहुत बड़ा योगदान है। इन महापुरुषों ने कस्तूरबा और प्रभावती को घर से बाहर निकालकर अपने काम काज में साथ रखा। लोहिया ने भी नर-नारी समता की बात को आगे बढया।

श्री सिंह ने कहा कि आज उसी का देन है कि हमारी सरकारें महिलाओ और बेटियो को आगे बढने एवं पढने के लिए आरक्षण के साथ-साथ आर्थिक सुविधा भी मुहैया करा रही है। लेकिन अभी भी हमारी मां, बहने और बेटियां काफी काफी अभाव एवं गरीबी में रहकर घुंट-घुंट कर अपना जीवन जी रही है।श्री सिंह ने बिहार सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि बिहार

में पूर्ण शराब बंदी कानून लागू है फिर भी चोरी- चुपे पड़ोसी राज्यों से शराब आकर बिक रहा है। बिहार में शराब बंदी कानून को सख्ती से पालन करने की जरूरत है।

श्री सिंह ने लोक नायक जयप्रकाश नारायण द्वारा स्थापित गैर दलीय राष्ट्रीय जन संगठन लोक समिति की ओर से मांग करते हुए कहा कि सभी के लिए भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, एवं रोजगार के साथ सुरक्षा की व्यवस्था करना बिहार सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। लोक समिति नई सरकार से यहीं उम्मीद करती है।

बैठक में उपस्थित बक्सर जिला संयोजक हीरालाल राय ने कहा कि बक्सर और भोजपुर जिला में संगठन का विस्तार हो रहा है। संगठन के लिए कोष,कार्यालय, कार्यकर्त्ता और सतत कार्यक्रम का चलना जरूरी है।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में गीता पाण्डेय ने बताया कि मैं जे.पी. आन्दोलन की एक आन्दोलनकारी महिला रही हूं। जेपी की विचार धारा से जुड़कर आज भी काम करती हूं। मुझे अभी तक पेंशन नहीं मिलता है। मैं बूढ़ी हो गयी हूं। बुढ़ापे में शरीर कमजोर हो गया है। बुढ़ापे की सहारा के लिए अब मुझे पेंशन की आवश्यकता महसूस हो रही है। बिहार सरकार मेरे आवेदन को स्वीकार कर लेती तो मुझे बड़ी राहत मिलती।

इनके अलावा बैठक में रिंकी पाण्डेय, कलावती देवी, सौम्या श्रीवास्तव, चिन्ता देवी, मुन्नी देवी, खुशबू कुमारी, विद्यावती देवी, विमला देवी, शशी भूषण, विद्या शंकर पाण्डेय, मनोज कुमार सिंह, द्वारिका नाथ ओझा वगैरह ने अपना विचार व्यक्त कियें। सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि लोक समिति संगठन की अगली विस्तार बैठक आगामी 21 दिसम्बर 2025 को आरा में होगी।

स्वर्ण व्यवसायी की पीट-पीटकर हत्या

पुलिस ने दो आरोपितों को किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वैशाली। वैशाली थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर के समीप स्वर्ण व्यवसायी हिमांशु कुमार की बदमाशों ने बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। वहीं उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक 19 वर्षीय हिमांशु दाउदनगर निवासी रंजीत साह का पुत्र था और उसकी चकअलहदाद सरकारी पोखर के पास सोना-चांदी व बर्तन की दुकान है। घटना की सूचना मिलते ही वैशाली थाना और बेलसर थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसडीपीओ सदर-2 गोपाल मंडल ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर पूरी जानकारी ली। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार की शाम करीब साढ़े सात बजे हिमांशु अपनी दुकान बंद कर अपने मित्र चकअलहदाद निवासी हरिमोहन राय के पुत्र प्रिंस कुमार के साथ बाइक से इब्राहिमपुर की ओर गया था। वहां 8-10 हमलावरों ने

लाठी-डंडा व लोहे की राड से मारपीट कर जख्मी कर दिया।

हमलावरों ने मारपीट में गंभीर रूप से जख्मी हिमांशु को इब्राहिमपुर से दुमदमा जाने वाली सड़क किनारे फेंक दिया। सड़क किनारे घायल युवक को देखकर वहां लोगों की भीड़ जुट गई। दोनों को इलाज के लिए मंसुरपुर अस्पताल ले जाया गया। वहां जांच के बाद डाक्टर ने हिमांशु को मृत घोषित कर दिया।

इसकी सूचना मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पिता और स्वजन आनन-फानन में अस्पताल पहुंच गए। घटना की सूचना मिलते ही वैशाली थाना की पुलिस के अलावा बेलसर थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

एसडीपीओ सदर-2 ने गोपाल मंडल ने भी मौके पर पहुंच कर जांच की। देर रात सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव स्वजनों को सौंप दिया।

इस मामले में मृतक के पिता ने नौ लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि एक सप्ताह पहले दुमदूमा गांव निवासी अजीत कुशवाहा के पुत्र आकांशु कुमार से विवाद हुआ था। इसके बाद उसने इसका बदला लेने की धमकी दी थी।

इस संबंध में वैशाली थाना के एसआई दीपक कुमार ने बताया चकअलहदाद गांव निवासी हरि मोहन राय का पुत्र प्रिंस कुमार एवं दुमदुमा गांव निवासी पूनम कुशवाहा के पुत्र प्रिंस कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अधिग्रहण के खिलाफ रैयतों का फूटा गुस्सा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बांका। एनएच-333 ए के तहत बायपास निर्माण को लेकर शनिवार को रैयतों ने प्रशासनिक कार्रवाई के खिलाफ जमकर हंगामा किया।

प्रखंड मुख्यालय स्थित एफसीआई गोदाम से लेकर लीलाथान तक जेसीबी द्वारा अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू होते ही रैयत मौके पर पहुंच गए और मशीन को रुकवा दिया। देखते ही देखते संत मेरी स्कूल के पास बड़ी संख्या में लोग जुट गए और सरकार तथा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू हो गई। रैयतों का आरोप था कि सरकार बिना मुआवजा दिए उनकी जमीन और संरचनाओं को जबरन हटाने की कोशिश कर रही है। उनका कहना था कि न तो कोई नोटिस मिला और न ही उनकी बात सुनी गई, उलटे मशीन भेजकर जमीन कब्जाने की कवायद शुरू कर दी गई।

सभी रैयत एक स्वर में पहले मुआवजा देने, उसके बाद ही निर्माण कार्य कराने की मांग पर अड़े रहे। विरोध कर रहे ग्रामीणों ने कहा कि वे सड़क निर्माण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन बिना भुगतान अपनी जमीन किसी भी कीमत पर नहीं देंगे।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पूर्व निर्धारित सुरक्षा व्यवस्था के तहत 22 से 24 नवंबर तक विभिन्न स्थानों पर मजिस्ट्रेट बीपीआरओ उपेंद्र कुमार वर्मा, बीएओ अभिषेक कुमार, प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी राकेश रंजन सिंह और जीविका बीपीएम देवेंद्र कुमार मिश्र को तैनात किया गया था। थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार भी जिला पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। इसके बावजूद विरोध लगातार बढ़ता गया और माहौल तनावपूर्ण बना रहा। विवाद बढ़ता देख एसडीओ राजकुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रंजीत कुमार, एनएचएआई के कार्यपालक अभियंता साकेत कुमार रौशन, सहायक अभियंता सुधीर कुमार, कनीय अभियंता अजीत कुमार तथा संवेदक हरि कंस्ट्रक्शन के प्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे।

दो मुखियों पर गिर सकती है गाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। पंचायती राज व्यवस्था और मनरेगा योजनाओं में लाखों रुपए का गोलमाल करने का मामला उजागर हुआ है।

यह मामला शेखोपुरसराय के ओनामा और अंबारी पंचायत में हुआ है। जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के द्वारा इसकी जांच कराई गई है। इसके लिए तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन 13 सितंबर 2025 को ही किया गया था। जिसके जांच प्रतिवेदन में घोटाला उजागर हुआ है। अब इसमें कार्रवाई की गाज मुखिया पर गिरने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

इस संबंध में मिली जानकारी में बताया गया कि ओनामा पंचायत के मुखिया अभिमन्यु सिंह और अंबारी पंचायत के मुखिया विनोद राम के द्वारा कई योजनाओं में लाखों रुपए की गड़बड़ी की गई। योजनाओं की जांच में यह गड़बड़ी सामने आया है।

इस संबंध में मिली जानकारी में बताया गया कि योजना के निर्धारित मानक के अनुसार काम कराए बिना ही पैसे की निकासी कर ली गई। इसमें अंबारी पंचायत में सर्वाधिक मामला बताया जाता है। यहां एक साथ दो से तीन दर्जन योजनाओ को एक साथ काम कराया गया है।

बिहार की शासन-व्यवस्था में बड़ा बदलाव

पटना। बिहार की राजनीति और प्रशासनिक परंपराओं में एक ऐतिहासिक बदलाव दर्ज हुआ है। राज्य के गठन के बाद पहली बार गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री के पास न होकर किसी अन्य मंत्री को सौंपी गई है। नीतीश कुमार लगभग 20 वर्षों से मुख्यमंत्री के पद पर हैं,एवं अभी तक गृह मंत्रालय उनके पास रहा है। पहली बार भाजपा ने गृह मंत्रालय अपने अधीन लिया है। यह सिर्फ एक मंत्रालय नहीं है, बल्कि शासन व्यवस्था की पूरी बागडोर गृह मंत्रालय के अधीन रहती है। गृह मंत्रालय को अपने अधीन लेकर भाजपा ने एक राजनीतिक संदेश दिया है, कि अब वह राज्य में बड़े भाई की भूमिका में रहेगी। मंत्रिमंडल के गठन में भाजपा ने कई महत्वपूर्ण विभाग अपने अधीन रखा है एवं विधानसभा अध्यक्ष भी भाजपा अपने अधीन रखेगी। आमजनों में यह चर्चा बन चुकी है कि अब बिहार का प्रशासन दिल्ली से संचालित किया जाएगा।

बिहार में पहली बार भाजपा इस स्थिति में आ चुकी है कि वह नीतीश कुमार के सहयोग के बिना भी सरकार बना सकती है, शायद यही वजह रही कि नीतीश कुमार को भाजपा की शर्त मानने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह परिवर्तन भाजपा की बढ़ती शक्ति का प्रतीक है।

विगत कुछ समय से नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठते रहें है। कई बार वे अपनी हरकतों से हंसी के पात्र बन चुके है। नीतीश कुमार की ढलती उम्र एवं गिरते स्वास्थ्य कों देखते हुए भाजपा ने अपनी आगे की रणनीति बना लिया है।

परंपरागत रूप से बिहार ही नहीं, बल्कि ज्यादातर राज्यों में गृह विभाग मुख्यमंत्री के पास ही रहता है। इसका कारण स्पष्ट है – गृह मंत्रालय आंतरिक सुरक्षा, पुलिस प्रशासन, कानून-व्यवस्था और खुफिया व्यवस्था जैसा अत्यंत संवेदनशील दायरा संभालता है, जिसे सत्ता का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है। लेकिन इस बार इस परंपरा से हटकर लिए गए निर्णय ने यह संकेत दिया है कि बिहार में शासन-व्यवस्था की नई कार्यशैली विकसित करने की कोशिश हो रही है।

इस नए मॉडल के सामने चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। गृह मंत्रालय जैसे संवेदनशील विभाग में मुख्यमंत्री और मंत्री के बीच तालमेल, त्वरित निर्णय क्षमता और सूचना साझेदारी अत्यंत जरूरी होगी। यदि राजनीतिक या प्रशासनिक टकराव पैदा हुआ तो इसका प्रतिकूल प्रभाव कानून-व्यवस्था पर पड़ सकता है। इसलिए स्पष्ट अधिकार-विन्यास, लक्ष्यों की प्राथमिकता और लगातार संवाद बनाए रखना होगा। बिहार में पिछले कुछ समय से कानून-व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। अपराध की घटनाएं, नशाखोरी, साइबर अपराध, भूमि विवाद, और राजनीतिक हिंसा जैसी चुनौतियाँ राज्य प्रशासन के सामने बनी हुई हैं। ऐसे में यदि गृह मंत्री को पूर्ण अधिकार और कार्यक्षेत्र दिया जाए तो इससे पुलिस-प्रशासनिक कार्रवाइयों पर फोकस बढ़ सकता है और जवाबदेही भी स्पष्ट हो सकती है। मुख्यमंत्री स्वयं जहां संपूर्ण शासन पर ध्यान देंगे, वहीं गृह मंत्री के नेतृत्व में कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर विशेषज्ञता और तत्परता सुनिश्चित की जा सकती है।

यह परिवर्तन बिहार की शासन-व्यवस्था में एक सकारात्मक प्रयोग की तरह है। यह प्रशासनिक सुधार की उस सोच को दशार्ता है जिसमें व्यक्ति-आधारित सत्ता के बजाय जिम्मेदारी-आधारित सत्ता संरचना विकसित करने की कोशिश की जा रही है। यदि यह मॉडल सफल होता है, तो यह न केवल बिहार बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बन सकता है।

बिहार के नागरिकों की अपेक्षा सरल और स्पष्ट है – चाहे गृह मंत्रालय मुख्यमंत्री संभाले या कोई मंत्री, परिणाम धरातल पर दिखाई देना चाहिए। कानून-व्यवस्था मजबूत हो, अपराध पर लगाम लगे, आम लोग सुरक्षित महसूस करें – यही किसी भी बदलाव की वास्तविक कसौटी है। ई हिमांशु शेखर, साहित्यकार सह समाजिक कार्यकर्त्ता, केसपा, गयाजी।

जीविका दीदी के बाद अब छात्रों को सरकार दे रही सहायता राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार युवाओं के रोजगार पर अधिक से अधिक ध्यान दे रही है। उनकी बेहतर पढ़ाई, उनको दक्ष बनाने से लेकर रोजगार शुरू करने और नौकरी खोजने में भी मदद कर रही है। इसके लिए सरकारी सहायता भी प्रदान कर रही है।

इसी क्रम में सीएम नीतीश कुमार की सरकार ने मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता योजना की शुरूआत की है। इसका लाभ पाने के लिए इंटरमीडिएट व स्नातक उत्तीण 40 हजार विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। अब उन्हें सरकार प्रति माह एक हजार रुपये महीने की सहायता राशि दे रही है। मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना के तहत सहायता राशि हासिल करने के लिए सिकंदरपुर स्थित जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र पर आवेदकों की भीड़ उमड़ रही है। अब तक इस योजना के तहत 40 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

अधिकारी उनके कागजात की जांच के बाद 35 हजार 68 आवेदन स्वीकृत कर चुके हैं। कागजात दुरुस्त नहीं रहने के कारण 2,816 आवेदन अस्वीकार कर दिए गए हैं। फिलहाल 32 हजार 986 को योजना के तहत एक हजार रुपये की राशि हर महीने दी जा रही है।

योजना के तहत स्नातक उत्तीर्ण करीब आठ हजार 761 ने आवेदन किए हैं। इनमें मात्र 2,490 ने ही जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र पहुंच कर मूल कागजात की जांच कराई। शेष द्वारा अब तक न तो आनलाइन भरा गया आवेदन जमा किया और न ही कागजात की जांच कराई। ऐसे आवेदकों को 15 दिनों का समय दिया गया है। उसके बाद भी कागजात का सत्यापन नहीं कराने वालों का आवेदन रद कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसकी शुरूआत 2 अक्टूबर 2016 को युवाओं को नौकरी खोजने में मदद करने के उद्देश्य से की गई थी। इसका लाभ वैसे युवाओं को दिया जा रहा है जो 20 से 25 वर्ष आयुवर्ग में हैं तथा इंटरमीडिएट या स्नातक पास हो चुके हैं।

पड़ोसियों के अधिकार को ले 10 दिवसीय देशव्यापी मुहिम की शुरूआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद फारबिसगंज इकाई द्वारा आदर्श पड़ोसी, आदर्श समाज के नारे के साथ पड़ोसियों के अधिकारों को लेकर दस-दिवसीय मुहिम की शुरूआत की गई है। यह मुहिम 30 नवंबर 2025 तक पूरे देश में प्रारंभ की गई है। जिसका उद्देश्य पड़ोसियों के प्रति अच्छे व्यवहार और सद्भावना की भावना को फिर से जगाना और सामुदायिक संबंधों को मजबूत करना है।

मीडिया को जारी एक बयान में जमाअत के इकाई अध्यक्ष रिजवान खान ने कहा ₹इस्लाम पड़ोसियों के अधिकारों को बड़ा महत्व देता है और इसे एक सामंजस्यपूर्ण समाज की आधारशिला मानता है। कुरआन में अपने अनुयायियों को स्पष्ट रूप से न केवल निकटम पड़ोसियों के साथ, बल्कि अस्थाई पड़ोसी के रूप में निकट आए लोगों के साथ भी अच्छा व्यवहार करने का आदेश दिया गया है जिसमें सहकर्मी, सहयात्री और यहाँ तक कि सड़क पर हमारे साथ चलने वाले लोग भी शामिल हैं। इस मुहिम के जरिए, हम मुसलमानों को इन अनिवार्य शिक्षाओं की याद दिलाना चाहते

हैं और उन्हें अच्छे पड़ोसी बनने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं, ताकि समाज के सामने इस्लाम का सही चेहरा पेश किया जा सके।

मुहिम के संयोजक अशरफ अली ने कहा कि अच्छे रिश्तों की नींव पर बना समाज अपने आप ही एक मिसाली समाज बन जाता है। जब पड़ोसी एक-दूसरे के साथ दया, क्षमा और इंसाफ के साथ पेश आते हैं, तो इससे उठने वाली लहर पूरे समाज को परिवर्तित कर देती है। हमें उम्मीद है कि यह मुहिम न सिर्फ.पड़ोसियों के बीच के झगड़े सुलझाएगी, बल्कि दया और सामाजिक ज़िम्मेदारी जैसे इस्लामी मूल्यों का एक मजबूत सबूत भी बनेगी।

पड़ोसियों के अधिकार मुहिम₹ के सह संयोजक शमशेर अली ने बताया कि यह मुहिम शहरी इलाकों में बढ़ते अकेलेपन की भावना को सम्बोधित करती है, जिसकी वजह से पड़ोसी रिश्तों की अनदेखी हो रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस मुहिम का मकसद आपसी हमदर्दी, सहयोग, साफ-सफाई और ट्रैफिक डिसिप्लिन को बढ़ावा देना है जिसे इस्लाम अपनी सामाजिक जिम्मेदारी मानता है। वही जमात के सदस्य कुर्बान अली ने कहा कि इस मुहिम में कई तरह कार्यक्रम होंगे, जैसे सभी धर्मों के पड़ोसियों के साथ मीटिंग, चाय सभाएं, महिलाओं और युवाओं के लिए विशेष प्रोग्राम, सद्भावना कार्यक्रम व विभिन्न धर्मों के बीच तालमेल को मजबूत करने और इस्लाम के बारे में गलतफहमियों को दूर करने के लिए विभिन्न पंथों के भाइयों और बहनों तक पहुंचने पर विशेष जोर दिया जाएगा। मौके पर अध्यक्ष रिजवान खान, संयोजक अशरफ अली, सह संयोजक शमशेर अली, सदस्य कुर्बान अली, जुनैद अहमद, महबूब आलम, एतेहशाम इनाम, राजा अंसारी सहित अन्य उपस्थित थे।

जन सुराज पार्टी का पंचायत से लेकर प्रदेश स्तरीय संगठन भंग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जन सुराज पार्टी ने बड़े संगठनात्मक पुनर्गठन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंचायत से लेकर प्रदेश स्तर तक की सभी संगठनात्मक इकाइयों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। पार्टी ने घोषणा की है कि अगले डेढ़ महीने के अंदर नए सिरे से प्रभावी और क्रियाशील संगठनात्मक ढांचा विकसित किया जाएगा। पार्टी के प्रवक्ता सैयद मसीह उद्दीन ने बताया कि शनिवार को पटना के शेखपुरा हाउस में आयोजित राष्ट्रीय परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुपस्थिति में बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने की जबकि पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर भी बैठक में मौजूद रहे। निर्णय के अनुसार नए संगठन निर्माण तक भंग की गई कमेटियां अपने दायित्व का निर्वहन करती रहेंगी। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नेताओं को राज्य के सभी 12 प्रमंडलों का दायित्व सौंपा गया है। ये नेता संबंधित जिलों में जाकर व्यापक चर्चा के आधार पर नए संगठनात्मक ढांचे का निर्माण करेंगे तथा हालिया चुनावी पराजय के कारणों की समीक्षा करेंगे। साथ ही अनुशासनहीनता और भीतरघात के मामलों की पहचान कर पार्टी नेतृत्व को रिपोर्ट भी सौंपेंगे। सैयद मसीह उद्दीन ने जानकारी दी कि आगामी 21 दिसंबर को पटना में पार्टी की सामान्य परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें शीर्ष नेतृत्व जिलों के प्रमुख नेताओं से चुनाव और संगठन संबंधी अनुभवों को विस्तार से सुनेगा और भविष्य की रणनीति पर गहन विचार-विमर्श होगा। बैठक में सेना के पूर्व वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एस.के. सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता वाई.वी. गिरि, पूर्व आईएएस अरविंद सिंह, एन.पी. मंडल, ललन यादव, ए.के. द्विवेदी, पूर्व आईपीएस आर.के. मिश्रा, पूर्व विधायक किशोर कुमार मुन्ना, पूर्व विधान पार्षद रामबली सिंह चंद्रवंशी, पूर्व अभियंता प्रमुख हेमंत पासवान, शिक्षाविद् आर.एन. सिंह, सुधीर शर्मा, अमजद हसन, सुभाष कुशवाहा, सर्वर अली, रामलखन दांगी, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. संजय कुमार सुमन, डॉ. मो. शाहनवाज, उर्मिला देवी, बिपिन कुमार यादव, प्रीतम सिंह, प्रो. कुमार शांतनु और राम प्रकाश साहनी सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना का नवम दीक्षांत समारोह 24 नवम्बर को बापू सभागार में आयोजित होगा जिसमें राज्यपाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के इस शैक्षणिक सत्र में कुल 29,955 विद्यार्थी विभिन्न संकायों और संस्थानों से सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए हैं। इनमें से 2,076 विद्यार्थियों ने दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया है जो अपने-अपने संकायों का प्रतिनिधित्व करेंगे। पंजीकृत विद्यार्थियों में 1,154 छात्राएं और 922 छात्र शामिल हैं, जो विश्वविद्यालय में बढ़ती हुई महिला भागीदारी को रेखांकित करता है। इस वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित करते हुए कुल 63 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए जाएंगे। इनमें 47 छात्राएं और 16 छात्र शामिल हैं। इस सम्मान के चयन का आधार विभिन्न संकायों में श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम, नवाचार, शोध कार्य और अकादमिक प्रदर्शन है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि गोल्ड मेडल पाने वाले विद्यार्थी संस्थान की प्रतिभा, परिश्रम और गुणवत्ता का प्रतिनिधित्व करते हैं। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय में शोध एवं अकादमिक गतिविधियों में निरंतर प्रगति देखी जा रही है। मेडिकल, इंजीनियरिंग, सोशल साइंस और शिक्षा संकायों के अंतर्गत संबद्ध संस्थानों में किए जा रहे शोध कार्यों के परिणामस्वरूप इस वर्ष 67 शोधार्थियों ने अपने पीएचडी शोधकार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। इन शोधार्थियों को भी दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया जाएगा। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शोध-उन्मुख नीति और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा का स्पष्ट प्रमाण है जो इसे राज्य के अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों में शामिल करती है।

15 जिलों में खाता नहीं खोल पाया महागठबंधन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद राज्य में नई सरकार का गठन भी हो चुका है और मंत्रियों के विभागों का बंटवारा भी हो गया है। बावजूद लोगों के बीच महागठबंधन के करारी हार को लेकर रोज ही चौक चौराहों से लेकर चाय की दुकानों पर चर्चा हो रही है। सब अपने-अपने हिसाब से चुनाव की गणित सुलझा रहे हैं। लेकिन इन सबमें सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि विधानसभा चुनाव से पहले अपनी प्रचंड जीत का दावा करने वाला विपक्ष बिहार के 38 में से 15 जिलों में अपना खाता भी नहीं खोल पाया। बिहार के जिन 15 जिलों में महागठबंधन का खाता तक नहीं खुल पाया वो हैं- गोपालगंज, सिवान, औरंगाबाद, जहानाबाद, नवादा, गया, कैमूर, भोजपुर, सीतामढ़ी, सारण, पश्चिम चंपारण, नालंदा, मधुबनी, सुपौल और रोहतास। इन जिलों की लगभग सभी सीटें एनडीए में शामिल भाजपा, जदयू, हम और लोजपा (आर) ने जीत लीं। महागठबंधन के उम्मीदवार कई जगहों पर दूसरे या तीसरे स्थान पर रहे लेकिन जीत हासिल नहीं कर पाए। हालांकि, 14 जिलों यथा पूर्वी चंपारण, मधुबनी, किशनगंज, कटिहार, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, सीवान, वैशाली, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, नवादा और जमुई में महागठबंधन या अन्य का मात्र एक सीटों पर ही खाता खुल सका। नालंदा में सभी 7, सीतामढ़ी की सभी 8, सुपौल की सभी 5, दरभंगा की सभी 10, गोपालगंज की सभी 6, खगड़िया की सभी 4 के अलावा भागलपुर, बांका, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, शिवहर, भोजपुर, अरवल की सभी सीटें एनडीए की झोली में आई हैं। जिन जिलों में महागठबंधन का खाता नहीं खुला है उनमें लालू यादव का गृह जनपद गोपालगंज भी है। लालू यादव के जिले की सभी 6 सीटों पर एनडीए ने जीत दर्ज की। जिले की 6 में से 3 सीटों पर जनता दल यूनाइटेड और तीन पर भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने किया देव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देव (औरंगाबाद)। देव प्रखंड विकास पदाधिकारी दीपक कुमार ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, देव का निरीक्षण किया। लगभग दोपहर 3 बजे पहुंचे बीडीओ ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार के साथ ओपीडी काउंटर, विभिन्न वार्डों और अस्पताल परिसर की व्यवस्थाओं का सूक्ष्म जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं, साफ-सफाई, चिकित्सा सेवाओं एवं स्टाफ की उपस्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था तथा स्टाफ की उपलब्धता संतोषजनक पाई गई है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को इसी प्रकार गुणवत्तापूर्ण सेवाएं जारी रखने और मरीजों को बेहतर सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया।

देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में प्लास्टिक बहिष्कार को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विद्यापीठ अंतर्गत देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में प्लास्टिक के उपयोग के बहिष्कार के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं द्वारा कैंपस की सफाई, प्लास्टिक के उपयोग का बहिष्कार करने के लिए शपथ भी लिया गया। बिहार विद्यापीठ के सचिव राणा अवधेश ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए इस कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समय रहते अगर हम अपनी जीवन शैली को नहीं सुधारें तथा प्लास्टिक को अपने जीवन से बाहर नहीं करेंगे तो हमारा जीवन खतरे में पड़ जाएगा। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं द्वारा एक जागरूकता रैली भी निकाली गई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ पूनम वर्मा, महाविद्यालय के सभी शिक्षक गण, प्रशिक्षु गण तथा सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थे।

बस-बाइक की टक्कर में 1 की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अगमकुआं थाना क्षेत्र के पहाड़ी मोड़ के समीप बीते देर रात विपरीत दिशा से आ रही एक बेलगाम बस ने बाइक सवार दो भाइयों को रौंद डाला। दुर्घटना में एक भाई की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे में दूसरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना से गुस्साए मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क पर उतरकर जमकर हंगामा मचाया। गुस्साए लोगों ने घंटों सड़क को जाम कर दिया। सड़क से गुजरने वाले वाहनों में तोड़फोड़ का भी प्रयास किया। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर सड़क पर परिचालन सामान्य कराया।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में 26वीं अभिषद् की बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना में 26वीं अभिषद् की बैठक कुलपति प्रो. उपेन्द्र प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के गांधी साभागार में संपन्न हुई। बैठक में 22वीं एवं 23वीं वित्त समिति, 20वीं एएनटीपीसी 17वीं विद्वत परिषद के प्रस्तावों को अभिषद के सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय सेवा आयोग द्वारा छः विषयों में अनुशंसित सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति एवं नवनियुक्त प्राचार्यों की नियुक्ति का अनुमोदन प्राप्त हुआ। शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के उच्चतर पदभार देने हेतु प्रोन्नति समिति की अनुशंसा को भी अनुमोदित किया गया। अभिषद् ने पी.एच.डी. कोर्स वर्क के लिए फीस वृद्धि के प्रस्ताव को भी पारित कर दिया। बैठक में सरकार के प्रतिनिधि के रूप में सदस्य प्रो. राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, अरूण कुमार, प्रतिभा सिंह, प्रो. नरेन्द्र कुमार सिंह उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत कुलसचिव प्रो. अबू बकर के द्वारा अभिषद की सदस्यों को पुष्पगुच्छ देकर किया गया। सदस्य सचिव के रूप में प्रो. अबू बकर ने बैठक का सफल संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. राजीव रंजन, छात्र कल्याण अधिष्ठाता, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय ने किया।

ब्लूप्रिन्ट के अनुसार करेंगे काम : श्रेयसी सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के जमुई विधानसभा के भाजपा से नवनिर्वाचित विधायक और आटी और खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने पदभार ग्रहण करते ही बिहार के खिलाड़ियों के लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि आने वाले समय में जो बिहार के खिलाड़ी हैं उनके लिए सुनहरे भविष्य का समय है। जिस तरह से बिहार सरकार खेल के क्षेत्र में काम कर रही है उसे आगे बढ़ाना है। नई नीतियों और नई ऊर्जा के साथ इन खिलाडियों का सहयोग करना है। श्रेयसी सिंह ने कहा कि पिछले 18 सालों में एक खिलाड़ी के रूप में जो मेरा अनुभव रहा है और साथ ही साथ नेशनल एसोसिएशन से हमारा परिवार भी जुड़ा रहा है तो प्रशासनिक रूप से खेल और खिलाड़ियों की भावनाओं को काफी हद तक समझ सकते हैं। खेल प्रशासन की ओर से खिलाड़ियों को क्या दिक्कतें आती हैं इसका अनुभव भी है। खेल में संभावनाएं असीम हैं। उन संभावनाओं को धरातल पर उतारकर अच्छा काम करके दिखाएंगे। श्रेयसी सिंह ने पदभार संभालने के बाद कहा कि जहां एक तरफ प्रसन्नता है कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की शीर्ष नेतृत्व ने जो मुझपर भरोसा जताया है तो दूसरी तरफ मुझे जिम्मेदारी का एहसास भी है। जो विभाग मुझे मिला है यह पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सीएम नीतीश कुमार का प्रिय विभाग है। हम आशा और उम्मीद करते हैं कि जमुई के साथ-साथ पूरे बिहार के लिए ऐसा कोई काम ना करें जिससे उन्हे निराशा पहुंचे। हम अपनी 100% कपासीटी से काम करेंगे और उम्मीद करते हैं कि भविष्य में हम बेरोजगारी और पलायन के मुद्दों का समाधान कर पाएंगे, जो कई वर्षों से जारी हैं। यह सवाल जब श्रेयसी सिंह से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसमे कमजोर और मजबूती की कोई बात है। शीर्ष नेतृत्व का ये निर्णय है इसपर मेरा कोई टिप्पणी करना उचित नहीं है। विभाग के पहली प्राथमिकता के सवाल पर श्रेयसी सिंह ने कहा कि हम मीटिंग करेंगे, एक ब्लूप्रिन्ट तैयार करेंगे और उसके अनुसार काम करेंगे। जब उनसे चुनौतियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से हर काम में चुनौतियां होती हैं लेकिन चुनौतियों से डर नहीं लगता, डट कर सामना करना जानते हैं।

कला जागरण ने किया 'महामानवी माता जानकी' नाटक का मंचन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सुमन कुमार निर्देशित नाटक 'महामानवी माता जानकी' का मंचन राजधानी के प्रेमचंद रंगशाला में शनिवार को किया गया। कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार के सौजन्य से कला जागरण के कलाकारों ने धार्मिक हिन्दी नाटक 'महामानवी माता जानकी' की प्रभावशाली प्रस्तुति की जिसका निर्देशन सुमन कुमार और नाटक की संरचना तथा सह निर्देशन डा.किशोर सिन्हा ने किया। नाटक के सह निर्देशक किशोर सिन्हा ने बताया कि इस नाटक का संगीत निर्देशन सरोज दास ने किया तथा महिमा, सौरव सिंह, अखिलेश्वर प्रसाद सिन्हा, नीलेश्वर मिश्र, निशांत सिंह राजपूत, उमेश कुमार, विष्णुदेव कुमार, प्रीति कुमारी, मुस्कान शर्मा, धीरज कुमार, अजीत गुज्जर, प्रिंस राज, अभिषेक कुमार, संजय साहनी, रंजन ठाकुर सहित अन्य कलाकारों ने मंच पर अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया। इस प्रस्तुति में प्रकाश परिकल्पना का संयोजन राजीव कुमार ने किया। श्री सिन्हा ने बताया कि महामानवी माता जानकी एक नाट्य कथा है जो सीता के जीवन को देवी से भी बढ़कर एक अद्‌भुत, दृढ़ और साहसी महा मानवी के रूप में प्रस्तुत करती है। मिथिला की धरती की गोद में मां जानकी के चमत्कारिक जन्म से नाटक की कथा आरंभ होती है। बचपन से ही सीता सौम्यता, करुणा और धैर्य की प्रतिमूर्ति बनकर विकसित होती हैं। शिवधनुष भंग के बाद राम से उनका विवाह होता है और दोनों का जीवन आदर्श प्रेम व मर्यादा का प्रतीक बनता है। राजा दशरथ के निर्णय के बाद राम को 14 वर्ष का वनवास मिलता है और सीता सहर्ष उनके साथ जाने का निर्णय लेती हैं। वन में रावण उनका अपहरण करता है जिसके बाद उनकी सबसे कठिन परीक्षा का प्रारंभ होता है।

बलात्कार मामले में आरोपित को बीस साल की कैद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मधुबनी। एडीजे कोर्ट सात ने शनिवार को रेप मामले में बड़ी फैसला सुनायी है। बलात्कारी सूरज साहनी को 20 वर्ष की सजा हुई है और 25 हजार जुर्माना भी लगाया गया। मालूम हो कि 28.1.24 को बेनीपट्टी थाना क्षेत्र के रहने वाले सूरज साहनी शाम में स्वच्छ के लिए जा रही नाबालिक लड़की को पकड़ कर जबरन बलात्कार किया। इस घटना के बाद नाबालिक के द्वारा बेनीपट्टी थाना में आवेदन दिया गया। इसके उपरांत घटना की जांच कर मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार किया जहां शनिवार को अंतिम फैसला कोर्ट की आयी। विशेष लोक अभियोजक कुमारी मधु रानी के अनुसार धारा 323,376 आईपीसी चार पोक्सो में सजा हुई। 323 में एक वर्ष और 376 में 20 वर्ष अभियोजक कुमारी मधु रानी ने बताई कि नाबालिक लड़की स्वच्छ को लेकर शाम मे आम गाछी तरफ गयी थी जहां पहले से सूरज सहनी घात लगाए थे और उन्हें जबरन जंगल में ले जाकर दुष्कर्म किया। बतायी कि 20 वर्ष की सजा हुई है और 25 हजार जुर्माना लगा है, जुर्माना नहीं देने पर छह माह अतिरिक्त जेल में रहना होगा।

ऐतिहासिक होगा श्री राम जानकी विवाह महोत्सव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विवाह पंचमी के अवसर पर श्री राम जानकी विवाह महोत्सव की तैयारी पूरी कर ली गई है। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए संयोजक डॉ अजय प्रकाश, अध्यक्ष नारायण प्रकाश साह, संस्थापक महासचिव विकास कुमार मौड़ीवाल, कोषाध्यक्ष ईश्वर प्रसाद गोयनका, कार्यकारी अध्यक्ष शिव प्रसाद मोदी, गजेन्द्र बूबना, ऊषा सिंह, चुन्नू चन्द्रवंशी, मोहित कुमार मौड़ीवाल, ज्ञान प्रकाश ने आज संयुक्त रूप से बताया कि श्री राम जानकी विवाह महोत्सव समिति द्वारा मैया सीता एवं श्री राम की भव्य विवाह मांगलिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पटना सिटी चौक स्थित श्री सनातन धर्म सभा भवन में विवाह महोत्सव के अंतर्गत 25 नवंबर मंगलवार को जनक नंदनी का भव्य स्वयंवर होगा जिसमें भगवान श्री राम द्वारा धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाते हुए धनुष भंग होगा। बारात के रूप में शोभायात्रा में भगवान श्रीराम रथ पर बैठकर आकर्षक झांकी एवं बैंड बाजे के साथ हजारों बाराती महिलाएं, पुरुष, श्रद्धालु गण नगर भ्रमण करते हुए बक्सी मोहल्ला स्थित सीता मंदिर में पहुंचेंगे जहां समधी मिलन का अद्‌भुत दृश्य देखने को मिलेगा। नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने बारात के स्वागत की तैयारी की है। सीता मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का जयमाला मिथिलानंदनी सीता मैया के साथ होगा जिसका प्रस्तुतीकरण अत्यंत विहंगम होगा। झांकी के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा, रात्रि में भव्य शुभ विवाह प्रकांड पंडितों के द्वारा की जाएगी।

निवेशकों ने बिहार में फिल्म उद्योग में निवेश करने में गहरी रूचि दिखाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गोवा। गोवा में आयोजित हो रहे 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के तीसरे दिन वेब्स फिल्म बाजार में बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम(कला, संस्कृति एवं युवा विभाग) का पवेलियन फिल्मकारों, कलाकारों, प्रोड्यूसर और फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना रहा है। निवेशकों ने बिहार में फिल्म उद्योग में निवेश करने में गहरी रूचि दिखाई है। इस मौके पर पेवेलियन का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, के सचिव सह बिहार फिल्म निगम के प्रबंध निदेशक प्रणव कुमार, बिहार फिल्म निगम के महाप्रबंधक रूबी जानेमाने अभिनेता मनोज जोशी, आने वाली हिन्दी फीचर फिल्म 'तिया' के अभिनेता दर्शन कुमार, अभिनेत्री नीतू चंद्रा, अभिनेता विकास कुमार, इम्पा के अध्यक्ष अभय सिन्हा, प्रोड्यूसर सागर श्रीवास्तव, निर्देशक राव देवेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे। बिहार फिल्म निगम के प्रबंध निदेशक प्रणव कुमार (आईएएस) ने कहा कि बिहार में शूट होने वाली फिल्मों को अनुदान के तौर पर प्रोत्साहन देने का प्रावधान है। साथ ही शूटिंग को आसान बनाने के लिए भी वन विंडो सिस्टम अपनाया गया है। बिहार कला और संस्कृति के क्षेत्र में अपार संभावनाओं वाला राज्य है और सरकार फिल्म, संस्कृति तथा रचनात्मक उद्योगों को मजबूत आधार देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि गोवा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव जैसे प्रतिष्ठित मंच पर बिहार की भागीदारी राज्य की सकारात्मक छवि को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ करती है। उद्घाटन के बाद अभिनेता मनोज जोशी ने बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम लिमिटेड और कला संस्कृति विभाग की ओर से फिल्म उद्योग को विकसित करने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि बिहार बहुत सुंदर है, और बिहार में ही मौर्य साम्राज्य की स्थापना हुई और वहीं से भारत का विस्तार हुआ और देश संगठित रूप में सामने आया। बिहार में शूटिंग करना निश्चित रूप से हर फिल्मकार को आकर्षित करेगा। बिहार चित्रिकरण के लिए बहुत उत्तम है। उन्होंने कहा कि वह बिहार में फिल्म उद्योग को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अभिनेता दर्शन कुमार ने बिहार में अपने शूटिंग के अनुभव को शेयर करते हुए कहा कि बाल्कमीकि नगर में 40 दिनों तक शूटिंग हुई थी, जो किसी जन्नत से कम नहीं है। यहां के लोग काफी प्यारे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में शूटिंग देखने आने वाले लोग अनुशासित रहते थे और पूरा सहयोग करते थे। हमने बहुत बड़ा सेट लगाया था, इसलिए भी लोग उसे देखने के लिए पहुंचते थे। उन्होंने कहा बिहार में शूटिंग करने का एक फायदा यह भी है कि आपको साफ आवोहवा में रहने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि यह लोगों का प्यार ही था कि वे हमारे लिए देशी अंडे और गाय का शुद्ध दूध लेकर आते थे। उन्होंने कहा कि बिहार में शूटिंग के दौरान जितना लोगों का प्यार मिला है, उसकी वजह से वह हर फिल्म की शूटिंग बिहार में ही करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में खूबसूरत लोकेशन की कमी नहीं है और आने वाले समय में फिल्मकार बिहार की ओर रुख करेंगे, क्योंकि यहां प्रशासन का पूरा सहयोग मिलता है और सारी सुविधाएं भी मिल रही हैं।

महाराजगंज पैक्स का चुनाव 16 दिसंबर को

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

अंबा (औरंगाबाद)। कुटुंबा प्रखंड अंतर्गत महाराजगंज पंचायत के प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) का चुनाव आगामी 16 दिसंबर को होगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी आदर्श कुमार नंदा ने बताया कि पैक्स चुनाव में नामांकन दाखिल करने के लिए तीन और चार दिसंबर की तिथि निर्धारित की गई है। बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार के निर्देशानुसार सारी तैयारियां की जा रही है। मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। मतदाता सूची के प्रकाशन में त्रुटियों से संबंधित शिकायतों का निवारण किया जा रहा है। विदित हो कि विगत वर्ष 2024 के नवंबर माह में प्रखंड क्षेत्र के कुल बीस में से सोलह पंचायतों में पैक्स का चुनाव कराया गया था। समयावधि पूरी नहीं होने के कारण शेष चार पंचायत महाराजगंज, सूही, बलिया और भरौंधा में चुनाव प्रक्रिया संपन्न नहीं हो पाई थी। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि दिसंबर माह में महाराजगंज पंचायत का चुनाव कराया जाएगा और शेष तीन पंचायत में चुनाव कि समयावधि फरवरी माह में पूरी हो रही है परंतु उक्त पंचायतों में चुनाव संबंधित निर्णय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लिया जाएगा।

संपादकीय

हर सर्दी वही कहानी- धुंध-धूल में घुटती दिल्ली

हर वर्ष इस मौसम में ठंड की आहट के साथ ही दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की आबोहवा इस कदर प्रदूषित हो जाती है कि उसमें सभी लोगों के लिए अपनी सेहत को दुरुस्त रख पाना ही एक बड़ी चुनौती हो जाती है। मगर विडंबना यह है कि हर अगले वर्ष गहराती जा रही इस मुश्किल पर काबू पाने के ठोस उपाय करने के बजाय जैसी बहुस्तरीय लापरवाही देखी जाती है, वह इस समस्या के असर को और ज्यादा घातक बनाती है। होना यह चाहिए कि जब इन दो-तीन महीनों में वायु प्रदूषण की मुश्किल ज्यादा जटिल शक्ल अख्तियार कर लेती है, तो सबसे पहले स्कूल-कालेज या इस तरह की किसी भी जगह पर बच्चों के खेल से जुड़ी गतिविधियों को लेकर एक सुचिंतित नियम-कायदे बनाए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को प्रदूषण की मार से बचाया जा सके। मगर होता है इसके उलट कि कई बार स्कूल-कालेज से लेकर खेल के मैदानों में होने वाली गतिविधियों के लिए जो कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं, उनमें प्रदूषण से पैदा होने वाली मुश्किल के पहलू को नजरअंदाज किया जाता है। जाहिर है, यह शैक्षणिक परिसरों में खेल गतिविधियों के लिए कार्यक्रम का खाका तैयार करने में अदूरदर्शिता का परिचायक है। इसमें यह ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा जाता कि जहरीली हवा के बीच बच्चे किस तरह खेलों या अन्य गतिविधियों में हिस्सा ले सकेंगे और उनकी सेहत पर क्या असर पड़ेगा। इसी के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से कहा कि वह हवा में प्रदूषण के स्तर को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नवंबर और दिसंबर में प्रस्तावित खेल प्रतियोगिताओं को 'सुरक्षित महीनों' तक के लिए स्थगित करने का निर्देश देने पर विचार करे। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्देश के बाद आयोग ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सरकारों को पत्र लिख कर विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए नवंबर और दिसंबर महीने में होने वाली शारीरिक मेहनत और खेल प्रतियोगिताओं को स्थगित करने को कहा है। पिछले कुछ वर्षों से देश के कई हिस्सों में ठंड की शुरुआत के साथ ही बादलों के घनीभूत होने की वजह से वायु प्रदूषण की समस्या जटिल हो जाती है। खासतौर पर दिल्ली सहित समूचे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हालत यह हो जाती है कि लोगों के सामने कहीं भी साफ हवा में सांस ले पाना चुनौती होती है। कई बार ऐसा लगता है मानो दिल्ली किसी गैस चेंबर की तरह हो गई है।

विधानसभा चुनाव 2025 में उनकी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की, जदयू की सीटें लगभग दोगुनी बढ़ीं और एनडीए को 202 सीटों का बहुमत मिला। इसके बाद उन्होंने मंत्रिमंडल में गठबंधन सहयोगियों को संतुलित स्थान देने का निर्णय लिया। उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए कई बार सरकार भंग की और गठबंधन बदला, जिससे उनकी सियासी मजबूती बनी रही। कभी सुप्रसिद्ध समाजवादी विचारक किशन पटनायक ने कहा था कि विकल्पहीन नहीं है दुनिया, लेकिन बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने साबित कर दिया है कि कोई लाख चिल्ल-पों मचा ले, परंतु बिहार में मुख्यमंत्री बनने के लिए उनका कोई विकल्प नहीं है। ऐसा इसलिए कि बिहार के जागरूक मतदाताओं को भ्रष्टाचार के आरोपों से बेदाग, सुशासन पसंद और राजनीतिक परिवारवाद के धुर विरोधी नीतीश कुमार का नेतृत्व ही पसंद है।

बिहार की सियासत में नीतीश ने खींच दी एक बड़ी लाइन, जिसे छोटा करना आसान नहीं!

(कमलेश पांडे)

नीतीश कुमार एक बार बिहार के मुख्यमंत्री बने और 20 नवंबर 2025 को उन्होंने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जो एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। इस बार उन्हें अभूतपूर्व जनादेश मिला है, जिससे तमाम कयासों को धत्ता बताकर वे पुनः मुख्यमंत्री बने हैं। इस प्रकार बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने एक वैसी बड़ी लाइन खींच दी है, जिसे छोटा करना उनके सियासी विरोधियों के लिए कतई आसान नहीं है।

हालांकि, अपने इस रिकॉर्ड को कायम करने के लिए उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई बार गठबंधन बदले हैं, जिसमें बीजेपी और महागठबंधन दोनों के साथ शामिल हुए हैं। वाकई नीतीश कुमार की राजनीति का मूल मंत्र व्यावहारिकता, लचीला गठबंधन और प्रशासनिक सुधार है, जिसके चलते वे बिहार की राजनीति के केन्द्रीय पात्र बने हुए हैं।

नीतीश कुमार के राजनीतिक बदलाव मुख्य रूप से सत्ता की भूख, सामाजिक परिवर्तन की इच्छा, गठबंधन रणनीति, और बिहार की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों के कारण हुए हैं, जिन्होंने उन्हें बिहार की प्रमुख राजनीतिक शख्सियत बनाया है। नीतीश कुमार की राजनीति व्यावहारिकता, गठबंधन-केन्द्रित रणनीति और सुशासन के एजेंडे पर आधारित रही है, जहाँ वे विभिन्न दलों के साथ बार-बार गठबंधन बदलते हुए भी कई बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं।

यही वजह है कि नीतीश कुमार को बिहार में इच्छा शासन का स्तंभ माना जाता है, और उन्होंने बिहार में सत्ता के महत्वपूर्ण मंत्रालयों पर नियंत्रण बनाए रखा है। यह सभी तथ्य नीतीश कुमार के राजनीतिक गाम्भीर्य और प्रशासनिक कौशल को दर्शाते हैं, विशेष रूप से बिहार की राजनीति में उनकी भूमिका को दिखाते हैं। इनके प्रमुख फैसले लगातार गठबंधन राजनिति में संतुलन बनाना और विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना रहे हैं।

बहरहाल, 2024 में वह बीजेपी के साथ फिर से गठबंधन कर एनडीए के तहत मुख्यमंत्री पद पर बने रहे। उनके राजनीतिक फैसलों में बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ कर महागठबंधन में शामिल होना, फिर से बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बनाना प्रमुख रहे। उन्होंने अपने प्रशासनिक फैसलों में सत्ता नियंत्रण बनाए रखने के लिए कई बार रणनीति बदली, जैसे गृह मंत्रालय अपने पास रखने का अभियान।

विधानसभा चुनाव 2025 में उनकी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की, जदयू की सीटें लगभग दोगुनी बढ़ीं और एनडीए को 202 सीटों का बहुमत मिला। इसके बाद उन्होंने मंत्रिमंडल में गठबंधन सहयोगियों को संतुलित स्थान देने का निर्णय लिया। उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए कई बार सरकार भंग की और गठबंधन बदला, जिससे उनकी सियासी मजबूती बनी रही।

देखा जाए तो नीतीश कुमार के प्रमुख राजनीतिक बदलाव उनके राजनीतिक कैरियर में उनके रणनीतिक फैसलों, गठबंधन परिवर्तन, और सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप उनके दृष्टिकोण में बदलावों का परिणाम रहे हैं।

पहला, शुरुआती राजनीति और जेपी आंदोलन से उदयनीतीश कुमार का राजनीतिक सफर जनता दल (यूनाइटेड) के सदस्य से शुरू हुआ, और उन्होंने अपने शुरुआती करियर में समाजवादी विचारधारा को अपनाया। 1990 के दशक में उन्होंने जनता पार्टी / जनता दल के साथ मिलकर लोकशिक्षा व सामाजिक बदलाव पर फोकस किया।

दूसरा, पहली बार मुख्यमंत्री बनना (2000)- तत्कालीन और भौतिक राजनीतिक माहौल में बिहार में शांति व विकास के रास्ते पर लाने के लिए उन्होंने बिहार में पहली बार मुख्यमंत्री पद संभाला, लेकिन मात्र 7 दिनों के लिए सीएम बने थे।

तीसरा, महागठबंधन बनाम भाजपा समर्थक नीति- 2005 में उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के साथ गठबंधन किया, लेकिन 2013 में बीजेपी से नाता तोड़ सरकार से अलग हो गए, क्योंकि उन्हें लगा कि उनके सामाजिक-आर्थिक एजेंडे पर भाजपा की नीतियों में बाधाएँ आ रहीं हैं। इसके बाद, उन्होंने जदयू को महागठबंधन, विशेष रूप से राजद (लालू प्रसाद यादव) के साथ शामिल किया, जो उनकी राजनीतिक रणनीति में बड़ा बदलाव था।

चतुर्थ, भाजपा के साथ फिर से संधि और वापस सरकार में आना- 2017 में, नीतीश कुमार ने नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई, जिसका मुख्य कारण सत्ता का स्थायित्व और बिहार में राजनीतिक स्थिरता था। इस निर्णय का कारण उनके दिल्ली और बिहार में होने वाले राजनीतिक दबाव, गठबंधन की राजनीतिक स्थिति, और बिहार में विकास की जरूरतें मानी जाती हैं।

पंचम, समाजिक सुधार और प्रशासनिक बदलाव- व्यक्तिगत व्यवहार में सुधार, सामाजिक बदलाव, और प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ावा देना उनके बदलाव का एक अहम पहलू रहा है, जिससे वे समाज में अपनी छवि को मजबूत करते गए हैं। कारण- राजनीतिक मजबूरियां, सत्ता बनाए रखना, सामाजिक आधार का विस्तार, और बिहार की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों ने उनके इन बदलावों को प्रेरित किया। भीड़-भाड़ वाले पहले गठबंधन से संवाद और वफादारी की कमी, और सियासी विकल्पों का ढलान, उन्हें नए राजनीतिक समीकरण बनाने पर मजबूर किया। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की विकास नीतियों का प्रभाव समग्र रूप से सकारात्मक और व्यापक रहा है। उन्होंने न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर काम करते हुए राज्य के विकास के पहिये को तेजी से घुमाया है, खासकर समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने और महिलाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया है। इससे बिहार राज्य में आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उनकी पॉलिसियों के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, जैसे गांवों को जोड़ना, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, और योजना लाभों का व्यापक वितरण हुआ है। प्रशासनिक स्तर पर जन-केंद्रित नीतियों और पारदर्शिता के उपायों से भ्रष्टाचार कम करने और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर बनाने में मदद है। तीसरा, विचारधारा और नेतृत्व शैली- नीतीश समाजवादी विचारधारा से निकले नेता हैं, लेकिन उनकी राजनीति जमीनी समझ, समय के अनुसार रणनीति बदलने और वास्तविकता पर टिकी है। विपक्ष की तुलना में वे लचीले, समन्वयकारी और हमेशा प्रासंगिक बने रहने को प्राथमिकता देते हैं। यही नहीं, अपने शासन में उन्होंने बिहार में विकास योजनाओं पर जोर दिया है और संविदाकर्मियों को राज्यकर्मी का दर्जा देने जैसी पहल की है। प्रशासनिक स्तर पर अपनी कैबिनेट का आकार छोटा रखा है लेकिन भविष्य में विस्तार की बात कही है और मंत्रिमंडल में नए चेहरों को जिम्मेदारी देने का संकेत दिया है। नीतीश कुमार की राजनीतिक चालाकी और गठबंधन प्रबंधन ने उन्हें मुख्यमंत्री पद पर कई बार बनाए रखा, साथ ही भाजपा के लिए बिहार में सत्ता की मजबूती का रास्ता खोला। दोनों के बीच संतुलन बना रहना बिहार की राजनीतिक स्थिरता और विकास के लिए आवश्यक माना जाता है।इस तरह, नीतीश कुमार का सुशासन और सामाजिक गठबंधन पर जोर और भाजपा की केंद्रीय नेतृत्व वाली मजबूत संगठनात्मक रणनीति ने बिहार में सामूहिक चुनावी सफलता और राज्यों में सत्ता की स्थिरता सुनिश्चित की है। सच कहूं तो भाजपा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक रणनीति और लाभ बिहार की राजनीति में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। नीतीश कुमार की रणनीति में सबसे प्रमुख था सुशासन का एजेंडा, जो 2005 से लेकर अब तक उनके राजनीतिक अभियान की पहचान बना। उन्होंने कानून व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, और सामाजिक कल्याण पर जोर देकर खुद को एक सुदृढ़ और भरोसेमंद प्रशासक के रूप में स्थापित किया। उनके समय में जातीय गठबंधन और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखकर राजनीति को सफलतापूर्वक संचालित किया गया, जिसमें अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) और गैर-यादव ओबीसी समुदायों को मुख्य आधार बनाया गया। नीतीश कुमार ने गठबंधन राजनीति में लचीलापन दिखाते हुए बीजेपी और महागठबंधन के बीच अपनी पार्टी के हितो की रक्षा की, जिसे राजनीतिक चतुराई के तौर पर देखा जाता है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार में मोदी-नीतीश की जोड़ी को चुनावी रणनीति का केंद्र बनाया। भाजपा ने गठबंधन सहयोगियों को मजबूत किया और बूथ प्रबंधन से लेकर प्रचार तक कड़े रणनीतिक कदम उठाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और विकास एजेंडा का समुचित इस्तेमाल कर भाजपा ने बिहार में मजबूत राजनीतिक पकड़ बनाई। भाजपा ने महिलाओं, युवाओं और किसानों के मुद्दों को प्रमुखता दी, जिससे व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ। गठबंधन में तालमेल बनाए रखने की क्षमता भाजपा की बड़ी जीत का कारण रही।वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ट्रिब्यूनल सुधार और राष्ट्रपति संदर्भ संबंधी फैसले संवैधानिक मर्यादा और न्यायिक संयम की मिसाल

(नीरज कुमार दुबे)

भारत की संवैधानिक संरचना में न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन सदैव एक संवेदनशील विषय रहा है। दो दिनों में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए दो महत्वपूर्ण फैसलों ने इस संतुलन पर नई बहसों को जन्म दिया है। एक ओर न्यायालय ने न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 के प्रमुख प्रावधानों को असंवैधानिक ठहराकर संसद और केंद्र सरकार को कठोर संदेश दिया है, वहीं दूसरी ओर राष्टपति द्वारा अनुच्छेद 143 के तहत भेजे गए संदर्भ पर अपनी राय देते हुए न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि न तो राष्टपति और न ही राज्यपाल पर अदालत कोई बाध्यकारी समय-सीमा थोप सकती है। इन दोनों फैसलों को मिलाकर देखें तो न्यायालय ने एक ओर कार्यपालिका के हस्तक्षेप से न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा की है, जबकि दूसरी ओर अपने अधिकार-क्षेत्र की सीमाएँ भी रेखांकित की हैं।न्यायाधिकरण संबंधी फैसले की बात करें तो 19 नवंबर को दिए गए 137 पृष्ठों के निर्णय में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने साफ कहा है कि संसद पहले से रद्द किए गए प्रावधानों को मामूली बदलावों के साथ दोबारा पेश कर न्यायिक फैसलों को दरकिनार नहीं कर सकती। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि सरकार बार-बार उन्हीं प्रावधानों को अध्यादेश और फिर कानून के रूप में लागू करती रही, जिन पर न्यायालय स्पष्ट रूप से ऐतराज जता चुका था। यह प्रवृत्ति विधायी अवहेलना के रूप में व्याख्यायित की गई– अर्थात, बिना वास्तविक सुधार किए केवल प्रतीकात्मक परिवर्तन कर न्यायालय की बात को निष्प्रभावी करने का प्रयास।

यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न्यायाधिकरणों की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और संस्थागत मर्यादा को ठोस आधार देता है। न्यायाधिकरण सरकार के अंगों के विरुद्ध भी निर्णय लेते हैं; ऐसे में उनकी नियुक्ति, कार्यकाल और सेवा-शर्तें यदि सरकार के नियंत्रण में हों, तो न्यायिक निष्पक्षता खतरे में पड़ सकती है। न्यायालय ने इस अधिनियम को शक्तियों के पृथक्करण और न्यायिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों का उल्लंघन करार देते हुए रद्द कर दिया। यह स्पष्ट संकेत है कि संसद कानून तो बना सकती है, लेकिन न्यायपालिका की मूलभूत स्वतंत्रता को नियंत्रण में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

दूसरा महत्वपूर्ण फैसला राष्टपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा भेजे गए संवैधानिक संदर्भ पर आया। न्यायालय के समक्ष मुख्य प्रश्न था– क्या राज्यपाल या राष्टपति पर यह बाध्यता हो सकती है कि वे किसी बिल पर तय समय-सीमा में निर्णय दें? मुख्य न्यायाधीश गवई तथा न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पी.एस. नरसिंह और ए.एस. चंदुरकर की संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि न्यायालय राज्यपाल/राष्टपति पर कोई निर्धारित समय-सीमा नहीं थोप सकता। यह स्पष्ट है कि 'डीमेड एशेंट' अर्थात समय बीतने पर बिल को स्वतः मंजूर मान लेने की अवधारणा असंवैधानिक है, क्योंकि यह कार्यपालिका की भूमिका को न्यायपालिका द्वारा हड़पने जैसा होगा। हाँ, यदि लंबे समय तक अनिश्चित देरी हो, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित हो, तो न्यायालय सीमित दायरे में यह निर्देश दे सकता है कि राज्यपाल अपनी जिम्मेदारी निभाएँ, लेकिन यह निर्देश विवेकाधिकार के उपयोग पर टिप्पणी नहीं करेगा। इन दोनों महत्वपूर्ण संवैधानिक फैसलों पर गवई और सूर्यकांत दोनों की निर्णायक भूमिका भविष्य की न्यायिक दिशा के संकेत देती है– विशेषकर केंद्र-राज्य संबंधों और न्यायिक स्वतंत्रता के क्षेत्र में। बहरहाल, संविधान ने भारत को एक संतुलित संरचना दी है– न्यायपालिका स्वतंत्र हो, कार्यपालिका जिम्मेदार हो और विधायिका जनता के प्रति उत्तरदायी हो। इन दोनों फैसलों ने इस संतुलन को और भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। जहाँ न्यायालय ने संसद को बताया कि वह न्यायिक आदेशों को दरकिनार नहीं कर सकती, वहीं राज्यपालों और राष्टपति की संवैधानिक गरिमा को भी मान्यता दी, यह कहते हुए कि समय-सीमा थोपना न्यायपालिका के अधिकार-क्षेत्र से बाहर है। इन फैसलों के साथ भारत का लोकतंत्र एक बार फिर यह साबित करता है कि संस्थाएँ तभी मजबूत होती हैं जब वे एक-दूसरे की सीमाओं और स्वतंत्रता का सम्मान करें।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आतंकवादी गतिविधियों का माध्यम बनते टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

सोशल मीडिया की जहां तक बात है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि आज सोशल मीडिया प्लेटफार्म लोगों की पसंद, सूचनाओं को साझा करने और एक दूसरे तक अपनी भावनाएं पहुंचाने का माध्यम बन गए हैं। सवाल इनके दुरुपयोग और इन पर आवष्यक अंकुश की आवश्यकता को लेकर है।

सहज संवाद और एक दूसरे को जोड़ने का प्रमुख माध्यम सोशल मीडिया आज आतंकवादी गतिविधियों का भी सुरक्षित एवं गोपनीय माध्यम बनता जा रहा है। हालिया दिल्ली ब्लास्ट में लिप्त व्हाइट कॉलर आतंकवादियों के परस्पर संवाद का माध्यम टेलीग्राम सोशल मीडिया प्लेटफार्म पाया गया है। सोशल मीडिया के दुरुपयोग की यह अति अवस्था है। न्यूयार्क टाइम्स ने एक अध्ययन में 3.2 मिलियन संवादों का विश्लेषण किया है। वहीं जानकारों के अनुसार टेलीग्राम सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ही 1500 से अधिक नस्लवादी चैनल सक्रिय है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इतनी अधिक संख्या में असामाजिक गतिविधियों में लिप्त चैनलों का सक्रिय होना गंभीर चिंता का विषय बन जाता है। मानवता के लिए सबसे सम्माननीय डाक्टरी का पेशा दिल्ली ब्लॉस्ट और इसके बाद दिन प्रतिदिन खुलती परतों से बेनकाब होता जा रहा है। डाक्टर जिसका जीवन बचाने का दायित्व है वहीं लोगों की मौत का सौदागर बनता है तो यह मानवता के लिए शर्मनाक स्थिति है। मजे की बात यह है कि शिक्षा का केन्द्र विश्वविद्यालय इसका केन्द्र बना हुआ पाया गया। हांलांकि फरीदाबाद के अलफलाह विश्वविद्यालय ने अपने आपकों आतंकवादी गतिविधियों से दूर और साफ-सुथरा होने का दावा किया है पर यह महज लिपापोती से अधिक कुछ ज्यादा नहीं लगती। मजे की बात यह है कि जब डॉक्टर बेनकाब हो रहे हैं और इनपर कार्रवाई की बात हो रही है तो कुछ राजनीतिक दल और संगठन इनके पक्ष में दूसरी तरह की भाषा बोलने लगे हैं। समझ से परे यह बात है कि ऐसे संगठनों का क्या दायित्व उन बेगुनाह लोगों और परिवारों के प्रति नहीं होता क्या जो इन आतंकी गतिविधियों में अकारण मौत के आगोश में चले जाते हैं तो बहुत से लोग घायल हो जाते हैं। इन प्रभावित लोगों व इनके परिवारों के प्रति भी किसी की जबावदेही होनी चाहिए। अच्छा तो यह हो कि दूसरी तरह की भाषा बोलने वाले प्रभावित लोगों के पक्ष में भी आगे आएं। आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े लोगों के साझा संवाद का माध्यम टेलीग्राम प्लेटफार्म पाया गया है।

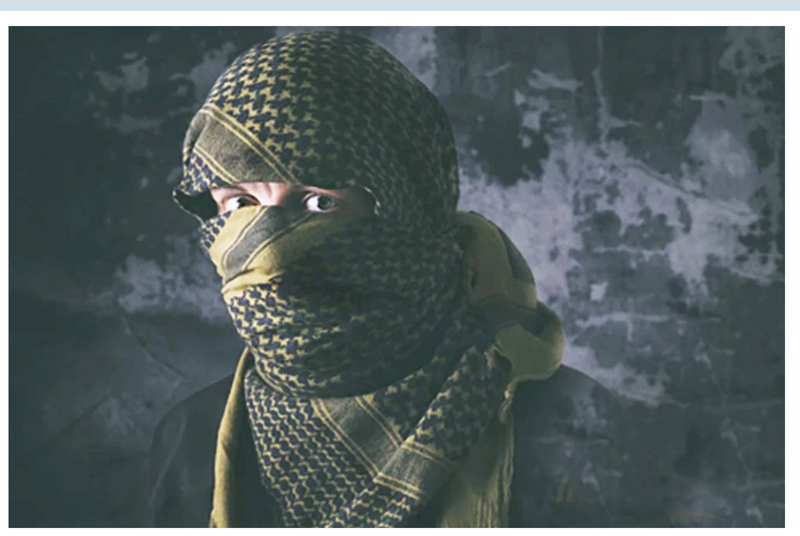

सोशल मीडिया की जहां तक बात है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि आज सोशल मीडिया प्लेटफार्म लोगों की पसंद, सूचनाओं को साझा करने और एक दूसरे तक अपनी भावनाएं पहुंचाने का माध्यम बन गए हैं। सवाल इनके दुरुपयोग और इन पर आवष्यक अंकुश की आवश्यकता को लेकर है। लाख दावें करें पर यह प्लेटफार्म असामाजिक गतिविधियों व भ्रामक समाचारों पर तत्काल कार्रवाई करने में विफल ही देखें गए हैं। सोशल मीडिया के संदेशों की प्रतिक्रिया स्वरुप लोगों के जुटजाने और भीड़ के आक्रोशित हो जाना आज आम हो गया है। यही कारण है कि कानून व्यवस्था के जिम्मेदार सबसे पहले उस क्षेत्र में इंटरनेट सेवाओं को स्थगित करना ही श्रेयस्कर समण्ते हैं। यह भी सही है कि देश में अधिकांश लोगों से जुड़े सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का संचालन विदेशी धरती पर हो रहा है। इसे दुर्भाग्यजनक ही माना जाएगा कि लाख प्रयासों के बावजूद देश में बने सोशल मीडिया प्लेटफार्म अपनी पहचान बनाने व अधिकांश देशवासियों के चहेते बनने में सफल नहीं हो पाए। आज फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंकड्विन, यूट्यूब, व्हाट्सएप, क्रास या ट्वीटर, ठिकटॉक, स्नेपचेट, पिंटरेस्ट, वीचैट, रेडिट, टेलीग्राम आदि आदि प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफार्म की संचालन की ड़ोर विदेशियों के हाथ ही है। हांलाकि हमारे देश में यूट्यूब, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, फेसबुक लिंक्डइन आदि सोशल प्लेटफार्म अधिक चलन में है तो वाट्सएप और इंस्टा की पहुंच आम लोगों तक है। दुनियाभर में 5 अरब 41 लाख से अधिक लोग सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग कर रहे हैं।

जहां तक टेलीग्राम प्लेटफार्म का सवाल है यह सर्वविदित है कि आतंकवादी गतिविधियों का यह केन्द्र रहा है। रुस यूक्रेन युद्ध में जेलेन्स्की द्वारा इस प्लेटफार्म का उपयोग किया गया है तो हांगकांग-बेलारुस द्वारा भी इसका उपयोग इसी तरह से किया जाता रहा है। दरअसल टेलीग्राम को आजादी की आवाज कहा जाता है। रुस के दो भाईयों पॉवेल ड्यूरोव और निकोलोई ड्यूरोव द्वारा तैयार ओर संचालित इस प्लेटफार्म का दावा है कि वह डाटा शेयर नहीं करता। इस पर प्रसारित संदेशों को कोई तीसरा नहीं देख या पढ़ नहीं सकता। और यही कारण है कि सुरक्षित व गोपनीयता के दावें के चलते इस तरह की गतिविधियों को संचालित करने वाले ग्रुप इस प्लेटफार्म पर सक्रिय है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सदस्य बनाने, हिंसा फैलाने, पैसा जुटाने, नशीली दवा, हथियार जुटाने, नफरत के संदेश फैलाने आदि आदि असाामाजिक गतिविधियों में प्लेटफार्म का उपयोग किया जाता है। जहां तक टेलीग्राम सोशल मीडिया प्लेटफार्म की बात है तो केवल 60 कार्मिकों द्वारा संचालित इस प्लेटफार्म पर इस तरह की गतिविधियों की मोनेटरिंग करने, हटाने, कार्रवाई करने की आशा करना बेमानी होगा।

ऐसे में एक बार फिर यक्ष प्रश्न यही उभरता है कि जब सोशल मीडिया प्लेटफार्म आज लोगों की जरुरत बन चुका है तो फिर इन प्लेटफार्मों के संचालकों के लिए एक आदर्श एसओपी जारी करने के साथ ही इन पर असामाजिक, समाज विरोधी, आतंकवादी, भ्रम फैलाने वाली या इसी तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाये जाने की आवश्यकता हो गई है। सवाल देश की सुरक्षा और आंतरिक शांति और सदभावना का है तो फिर सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को भी समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का समझना होगा। सरकार को भी इस तरह की गतिविधियों में लिप्त प्लेटफार्मों पर रोक या सख्त कार्रवाई करने में किसी तरह की देरी व संकोच नहीं किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफार्म अपनी मूल भूमिका संवाद, साझा जानकारी, स्वस्थ्य मनोरंजन और एक दूसरे को जोड़ने जैसे मूल्यों को लेकर आगे आना होगा। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मक्का बीज-खाद की अनियंत्रित कीमतों से किसानों की हालत बदतर, एसडीएम ने डीलरों पर कसा शिकंजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बनमनखी/पूर्णिया। बनमनखी बाजार में इस बार मक्का बीज और उर्वरक खाद की कीमतें ऐसा उछलीं कि किसानों की कमर ही टूट गई। रबी सीजन की शुरूआत के साथ ही कई दुकानों पर प्रिंट रेट से कहीं अधिक दाम वसूले जाने लगे, जिसने किसानों को आक्रोशित कर दिया है। खेतों में पसीना बहाने वाले किसान बाजार की इस मनमानी के आगे बेबस नजर आए, जबकि निगरानी तंत्र की ढिलाई ने स्थिति और बिगाड़ दी।

किसानों की इसी पीड़ा पर कार्रवाई करते हुए एसडीएम प्रमोद कुमार ने शनिवार को अनुमंडल सभागार में खाद-बीज डीलरों की आपात बैठक बुलाई। अनुमंडल के 141 डीलरों में से 106 उपस्थित हुए, जबकि 35 ने बैठक से दूरी बनाकर खुद पर संदेह के कई सवाल छोड़ दिए। बैठक में सबसे बड़ा मुद्दा था—प्रिंट रेट की अनदेखी कर भारी भरकम कीमतों पर बिक्री। एसडीएम ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि किसानों को निर्धारित दर से ऊपर खाद-बीज बेचना सीधे काला बाजारी की श्रेणी में आएगा और दोषी पाए जाने वाले

डीलरों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि हर डीलर अपनी दुकान के साथ गोदाम का स्पष्ट विवरण दें तथा सभी लाइसेंस समय से रिन्युअल करें। नकली खाद-बीज बिक्री पर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाएगी। कीमतों की खुली उड़ान, किसान परेशान—फायदा सिर्फ दुकानदारों का मक्का सीजन के चलते सुबह से देर रात तक किसानों की भीड़ दुकानों पर उमड़ रही है। इसी भीड़ का फायदा उठाकर कई दुकानदार कीमतें दो गुना तक बढ़ा चुकी हैं। किसानों का कहना है कि विभागीय कर्मियों की मौजूदगी के बावजूद कार्रवाई न होना समझ से बाहर है। उनका आरोप है कि अनदेखी की वजह से डीलरों के हौसले और भी बुलंद हो गए हैं। किसानों ने साफ कहा कि मेहनत उनकी है, जोखिम उनकी है, और मुनाफा दुकानदार उठा रहे हैं। कीमतों की यह अराजकता उनके बजट को तहस-नहस कर रही है। उनका कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद संबंधित विभाग की चुप्पी से उन्हें खुद को ठगा हुआ महसूस हो रहा है।

एनसीसी डे पर युवाओं का जोश उमड़ा, गोरेलाल मेहता महाविद्यालय बना देशभक्ति का केंद्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बनमनखी, पूर्णिया। गोरेलाल मेहता महाविद्यालय में शनिवार को आयोजित एनसीसी डे पूरी तरह अनुशासन, जागरूकता और देशप्रेम को समर्पित रहा। सुबह से ही परिसर में कैडेट्स की फुर्ती और शिक्षकों-विद्यार्थियों की उपस्थिति ने माहौल को उत्साहित बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद भारतीय के प्रेरक संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि एनसीसी केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं में जिम्मेदारी, नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना जगाने वाली एक सशक्त पहल है। एनसीसी पदाधिकारी डॉ. रमीज अहमद ने कैडेट्स को सामाजिक जवाबदेही, अनुशासन और टीम भावना के मूल मंत्र बताए। कैडेट्स ने मार्च-पास्ट और परेड की सधी हुई प्रस्तुतियों से अपनी तैयारी और समर्पण का परिचय दिया। प्रशिक्षकों ने उन्हें शारीरिक क्षमता, तत्परता और सामूहिक प्रयास की अहमियत समझाते हुए कहा कि एनसीसी का उद्देश्य युवाओं को चरित्रवान और समाजसेवी बनाना है। कार्यक्रम में पौधरोपण और स्वच्छता अभियान ने विशेष ध्यान आकर्षित किया। कैडेट्स ने पूरे परिसर की सफाई करते हुए महाविद्यालय को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया और कई फलदार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कैडेट्स ने एनसीसी के इतिहास, उसकी उपलब्धियों और राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका पर अपने विचार रखे।

महाविद्यालय प्रशासन ने सभी कैडेट्स के जज्बे और अनुशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने वाला साबित हुआ है। कार्यक्रम का समापन 'एकता और अनुशासन' के गगनभेदी नारों और राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। एनसीसी डे ने महाविद्यालय परिसर को न केवल उल्लास से भर दिया, बल्कि समाज में रचनात्मकता और जिम्मेदारी की नई सोच भी पैदा की।

भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, कई घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केनगर/पूर्णिया। थानाक्षेत्र के गनेशपुर पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 13 हसनपुर गांव में शनिवार की सुबह वर्षों पुराने भूमि विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया।

मौजा गनेशपुर खाता संख्या 134, खेसरा संख्या 5624 के भूमि विवाद को लेकर मो० भिखारी एवं मो० इजराईल के बीच हुए विवाद ने दोनों पक्षों के लोगों को आमने-सामने ला खड़ा किया। मो० हबीब के 45 वर्षीय पुत्र मो० भिखारी का कहना है कि उन्होंने 8.3 डिसमिल जमीन खरीदकर उस पर वर्षों पहले घर बनाया है और इसी खेसरा में करीब दो कट्ठा जमीन पड़ोसी मो० इजराईल ने भी ली है। दोनों पक्षों ने सीमांकन कराकर अपनी-अपनी सीमा में घर बना रखा है। आरोप है कि मो० इजराईल अपने घर के पास लगे पिलर के बगल में टट्टी एवं गोबर-घांस रखता है, जिसकी गंदगी फैलकर मो० भिखारी के बांस वाले टट्टी को नुकसान पहुंचा रही थी। इसी बात को लेकर जब मो० भिखारी 22 नवम्बर की सुबह आपत्ति जताने पहुंचे तो मो० इजराईल, उनके पिता जहाँगीर खान, अफसाना खातून, समीरा खातून सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने एकजुट होकर लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया। आरोप है कि सिर पर जोरदार प्रहार से वे गंभीर रूप से घायल हो गए और बीच-बचाव करने पहुंची उनकी पत्नी सफीना खातून को भी मारा-पीटा गया। घायल दंपती ने केनगर थाना पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। दूसरी ओर, मो० इजराईल ने मो०

भिखारी के आरोपों को नकारते हुए पलटवार किया है। उनका कहना है कि सीमांकन के अनुसार टट्टी और गोबर उनके ही भूखंड पर रखा गया है, जिससे मो० भिखारी अनावश्यक विवाद खड़ा कर रहे हैं। इजराईल के अनुसार शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे मो० भिखारी, उनकी पत्नी सफीना खातून, मो० गुल्ला और मो० समीर सहित कई लोग पहुंचकर जबरन उनके सीमाक्षेत्र से गोबर और जलावन हटाने लगे। विरोध करने पर सभी ने मिलकर लाठी, डंडा और लोहे के खंता से हमला कर दिया। आरोप है कि मो० भिखारी ने लोहे के खंता से दो माह पूर्व ऑपरेशन करा चुकी उनकी पत्नी अफसाना खातून के पेट पर वार कर दिया जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। उन्हें बचाने पहुंचे मो० इजराईल पर भी लोहे की रॉड से हमला किया गया जिससे उनका सिर फट गया। ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद दोनों पक्ष किसी तरह अलग हुए। घायल अफसाना खातून की गंभीर स्थिति को देखते हुए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ने उन्हें जीएमसीएच पूर्णिया रेफर कर दिया। दोनों पक्षों ने केनगर थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

ससुराल में जाकर पति ने की पत्नी की गला रेतकर निर्मम हत्या

मृतक के पिता ने आबादपुर थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई /कटिहार। बारसोई प्रखंड के आबादपुर थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। जिसमें पति ने पत्नी की जघन्य हत्या की है। साथ ही अंदरुनी पाठ को भी क्षतिग्रस्त किया है।इतना ही नहीं पति अपने ससुराल में जाकर पत्नी के साथ रात बिता कर घटना को अंजाम दिया है। महिला के पिता षष्ठी दास ने आबादपुर थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।घटना के पीछे की वजह 3 महीने पहले जन्म हुए बच्चे को लेकर है।

बच्चे के पिता सुकुमार शर्मा का मानना है कि नवजात शिशु मेरा नहीं है। और इसी बात को लेकर पिछले कई महीनो से विवाद चल रहा था। वहीं घटनास्थल नारायणपुर गांव

निवासी षष्ठी दास ने बताया है कि दामाद सुकुमार शर्मा आजमनगर थाना क्षेत्र के जलकी गांव का रहने वाला है। 19 नवंबर बुधवार की दोपहर को मेरे घर आया था और गुरुवार की सुबह ही उठकर भाग गया। वहीं मामले की जानकारी मिलते ही आबादपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजय कुमार ने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। तथा थानाध्यक्ष को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए। आरोपी पति को गिरफ्तारी के लिए छापामारी करने का निर्देश। इस संबंध में थानाध्यक्ष शादाब हुसैन ने कहा कि मृतक के पिता के द्वारा आवेदन दिए गए हैं। तथा आबादपुर थाना में मुकदमा दर्ज कर ली गई है। आरोपी पति की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर हॉस्पिटल कटिहार भेज दी गई है। तथा फॉरेंसिक टीम पहुंच कर घटनास्थल का जांच किया। वहीं घटना के लेकर क्षेत्र मे दहशत का माहौल है। वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने हत्यारा पति सुकुमार शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है।

फरार अभियुक्त मौसम यादव को पुलिस ने दबोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी /कटिहार। बरारी थाना में दर्ज कांड संख्या 10/25 के फरार अभियुक्त मौसम यादव (25) को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया है। लंबे समय से फरार चल रहे अभियुक्त की गिरफ्तारी को पुलिस की सफलता माना जा रहा है।

इस संबंध में बरारी थानाध्यक्ष सुमेश कुमार ने बताया कि मौसम यादव के खिलाफ 10 जनवरी 2025 को मामला दर्ज किया गया था, जिसमें उस पर धारा 109/3(5) बीएनएस और 27 आर्म्स एक्ट के तहत आरोप लगाए गए थे। पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। लेकिन वह

न्यायिक हिरासत में भेजा

गिरफ्तारी से बचता फिर रहा था। थानाध्यक्ष ने बताया कि 21 नवंबर को पुलिस टीम को उसके ठिकाने की गुप्त जानकारी मिली। जिसके आधार पर तत्काल छापेमारी कर उसे बरारी थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करते हुए अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।थानाध्यक्ष का कहना है कि फरार आरोपियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी। ताकि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था मजबूत हो सके।

पूर्णिया में पुलिस की कड़ी कार्रवाई : 24 घंटे में 19 गिरफ्तार, अपराधियों की सांसें थमीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। पूर्णिया में पिछले 24 घंटों के भीतर पुलिस की कार्रवाई एक बार फिर यह साबित कर गई कि जिले में अपराध के लिए अब कोई जगह बची नहीं है। लगातार दबिश, त्वरित रिस्पॉन्स और बेखौफ कार्रवाई ने अपराधियों की कमर तोड़ते हुए कुल 19 अभियुक्तों को गिरफ्त में लिया, जिससे पूरे जिले में कानून-व्यवस्था को नया संबल मिला है।

वारंटों से लेकर विभिन्न गंभीर मामलों तक पुलिस ने अपनी रणनीति को जिस तेजी से जमीन पर उतारा, उसने साफ कर दिया कि न्यायिक प्रक्रियाओं को दरकिनार करने वालों के लिए अब राहत की कोई खिड़की नहीं है। अजमानतीय वारंट में चार अभियुक्तों की गिरफ्तारी और जमानतीय वारंट में चार की धर-पकड़ पुलिस की सक्रियता का स्पष्ट प्रमाण है, जबकि अन्य कांडों में पकड़े गए 11 आरोपित यह दिखाते हैं कि पुलिस जड़ तक जाकर कार्रवाई करने के मूड में है। इन 24 घंटों में शराब, आर्म्स एक्ट, एससी-एसटी, हत्या, लूट और पॉक्सो जैसे मामलों में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई, जिसे जिले में इन अपराधों की नियंत्रण स्थिति के रूप में देखा जा रहा है, मगर पुलिस की सतर्कता बरकरार है। नशे के अवैध कारोबार पर रोकथाम के तहत पुलिस ने 2.7 लीटर कोडीनयुक्त कफ सिरप बरामद कर यह संकेत दे दिया कि अवैध नशे का कारोबार करने वालों की अब खैर नहीं। इसी क्रम में वाहन चेकिंग के दौरान ?1,38,000 का जुमार्ना वसूला गया, जिसने यातायात अनुशासन को लेकर पुलिस की गंभीरता को और रेखांकित किया है। कुल मिलाकर पूर्णिया पुलिस की 24 घंटे की यह कार्रवाई न केवल प्रभावी रही, बल्कि अपराधियों के लिए यह स्पष्ट संदेश भी बनकर सामने आई कि अब कानून से बचने का रास्ता कहीं नहीं है। जिले की सुरक्षा, शांति और व्यवस्था के लिए पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा, और पूर्णिया पुलिस अपनी प्रतिबद्धता के साथ सदैव तत्पर है।

कसबा में अतिक्रमण पर कड़ी कार्रवाई

प्रशासन की सक्रियता व लोगों की सहमति बनी चर्चा का विषय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कसबा/पूर्णिया। नगर परिषद क्षेत्र में गुरुवार को प्रशासन ने पूर्व सूचना के आधार पर अतिक्रमण हटाओ अभियान तेज किया। प्रशिक्षु आईएस महेश कुमार के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में पहले से चिह्नित अतिक्रमणों को हटाया गया। पूरी कार्रवाई के दौरान अंचलाधिकारी रीता कुमारी, कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार, राजस्व पदाधिकारी मो. हबीब, विद्युत कनीय अभियंता शशि शेखर आजाद के साथ-साथ राजस्व कर्मी और पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहे।

प्रशासन ने मौके पर बुलडोजर और जेसीबी तैनात कर यह संदेश स्पष्ट कर दिया कि सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर किसी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान की शुरूआत वार्ड संख्या 16 और 17 के मोदी टोल में स्थित अर्धनिर्मित नाले के आसपास से हुई। कार्रवाई के दौरान कई लोगों ने बिना किसी विरोध के प्रशासन का साथ दिया और अपनी ओर से अतिक्रमण हटाने में सहयोग किया। प्रशिक्षु आईएस महेश कुमार के समझाने पर स्थानीय लोगों ने भी माना कि अतिक्रमण समस्या का स्थायी समाधान नहीं है और विकास कार्यों में बाधा पैदा करता है। कार्रवाई के दौरान अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला अध्यक्ष बमबम साह, भाजपा नेता मनोज कुमार मोदी, उपमुख्य पार्षद सुभाष कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उन्होंने प्रशासन के इस प्रयास को सराहा और इसे क्षेत्र के हित में बताया। मौके पर बमबम साह ने मोदी टोल में नाले की कमी के कारण होने वाली जलजमाव की समस्या को विस्तार से रखते हुए पक्के नाले के निर्माण की मांग उठाई। इस पर प्रशिक्षु आईएस महेश कुमार एवं कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार ने आश्वासन दिया कि आवश्यक औपचारिकताओं के बाद दो दिनों के भीतर अर्धनिर्मित नाले के साथ-साथ सड़क के पश्चिमी किनारे के कच्चे नाले को पक्का करने का कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

मानवाधिकार संगठन की जनसरोकार मजबूत करने की पहल तेज, राष्ट्रीय सचिव विभूति ने दी नई कार्य योजना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जलालगढ़/पूर्णिया। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई जागरूकता संगठन भारत ने पूर्णिया में अपनी गतिविधियों को और अधिक जनसरोकार व अधिकार जागरूकता से जोड़ने की रणनीति तेज कर दी है। इसी उद्देश्य के तहत मीडिया प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव विभूति सिंह जलालगढ़ स्थित जिला कार्यालय पहुंचे, जहां उनका अंगवस्त्र से सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय सचिव ने जिला कार्यालय की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि संगठन का मूल उद्देश्य मानवाधिकारों के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और सरकारी व्यवस्था में पारदर्शिता को मजबूत करना है। उन्होंने पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई कि संगठन की गतिविधियां केवल कार्यक्रमों तक सीमित न रहें, बल्कि समाज के अंतिम पंक्ति तक संदेश और सहयोग पहुंचे।

उन्होंने बताया कि बिहार में संगठन का सबसे सशक्त ढांचा पूर्णिया में है, जहाँ सबसे अधिक सक्रिय और निस्वार्थ भाव से काम करने वाले पदाधिकारी मौजूद हैं। यह न सिर्फ जिले के लिए गौरव की बात है बल्कि यह संकेत देता है कि पूर्णिया आगे भी संगठन के विस्तार और प्रभाव का केंद्र बनेगा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर नई जिम्मेदारियां सौंपीं और आने वाले महीनों में जनजागरूकता अभियान को तेज करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर युवा प्रकोष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धीरज कुमार, किसान प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष संदीप कुमार, आरटीआई प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव आनंद विश्वास, स्वास्थ्य प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक बैजनाथ कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष सदानंद झा, जिला अध्यक्ष अमित चौधरी सहित मिथलेश कुमार यादव, दीपक कुमार, अमरेश कुमार, प्रवीण कुमार, इंदेश्वरी परिहार, रूदल कुमार, सुखदेव मरांडी, बैजू कुमार आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कटिहार रेल मंडल में चला सघन टिकट जांच अभियान

बारसोई/कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कटिहार मंडल रेल प्रबंधक के निर्देश पर रेलवे क्षेत्र में लगातार सघन टिकट जांच अभियान चलाये जा रहे हैं। इसी क्रम में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन और सहायक वाणिज्य प्रबंधक कुमार जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टिकट चेकिंग अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया गया। इस अभियान के दौरान ट्रेन संख्या 15484, 15621, 12514, 15720, 15483, 75755, 12487 सहित कई महत्वपूर्ण ट्रेनों में गहन जांच की गई। वाणिज्य टीम ने प्लेटफॉर्म, कोचों और विभिन्न सेक्शनों में व्यापक चेकिंग की।

बाल दिवस पर सीसीआई के बच्चों ने दिखाई प्रतिभा : न्यायाधीशों की मौजूदगी में मनाया उत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। बाल दिवस के अवसर पर बाल देखभाल संस्थानों (CCI) के बच्चों द्वारा आयोजित उत्सव इस वर्ष विशेष रहा। कार्यक्रम को गरिमा मिली जब प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) के सचिव/मजिस्ट्रेट स्वयं बच्चों के बीच पहुंचे और पूरे समारोह में सहभागी बने। उनकी उपस्थिति ने बच्चों का मनोबल दोगुना कर दिया।

यह उत्सव पूरे एक सप्ताह तक चला, जिसमें बच्चों के लिए विविध गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सप्ताह की शुरूआत ही रचनात्मकता और उत्साह से हुई। चित्रकला, नृत्य,

गायन, निबंध लेखन से लेकर खेल-कूद तक—हर गतिविधि ने बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर दिया। इन कार्यक्रमों ने न केवल बच्चों को अपनी क्षमता पहचानने का मौका दिया बल्कि उन्हें सकारात्मक ऊर्जा से भी भर दिया। समापन समारोह में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहित DLSA सचिव/मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व, अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता और सपनों को साकार करने के लिए सतत प्रयास करने का संदेश दिया। वक्ताओं ने यह भी आश्वस्त किया कि जिले में रहने वाले जरूरतमंद बच्चों को मुफ्त कानूनी सहायता और सरकारी योजनाओं का पूर्ण लाभ दिलाने में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हमेशा तत्पर रहेगा। सप्ताह भर चली प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मंच पर सम्मानित किया गया। न्यायाधीश एवं मजिस्ट्रेट ने विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान किए। यह क्षण बच्चों के लिए गर्व और प्रेरणा से भरा हुआ था, जिसने उनके भीतर आगे बढ़ने की नई ऊर्जा पैदा की। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम—नृत्य, गीत और नाटक ने उपस्थित जनसमूह का दिल जीत लिया। मासूम प्रतिभा, आत्मविश्वास और प्रस्तुति की सहजता ने पूरे आयोजन को जीवंत बना दिया।

सीमांचल में एआईएमआईएम की धमाकेदार वापसी

ओवैसी ने अमौर की धरती से दिया पटना को बड़ा संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमौर/पूर्णिया। बिहार विधानसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद एआईएमआईएम प्रमुख सह सांसद बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को अमौर हाई स्कूल मैदान में उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए एक बार फिर साबित कर दिया कि सीमांचल की सियासत अब किसी के मोहताज नहीं।

चुनावी नतीजों के बाद आयोजित इस आभार-जनसभा में ओवैसी ने सीमांचल की जनता को तहेदिल से धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने भरोसा दिखाया, इसलिए हमारी पार्टी ने क्षेत्र में पाँच सीटों पर शानदार जीत दर्ज की है। इनमें बायसी से

गुलाम सरवर और अमौर से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान की जीत खास तौर पर चर्चा में रही। ओवैसी ने मंच से साफ शब्दों में कहा कि सीमांचल की तकदीर बदलने की लड़ाई अब और तेज होगी। उन्होंने जनता से वादा किया कि जब तक इस इलाके के लोगों के चेहरे पर मुस्कान नहीं लौटती, तब तक न वे चैन से बैठेंगे और न पटना की सत्ता को चैन लेने देंगे। उन्होंने अपने सभी नवनिर्वाचित विधायकों पर भरोसा जताते हुए कहा कि एआईएमआईएम के प्रतिनिधि हर हाल में जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे और चुनाव के दौरान किए गए सभी वादे पूरा करने के लिए संघर्ष की पहली पंक्ति में खड़े होंगे। ओवैसी ने बिहार सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि सीमांचल के गंभीर मुद्दों पर अब समझौते की कोई गुंजाइश नहीं। नदी कटाव से विस्थापित परिवारों के पुनर्वास, अस्पतालों में डॉक्टरों-दवाइयों की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार को विधानसभा के भीतर और बाहर निर्णायक लड़ाई के रूप में उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर पटना में बैठी हुकूमत सीमांचल से थोड़ी मोहब्बत दिखाना शुरू कर दे, तो न सिर्फ बिहार बल्कि पूरा देश तरक्की की नई मिसाल पेश करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हुकूमत अगर दो कदम बढ़ेगी तो एआईएमआईएम के विधायक दस कदम बढ़कर सहयोग देंगे, लेकिन जनता के अधिकारों पर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यक्रम में अमौर के नवनिर्वाचित विधायक सह प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान समेत अन्य नेताओं ने भी जनता को संबोधित किया। जनसभा में एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी रही, जिसने साफ कर दिया कि सीमांचल में पार्टी का आधार अब और मजबूत हो चुका है।

भवानीपुर अंचल में अपर समाहर्ता की सख्ती लंबित फाइलों पर अधिकारियों को फटकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भवानीपुर/पूर्णिया। शनिवार को अपर समाहर्ता रवि राकेश अचानक भवानीपुर अंचल पहुँचे तो कार्यालय में हलचल तेज हो गई। उन्होंने प्रवेश करते ही राजस्व से जुड़े सभी प्रमुख अभिलेख मंगवाए और म्यूटेशन, भू-लगान, परिमार्जन तथा बंदोबस्त की फाइलों की गहन पड़ताल शुरू कर दी। जाँच के दौरान यह बात स्पष्ट हुई कि कई मामलों में न केवल प्रक्रिया धीमी है, बल्कि अनावश्यक देरी से आम लोगों को परेशानी भी हो रही है। सबसे गंभीर स्थिति आरटीपीएस सेवाओं में देखी गई, जहाँ बड़ी संख्या में आवेदन बिना निष्पादन के लंबित पाए गए। इस पर अपर समाहर्ता ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को दो टूक चेतावनी दी कि लंबित आवेदनों का शीघ्र निपटारा प्राथमिकता बनाएं, अन्यथा कार्रवाई सुनिश्चित होगी।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय के दैनिक संचालन, जनता से जुड़े व्यवहार और कार्य-संस्कृति पर भी खास ध्यान दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि अंचल

कार्यालय जनता के भरोसे पर खरा उतरे और हर सेवा निर्धारित समय-सीमा में पूरी की जाए।

संक्षिप्त समाचार

गोदाम में आग लगने से हजारों की सम्पति नष्ट

घोड़ासहन (पूर्वी चम्पारण) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। स्थानीय बजार के मुख्य पथ स्थित भगत सिंह चौक के निकट एक गोदाम में गुरुवार की रात अचानक से आग लगी गयी.आग इतना विकराल था जो पास के मार्केट भी चपेट में आ गया.आग ने पावरोटी, लहठी तथा पता ग्लास दुकान तक फैल गयी. हालांकि स्थानीय युवको की मदद से दुकान में रखे सभी समानों को बाहर निकाल लिया गया.जिससे समानों की कम क्षतिपूर्ति हुई.आग की खबर मिलते है फायरब्रिगेड की तीन वाहन पहुंच आग पर काबू पर काबू पाया जा सका. गनीमत यह रही कि घोड़ासहन,ढाका कुंडवा चैनपुर से तीन अग्निशामक वाहन पर सवार फायरब्रिगेड के कर्मियों ने मार्केट के अंदर घुस आग बुझा दिया गया नहीं तो बहुत बड़ा क्षति होने से बच गया।

महिला को अज्ञात बदमाश ने चाकू मार किया घायल

घोड़ासहन (पूर्वी चम्पारण) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मवेशी के लिए सरेह से घास लेकर लौट रही महिला को अज्ञात बदमाशों ने चाकू मार घायल कर दिया.घटना थाना क्षेत्र के मधुबनी गांव में गुरुवार की शाम की बताई जाती है.घायल महिला की पहचान संबंधित गांव निवासी महेंद्र पंडित की 42 वर्षीय पत्नी सुशीला देवी है.घटना की सूचना पर थानाध्यक्ष संजीव कुमार सदल पहुंच परिजन से घटना के संदर्भ में आवश्यक पूछताछ कर जानकारी प्राप्त किया.घायल महिला के बड़े पुत्र प्रदीप कुमार ने बताया कि मेरी मां गुरुवार की शाम सरेह से घास लेकर लौट रही थी कि इसी बीच हमलवार पीछे से आ धमका और सर पीछे चाकू से मार घायल कर दिया.चाकू लगने के बाद वह गिर पड़ी हल्ला करने के बाद ग्रामीणों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे तबतक बदमाश फरार हो गए थे.आनन फानन में इलाज के लिए मां को मोतिहारी के रहमानिया हॉस्पिटल में भर्ती कराया अभी इलाजरत है.थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है तथा परिजन के ओर से कोई आवेदन नहीं दिया गया आवेदन मिलते ही कारवाई की जाएगी।

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने एमडी को दिया मांग पत्र

घोड़ासहन (पूर्वी चम्पारण) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शहर में बिजली की समस्या से निजात को लेकर चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष संतोष कुमार तथा सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल द्वारा विद्युत विभाग के एमडी(आईएस) व घोड़ासहन निवासी राहुल कुमार को मांग पत्र दिया गया.दिए मांग पत्र में घोड़ासहन में पवार सब स्टेशन की स्थापना करने, समनपुर पवार सब स्टेशन की क्षमता बढ़ाने,पूरे शहर में स्ट्रीट लाइट लगने के साथ-साथ 11000 के नंगे तार को बदल कर कॉपर वायर लगवाने,गांधी चौक पर 63 केवी के ट्रांसफॉर्मर को अपग्रेड कर 100 केवी करने जिससे लो वोल्टेज की समस्या दूर हो सके, डॉ पीके मिश्रा क्लीनिक के निकट 63 बदले 100 केवी,छठ घाट पर 100 केवी,गुलरिया टोला में 100 केवी,पूरे शहर में बांस बल्ले से बिजली की आपूर्ति को कंपलीट पोल लगाने की मांग किया गया है.हालाकि मामले को संज्ञान लेते एमडी श्री कुमार ने तत्काल तीन जगहों पर 100 केवी का ट्रांसफार्मर उपलब्ध करा दिया गया है.जिससे लोगों में हर्ष है वहीं शेष कार्य प्रक्रिया में बताया जा रहा।

शिविर में परिसंपत्तियों का किया गया वितरण

मधुपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शहर के पीएच मिशन मध्य विद्यालय परिसर में शनिवार को सेवा का अधिकार सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में वार्ड नंबर 3, 5, 6 व 7 के लाभुक आये हुए थे. मौके पर सीओ यामुन रविदास व नप प्रशासक सुरेंद्र किस्कू ने निरीक्षण किया. इस दौरान अधिकारियों ने दो आय प्रमाण पत्र, एक जाति प्रमाण पत्र व सर्वजन पेंशन योजना के नौ स्वीकृति पत्र लाभार्थियों को सौंपा. शिविर में

पीएम आवास योजना के 4, राशन कार्ड के 30, मुख्यमंत्री सारथी योजना के 45 व मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के 200 आवेदन प्राप्त हुआ. स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया. जिसमें 164 मरीजों के स्वास्थ्य की विभिन्न जांच की गयी. सीओ ने बताया कि सेवा के तहत इस शिविर में लोगों की विभिन्न समस्याओं का त्वरित समाधान करके स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया. मौके पर सीआई निरंजन रजक, विश्वजीत कुमार, राजस्व उप निरीक्षक सुनील दास, राजेंद्र यादव, मो. नवाज शाहिद, भेपेन्द्र भगत, जयलाल वर्मा, अमरजीत पासवान, मो. औरंगजेब, फैयाज केसर, अल्ताफ हुसैन, खुशीर्दा बानो, रसीद खान, नौशाद आलम, समीर आलम समेत दर्जनों लोग मौजूद थे.

पायोनियर क्रिकेट क्लब ने लोयोला ब्लूज को 23 रन से हराया

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पायोनियर क्रिकेट क्लब की टीम ने को-ऑपरेटिव कॉलेज मैदान में खेले गये जेएससीए ए डिवीजन क्रिकेट लीग के एक मैच में जमशेदपुर ब्लूज को 23 रन से हराया. पायोनियर क्रिकेट क्लब की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 273 रन बनाए. समीर शर्मा ने 61 व अमयंक कुमार ने 51 रनों की पारी खेली. लोयोला ब्लूज के रोशन कुमार ने तीन व आयुष यादव ने दो विकेट लिये. जवाब में लोयोला ब्लूज की टीम 49 ओवर में 250 रन पर सिमट गयी. भरतजी सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 125 रनों की शतकीय पारी खेली. रॉबिन पीटर ने 44 रनों का योगदान दिया. पायोनियर की ओर से सौरभ ने तीन व अजय सोनू टी ने दो विकेट लिये. भरत जी सिंह प्लेयर ऑफ द मैच रहे. मौके पर जेएससीए के पूर्व सचिव राजेश वर्मा, जेएससीए स्कूल एंड क्लब के प्रतिनिधि डी उमा राव अन्य लोग मौजूद थे.

बीईओ ने पीबीएल 3.7 हर हाल में 30 नवम्बर तक पूरा करने का दिया निर्देश

पीएम श्री महादेव साह हाईस्कूल में प्रखंडस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

चिरैया(पूर्वी चंपारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सर्वशिक्षा अभियान के तहत प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग (पीबीएल) कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर शुक्रवार को स्थानीय पीएम श्री महादेव साह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिरैया कोठी के सभा कक्ष में प्रखंडस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रखंड तकनीकी टीम के सदस्य, सभी संकुल समन्वयक, प्रधानाध्यापक तथा मध्य विद्यालय के गणित एवं विज्ञान के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सरोज कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीईओ श्री सिंह ने पीबीएल एम आई पी 3.7 को हर हाल में 30 नवम्बर तक पूरा करने का

सभी प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों को निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को पिछली बार की तरह इस बार भी गुणवत्तापूर्ण प्रदर्शन जारी रखने और प्रत्येक विद्यालय में पीबीएल गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि शिक्षकों के समक्ष प्रोजेक्ट से संबंधी किसी भी तरह की समस्या आती है तो वह अपने संकुल समन्वयक एवं तकनीकी टीम के सदस्यों को सूचित करें। इसके अलावा अन्य सभी जानकारियां दीक्षा एप पर भी मौजूद है। इस संबंध में तकनीकी टीम के सदस्य कार्तिक कुमार ने बताया कि बैठक में 6 से 12 दिसंबर के बीच डायट मोतिहारी में जिला स्तर पर एवं इससे पूर्व प्रखंड स्तर पर आयोजित होनेवाली प्रदर्शनी की तैयारियों की समीक्षा की गई। बताया कि प्रखंड स्तरीय प्रदर्शनी के आधार पर विज्ञान एवं गणित के दो उत्कृष्ट शिक्षकों का चयन किया जाएगा। जो जिले में अपने प्रखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करनेवाले शिक्षक राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में भाग ले सकेंगे। मौके पर प्रधानाध्यापक प्यारे सतीश कुमार सिंह, राकेश रंजन, मनोज कुमार दास, तकनीकी टीम के सदस्य अशोक पटेल, रंजीत कुमार, लेखपाल अखिलेश्वर प्रसाद सहित अन्य मौजूद थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का व्यापक गृह संपर्क अभियान शुरू

कोटवा (पूर्वी चंपारण) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में व्यापक गृह संपर्क अभियान शनिवार से आरंभ हुआ। यह व्यापक अभियान 22 दिसंबर तक चलेगा। यह अभियान सम्पूर्ण देश में चलाए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत स्वयंसेवकों की टोली मंडल स्तर के सभी गांवों के प्रत्येक घरों व परिवारों तक पहुंच कर उनको आरएसएस के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ पत्रक और वर्णिका उपलब्ध करा रहे हैं। स्वयंसेवकों की टोली में ओंकार कुमार उर्फ कुमार सानू, संतोष कुमार, प्रवीण बाजपेई, मिंटू कुमार सहित अन्य शामिल रहे। संघ के प्रखंड कार्यवाह अरविंद कुमार पांडेय ने बताया कि व्यापक गृह संपर्क अभियान के तहत संघ के कार्यकर्त्ता प्रखंड के सभी 99 गांवों में घर-घर जाकर स्थानीय निवासियों को संघ की 100 वर्षों की यात्रा, उपलब्धियों एवं सामाजिक कार्यों की विस्तृत जानकारी दे रहे हैं। साथ ही वे प्रत्येक परिवार से समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए स्वेच्छा से किसी न किसी सेवा या जन-जागरण कार्य से जुड़ने की अपील भी कर रहे हैं। बताया कि अभियान के दौरान हर व्यक्ति और परिवार को संघ द्वारा प्रस्तावित 'पंच परिवर्तन' को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पंच परिवर्तन का लक्ष्य व्यक्ति, परिवार, समाज, पर्यावरण और राष्ट्र इन पांचों के समग्र विकास की दिशा तय करना है।

एसएसबी और जितना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई मे 590 बोतल शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

बनकटवा (पूर्वी चम्पारण) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सीमावर्ती अगरवा बॉर्डर से शनिवार की सुबह जीतना पुलिस और एसएसबी ने एक संयुक्त कार्रवाई में एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। इस दौरान उसके पास से 590 बोतल नेपाली शराब बरामद की गई।पुलिस सूत्रों के अनुसार, जीतना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त गश्ती टीम ने एक बाइक सवार व्यक्ति को रोका। तलाशी लेने पर बाइक पर बोरे में रखी नेपाली कस्तूरी शराब की 590 बोतलें मिलीं।जितना थाना अध्यक्ष सुधीर कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि बरामद शराब की प्रत्येक बोतल 300 एमएल की थी, जिसकी कुल मात्रा 177 लीटर है। गिरफ्तार शराब तस्कर की

पहचान जीतना थाना क्षेत्र के अगरवा गांव निवासी बिहारी प्रसाद यादव के पुत्र चंदन कुमार के रूप में किया गया बरामद शराब और बाइक को जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मोतिहारी न्यायालय भेजने की प्रक्रिया जारी है।

एनडीए बिहार में विकास और सुशासन का नया अध्याय लिखेगी : रघुवर दास

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार की राजनीति में एक बार फिर इतिहास दोहराते हुए नीतीश कुमार ने गुरुवार को 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने शपथ ग्रहण पर हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दोनों उप मुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा समेत सभी नवनियुक्त मंत्रियों को बधाई और शुभकामनाएं दी. उन्होंने कहा कि एनडीए के नेतृत्व में बनी यह सरकार बिहार के लिए स्थिरता, विकास और सुशासन का नया अध्याय लिखेगी. पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में एनडीए की डबल इंजन सरकार बिहार के विकास को नयी गति देगी. उन्होंने विश्वास जताया कि नयी सरकार तेज प्रगति, आधुनिक बुनियादी ढांचे के विस्तार, मजबूत सुशासन और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में बिहार की अहम भूमिका सुनिश्चित करेगी.

सुगौली के प्रशांत ने शानदार प्रदर्शन कर बढ़ाया क्षेत्र का मान

मोतिहारी/ सुगौली/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पू.चः लखीसराय जिले में 18 से 21 नवंबर 2025 तक आयोजित अंडर-19 बालक स्कूली राज्यस्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में तिरहुत प्रमंडल ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में तिरहुत प्रमंडल ने मुंगेर प्रमंडल को 43झ50 के अंतर से हराकर कप पर कब्जा किया। इस ऐतिहासिक जीत में सुगौली के बंगरा निवासी प्रशांत कुमार की भूमिका निर्णायक रही। प्रशांत ने रेडर के रूप में पूरे टूनार्मेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया और कई अहम अंक जुटाकर टीम को जीत की राह दिखाई। उनके प्रदर्शन से न केवल तिरहुत प्रमंडल को मजबूती मिली, बल्कि सुगौली का नाम भी पूरे राज्य में रोशन हुआ। टीम की इस

सफलता पर रुस्तम आलम ने पूरी टीम को बधाई देते हुए प्रशांत की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि खेल से मानसिक और शारीरिक दोनों तरह की मजबूती मिलती है। आज बिहार सरकार भी खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए कई महत्त्वपूर्ण कदम उठा रही है। राज्य में खिलाड़ियों के लिए अलग से आरक्षण कोटा उपलब्ध है, जिसके माध्यम से हर साल योग्य खिलाड़ियों की नियुक्ति हो रही है। इससे युवाओं में खेल के प्रति उत्साह बढ़ रहा है। प्रशांत की सफलता पर पूरे सुगौली में खुशी की लहर है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और समाजसेवी—विधायक बबलू गुप्ता, पूर्व विधायक शशि सिंह, नगर अध्यक्ष नाशरीन अली, उपाध्यक्ष सरिता देवी, समाजसेवी प्रदीप, रामगोपाल खंडेवाल, श्याम शर्मा, आरिफ इकबाल, इशार्दुल्लाह, डॉ. पवन कुमार, डॉ. श्रवण कुमार, हरिओम कुमार, रितेश कुमार व रिशु कुमार सहित अनेक लोगों ने प्रशांत को बधाई दी है। उनकी इस उपलब्धि ने सुगौली के युवाओं में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया है।

छात्र छात्राओं ने बाल विवाह को लेकर नुक्कड़ नाटक का किया मंचन

कोटवा (पूर्वी चंपारण) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोपी छपरा के छात्र-छात्राओं ने बाल विवाह रोकने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया गया कि 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के और 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की की शादी को बाल विवाह माना जाता है। शादी के समय कोई भी पक्ष यदि इससे कम उम्र का है तो वह शादी बाल विवाह है। नुक्कड़ नाटक के जरिये बताया गया कि यदि 18 साल से अधिक उम्र का कोई पुरुष किसी अवयस्क बच्ची से विवाह करता है तो उसके लिए सजा का प्रावधान है। नाटक में दिखाया गया कि वर वधू के माता पिता को मुखिया समझाते हैं, पर वे नहीं मानते हैं। मुखिया थाना को फोन करके पुलिस बुलाते हैं और वर-वधू के माता-पिता को हथकड़ी लगाकर जेल ले जाते हैं।वहीं शिक्षक टुनटुन कुमार ने जागरूक करते हुए कहा कि बाल विवाह सामाजिक अपराध है। अगर आगे कोई भी ग्रामीण बाल विवाह करते हैं तो उन्हें जेल जाना

पड़ेगा। बाल विवाह को प्रोत्साहित करने वाले बिचौलिए, माता पिता, अभिभावक, सगे-संबंधी, बाल विवाह संपन्न कराने वाले धर्मगुरु, बैंड-बाजा वाले, हलवाई, टेंट वाले, विवाह भवन मालिक आदि बाल विवाह में भाग लेने वाले बाराती-सराती, गांव समुदाय के सदस्य आदि सभी के लिए सजा का प्रावधान है। इसके तहत दो वर्ष तक के सश्रम कारावास या एक लाख रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों हो सकता है। विद्यालय के प्रधान शिक्षक लोकप्रिय राजेश ने कहा कि नाटक के माध्यम से संदेश दिया गया कि निकट भविष्य में कोई बाल विवाह होने वाला है तो उन्हें समझाएं। इसकी सूचना मुखिया, शिक्षक को दें और इसके बाद भी ना माने, तो थाना को सूचित करें। नुक्कड़ नाटक के कलाकारों में अंजली कुमारी, कोमल कुमारी, रोशनी कुमारी, साहिल कुमार, राहुल कुमार, श्वेता कुमारी, छोटी कुमारी शामिल थी।

वैधानिक एवं कानून अनुपालन विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले में जीविका परियोजना के तत्वाधान में जीविका जिला कार्यालय के सभागार में ह्ववैधानिक एवं कानून अनुपालनह्व विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया` इस कार्यशाला में जिले के सभी प्रखंड परियोजना कर्मियों को वृहत रूप से जानकारी दी गयी और क्या क्या सावधानियां बरतनी चाहिए इस विषय पर भी चर्चा की गयी साथ ही उपस्थित सदस्यों के सवालों का जवाब भी श्री त्रिपाठी द्वारा दिया गया` जीविका जिला परियोजना प्रबंधक श्री गणेश पासवान ने कार्यशाला के सफलतापूर्वक संपन्न

प्रबंधक एवं जीविका जिला कार्यालय के पदाधिकारीगण शामिल हुए। इस कार्यशाला का संचालन जीविका राज्य कार्यालय के कानूनी सलाहकार एवं पूर्व न्यायाधीश श्री कृष्ण कान्त त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में श्री त्रिपाठी द्वारा जीविका के अंतर्गत होने वाली विभिन्न कानूनी प्रक्रिया, समस्या एवं समाधान के बारे में उपस्थित होने पर सबो को धन्यवाद दिया एवं कार्यक्षेत्र में होने वाली तमाम कानूनी समस्याओं के समुचित समाधान बताने हेतु श्री त्रिपाठी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिले के सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधक , जिले के प्रबंधकगण, लेखापाल, कार्यालय सहायक सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

खेती के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन मशरुम से आमदनी बढ़ा सकते है किसान

बगहा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। खेती के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन,मशरूम का उत्पादन कर किसान अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा मिट्टी जांच कर रासायनिक खादों का प्रयोग भी उत्पादन बढ़ाने में सहायक होगा। उक्त बातें प्रखंड तकनीकी प्रबंधक श्रीकांत आनंद ने कहीं। वे शनिवार को बगहा दो प्रखंड के नौरंगिया दरदरी पंचायत के केरई में आयोजित किसान चौपाल को के दौरान किसानों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान किसानों को रबी सीजन में सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कृषि के नई तकनीक व उन्नत बीज की भी जानकारी दी गई। साथ ही साथ कृषि में यंत्रीकरण से जुड़े योजनाओं की भी जानकारी देते हुए किसानों को कृषि यंत्र पर प्रोत्साहित किया गया।

हिंदी विद्यापीठ बीएड कॉलेज में नये सत्र के विद्यार्थियों का हुआ पारंपरिक ढंग से स्वागत

देवघर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हिंदी विद्यापीठ बीएड कॉलेज में सत्र 2025-27 के छात्र-छात्राओं का स्वागत समारोह तिलोकचंद बाजला सभागार में उल्लास पूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसके बाद नये विद्यार्थियों का पारंपरिक तिलक व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया. अंकिता व उनकी समूह ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किये. इस अवसर पर कॉलेज के अध्यक्ष

अशोकानंद झा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की धुरी है, इसलिए प्रत्येक छात्र को एक आदर्श शिक्षक बनने की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहना चाहिये. उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं. प्राचार्या डॉ. आशा मिश्रा ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि शिक्षक का कार्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा प्रदान करना है. कार्यक्रम का संचालन आर्या ने किया और धन्यवाद ज्ञापन श्वेता ने दिया. मौके पर प्राध्यापक सुषमा सिन्हा, दुर्गा भौमिक, डॉ. ओम कुमार, डॉ. गुंजा कुमारी, डॉ. मणिकांत रंजन सहित कई अध्यापक मौजूद रहे. कार्यक्रम का सफल संचालन सांस्कृतिक विभाग अध्यक्ष दिव्या कुमारी के मार्गदर्शन में हुआ. समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही, जो नये सत्र की शुरूआत में भागीदार बने.

निर्धारित समय सीमा में योजनाओं को पूरा कराएंः डीएम

थरूहट विकास योजनाओं की जिलाधिकारी ने की विस्तृत समीक्षा

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिलाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार के द्वारा आज समाहरणालय अवस्थित सभागार में समेकित थरूहट विकास अभिकरण के द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की एजेंसीवार एवं योजनावार समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में नोडल पदाधिकारी, समेकित थरूहट विकास अभिकरण प्रदीप गोंड के द्वारा पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतीकरण करते हुए बताया गया कि वर्ष 2010-11 से 2024-25 तक कुल 364 योजनाएं ली गई हैं, जिसके विरूद्ध में 288 योजनाओं को पूर्ण करा लिया गया है तथा 76 योजनाएं अभी वर्तमान में लंबित हैं। स्वीकृत योजनाओं के विरूद्ध प्राप्त आवंटन के विरूद्ध अब तक 69 प्रतिशत राशि का व्यय किया गया है। श्री गोंड के द्वारा आगे बारी-बारी से लंबित योजनाओं की प्रस्तुति की गई।समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी के द्वारा कार्यपालक अभियंताओं से योजना

चयन के उपरांत उसके प्राक्कलन गठन से लेकर उसे धरातल पर क्रियान्वित कराए जाने तक की सम्पूर्ण प्रक्रिया की जानकारी ली गई तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाईयों का त्वरित गति से निराकरण किया गया।जिलाधिकारी ने कहा कि बिहार राज्य में एक मात्र पश्चिम चम्पारण ही ऐसा जिला है, जहां आवासित थारूओं के विकास के लिए राज्य सरकार के द्वारा समेकित थरूहट विकास अभिकरण का गठन किया गया है, ताकि थारू समाज के लोगों का सन्वित विकास करते हुए उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि जितनी भी योजनाएं ली गई हैं, उनका त्वरित गति से तकनीकी स्वीकृति लिया जाए तथा उसके उपरांत उसका तय समय-सीमा में धरातल पर क्रियान्वयन कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि योजना क्रियान्वयन के क्रम में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। अन्यथा संबंधित के विरूद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सहित ब्लैकलिस्टिंग इत्यादि के साथ डीबार करने की भी कार्रवाई की जाएगी।समीक्षा के दौरान कुछ योजनाओं के छायाचित्र के अवलोकनोपरांत जिलाधिकारी द्वारा योजना की गुणवत्ता पर खेद प्रकट किया गया तथा निदेश दिया गया कि जांच दल गठित कर इन योजनाओं की चरणद्ध तरीके से जांच कराई जाए। साथ ही योजना के अंतिम भुगतान के पूर्व दल के माध्यम से उस योजना की जांच अवश्यक कराने का निर्देश दिया गया।समीक्षा के दौरान वरीय पदाधिकारी, समेकित थरूहट विकास अभिकरण-सह-अपर समाहर्ता, विभागीय जांच, कुमार रविन्द्र, नोडल पदाधिकारी प्रदीप गोंड, कार्यकारी एजेंसियों यथा भवन प्रमंडल, ग्रामीण कार्य विभाग, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन के कार्यपालक अभियंता एवं योजनाओं से संबंधित संवेदक उपस्थित थे।

प्रखंडों एवं नगर पंचायत क्षेत्र में लगे शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। राज्य सरकार के निदेर्शानुसार 21 से 28 नवम्बर तक जिले में सेवा का अधिकार सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध सेवाओं को समयबद्ध, पारदर्शी और सरल तरीके से आमजनों तक पहुँचाना है। इसी क्रम में आज, 22 नवम्बर को जिले के सभी प्रखंडों एवं नगर पंचायत क्षेत्र में शिविरों का सफल आयोजन किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में लाभुक उपस्थित हुए और विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाया।

आज आयोजित शिविर खूँटी प्रखंड के तिलमा पंचायत, कर्रा प्रखंड के धुनसुली एवं जुरदाग पंचायत, मुरहू प्रखंड के हेठगोवा एवं इंदीपीड़ी पंचायत, अड़की प्रखंड के उपरबालालोंग एवं सोसोकुटी पंचायत, तोरपा प्रखंड के दियांकेल एवं हुसीर पंचायत, तथा रानियां प्रखंड के खटखुरा पंचायत में संपन्न हुए। इसके अतिरिक्त नगर पंचायत क्षेत्र में वार्ड संख्या 02 (सामुदायिक भवन, नामकोम) एवं वार्ड संख्या 03 (पिपराटोली, शिव मंदिर के समीप) में दो शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में लाभुकों को ऑन-द-स्पॉट कई आवश्यक सेवाएँ प्रदान की गईं। इसमें सर्वजन पेंशन स्वीकृति, जाति/आवासीय/आय प्रमाण पत्र का वितरण, मनरेगा जॉब कार्ड, मनरेगा अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले लाभुकों को प्रशस्ति पत्र, श्रम विभाग का संगठित कार्ड वितरण, आपूर्ति विभाग के तहत धोती साड़ी लुंगी वितरण, क्रेडिट लिंकज के तहत जेएसएलपीएस की दीदियों को ऋण का लाभ, गर्भवती महिलाओं के बीच पौष्टिक आहार सामग्री का वितरण समेत अन्य लाभ प्रमुख रूप से शामिल रहा।

जिलेभर में लगे शिविरों में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, भूमि मापी, दाखिल-खारिज, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, एवं अन्य सेवाओं के लिए प्राप्त आवेदनों का त्वरित निवारण किया गया। कई शिकायतों का समाधान स्थल पर ही कर दिया गया, जबकि लंबित मामलों को समयबद्ध निष्पादन हेतु पंजीबद्ध किया गया।

उपायुक्त आर रॉनिटा के निदेर्शानुसार वरीय अधिकारियों द्वारा सभी शिविरों का निरीक्षण किया गया। उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, अपर समाहर्ता परमेश्वर मुण्डा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी डॉ. शिशिर कुमार सिंह, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम, सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी, डीसीएलआर श्री अरविंद ओझा, जिला खनन पदाधिकारी राम नरेश सिंह समेत अन्य अधिकारियों ने विभिन्न शिविरों में जाकर व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन तथा सेवा वितरण की गुणवत्ता की समीक्षा की तथा प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

शिविरों में लगाए गए स्वास्थ्य, शिक्षा, पेंशन, आपूर्ति, कृषि, पशुपालन, मनरेगा, प्रमाण पत्र निर्माण आदि विभागों के स्टॉलों का वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवेदकों की समस्याओं को प्राथमिकता पर सुनने तथा प्राप्त आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। शिविरों में सेवाएँ प्राप्त कर लाभुक उत्साहित नजर आए।

उन्होंने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा का अधिकार सप्ताह उनके लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है, क्योंकि प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन एवं आवास जैसी महत्वपूर्ण सेवाएँ उन्हें एक ही स्थान पर सरलता से उपलब्ध हुईं, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत हुई। उल्लेखनीय है कि उपायुक्त आर रॉनिटा ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि वे सेवा का अधिकार सप्ताह के दौरान आयोजित शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में पहुँचें और सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ उठाएँ।

आज भी लगेगा शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। उपायुक्त आर रॉनिटा के निदेर्शानुसार सेवा का अधिकार सप्ताह के अंतर्गत जिले में विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में शिविरों का आयोजन सतत रूप से किया जा रहा है। इसी क्रम में 23 नवम्बर को भी जिलेभर के कई पंचायतों एवं नगर पंचायत क्षेत्र में शिविर का आयोजन किया जाएगा, जहाँ आमजन अपनी आवश्यक सेवाओं से संबंधित आवेदन दर्ज करा सकेंगे एवं ऑन-द-स्पॉट सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त द्वारा आमजनों से अपील की गई है कि वे अपने निकटतम शिविर में पहुँचकर प्रमाण पत्र निर्माण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, जन्मझमृत्यु प्रमाण पत्र, भूमि संबंधित सेवाएँ तथा झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध सेवाओं का लाभ अवश्य उठाएँ।

परिजनों ने किशोरी की पीट-पीटकर ली जान

परिवार ने किसी अन्य युवक के साथ देखा था

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा थाना के एक गांव में गुरुवार को आनर किलिंग का एक मामला प्रकाश में आया है। एक किशोरी की हत्या कर उसके घर वालों ने शव को जलाने का भी प्रयास किया। लेकिन इसकी भनक लगते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में ले लिया और मृतका के पिता एवं भाई को भी हिरासत में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार की दोपहर में किशोरी को उसके परिवारवालों ने एक युवक के साथ देख लिया था। इसे लेकर उन्हें उसके चाल-चरित्र पर ही संदेह हुआ। बताया जा रहा है कि इसके बाद स्वजन ने किशोरी की जमकर पिटाई कर दी और उसे एक कमरे में बंद कर दिया।

बताया जा रहा है कि पिटाई के कारण किशोरी की मौत हो गई। तब घरवालों ने उसके अंतिम संस्कार के लिए गांव के कई लोगों के साथ मिलकर अपने गांव के समीप स्थित बगही श्मशान घाट पर ले गए।

वहां शव को चिता पर रखकर आग भी लगा दी गई। लेकिन तब तक इस घटना की सूचना मिलने पर गढ़वा, थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और चिता से शव को उतारकर अपने कब्जे में ले लिया।

इस दौरान शव यात्रा में शामिल किशोरी के स्वजन एवं ग्रामीण मौके से फरार हो गए। हालांकि पुलिस ने मृतका के पिता एवं भाई को मौके से ही हिरासत में लेकर गढ़वा थाना में लाकर पूछताछ कर रही है।

जलती कार से लोगों ने कूद कर बचायी जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। लौहनगरी के टाटानगर स्थित चाईबासा बस स्टैंड के पास आज सुबह उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब सड़क पर दौड़ती एक कार अचानक 'आग के गोले' में तब्दील हो गई।

राहत की बात यह रही कि कार में सवार चार लोगों ने गजब की सूझबूझ दिखाई और आग विकराल होने से पहले ही वाहन से कूदकर अपनी जान बचा ली। घटना सुबह करीब नौ बजे की है। बीच सड़क पर धू-धू कर जलती कार को देखकर मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे काफी देर तक यातायात भी प्रभावित रहा।

जानकारी के मुताबिक सरायकेल खरसावां जिले के गम्हरिया निवासी श्रीनिवास नायक अपनी पत्नी और बेटे के साथ बेटे को दुरंतो एक्सप्रेस में बैठाने के लिए टाटानगर स्टेशन पहुंचे थे। उन्होंने कार को आउट गेट के पास खड़ा किया और स्टेशन के भीतर चले गए।

इसी दौरान कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते वाहन पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें तेज होने के कारण वे नाकाम रहे।

कार मालिक श्रीनिवास नायक ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वे मौके पर पहुंचे तो कार पूरी तरह जल चुकी थी। उन्होंने आशंका जताई कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार टाटानगर स्टेशन क्षेत्र की ओर जा रही थी। जैसे ही वाहन चाईबासा बस स्टैंड के समीप पहुंचा, उसके बोनट से अचानक गहरा काला धुंआ उठने लगा। चालक ने खतरे को भांपते हुए तत्काल ब्रेक लगाया और चिल्लाते हुए सभी यात्रियों को फौरन बाहर निकलने को कहा।

कार सवारों के बाहर निकलते ही चंद सेकंड के भीतर लपटों ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। यात्रियों के चेहरों पर दहशत साफ देखी जा सकती थी। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों की सूचना पर पुलिस और दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

जमशेदपुर में चलती गाड़ियों में आग लगने का यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज की घटना ने शहरवासियों को एक बार फिर चिंता में डाल दिया है। यदि पिछले कुछ महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो शहर के अलग-अलग हिस्सों में ऐसी कई घटनाएं घट चुकी हैं। हाल ही में बिष्टुपुर स्थित जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स के पास भी एक चलती कार में भीषण आग लगी थी, जिसमें सवार तीन महिलाओं और बच्चों समेत कुल सात लोग बाल-बाल बचे थे। इसके अलावा सोनारी के बुधराम मोहल्ला और गोविंदपुर क्षेत्र में भी शार्ट सर्किट की वजह से कारों में आगजनी की घटनाएं सामने आई थीं। गर्मियों के दौरान मरीन ड्राइव पर भी एक कार के बीच सड़क पर जलने का वीडियो काफी चर्चा में रहा था।

कई पारा शिक्षकों पर गिरी गाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। जून में माह में ही सेवा समाप्त करने के बाद सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) द्वारा नियमित कक्षा संचालन की शिकायत मिल रही थी। इसके बाद जिला शिक्षा अधीक्षक विकेश कुनाल प्रजापति ने सख्त कदम उठाया है। उन्होंने संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक व प्रभारी प्रधानाध्यापक को पत्र लिख है। इसमें ऐसे शिक्षकों को स्कूल में प्रवेश देने से मना किया है। इसके अलावा जिला एमआइएस प्रभारी को 102 सहायक अध्यापकों का ई-विद्यवाहिनी पोर्टल पर तत्काल प्रभाव से निष्क्रिय करने का आदेश दिया है। ऐसे शिक्षक जामताड़ा में 11, नारायणपुर में 33, नाला में 10, कुंडहित 11, करमाटांड़ में 21 व फतेहपुर में 16 हैं।

बता दें कि फर्जी, गैर मान्यता प्राप्त संस्थानों से शैक्षणिक- प्रशैक्षणिक प्रमाण पत्र प्राप्त से 102 सहायक अध्यापक जिले के विभिन्न स्कूलों में पठन-पाठन कार्य में जुटे थे। राज्य मुख्यालय के आदेश के बाद उनके प्रमाण पत्र की जांच की गई।

ई-रिक्शा पर पलटा लौह अयस्क से लदा डंपर

एक ही परिवार के तीन की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सरायकेला। राजनगर थाना क्षेत्र के चाईबासा-हाता मुख्य मार्ग पर चालियामा स्थित रुंगटा प्लांट के 5 नंबर गेट के पास लौह अयस्क (आयरन ओर) से लदा डंपर ई-रिक्शा पर पलट गया। इस दर्दनाक घटना में एक ही परिवार के तीन की मौत हुई है।

संजय तीयू और मां मेचो तीयू की डंपर में दबने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी नंदी तीयू की मौत सदर अस्पताल चाईबासा में इलाज के दौरान हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल टोटो चालक जसमीत सुरीन को सदर अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर एमजीएम रेफर कर दिया गया है।

घटना के बाद कुजू गांव, कुजू पुलिया, आय लता गांव, चालियामा समेत अन्य जगहों में स्थानीय ग्रामीण जगह-जगह टायर जलाकर, गाड़ी रखकर , बांस लगाकर सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया, जिससे चाईबासा और जमशेदपुर के बीच आना-जाना पूरी तरह बंद है।

रिक्शा पर सवार एक व्यक्ति का अभी पता नहीं चल पाया है। घटना शनिवार सुबह की है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आयरन ओर को हटाने का कार्य शुरू किया और नीचे दबे दो लोगों को बाहर निकाला।

दो घायलों को इलाज के लिए चाईबासा स्थित सदर अस्पताल भेजा गया है। घटना के बाद सड़क जाम हो गया और वाहनों की लंबी लाइन लग गई। जानकारी के अनुसार, रुंगटा माइंस का लौह अयस्क लेकर डंपर प्लांट में जा रहा था।

तेज रफ्तार हाईवा अनियंत्रित हो गया और पलट गया। इस दुर्घटना की वजह से चाईबासा -हाता रोड पर जाम लग गया है। संजय राम अपनी मां , पत्नी के साथ रिक्शा से दीपासई पूजा करने जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार हाईवा पलट गई। रिक्शा में कुल पांच लोग थे। एक व्यक्ति का अभी पता नहीं चल पाया है।

कटेगा अवैध मतदाताओं का नाम

एसआईआर में लगे हैं 2372 बीएलओ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जिले में मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए चल रहे विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण यानी एसआइआर पहले प्री एसआईआर का काम तेजी से चल रहा है। जिले के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में दो हजार से अधिक बीएलओ के माध्यम से प्री एसआइआर कराया जा रहा है।

जिला निर्वाचन शाखा की ओर से भारत निर्वाचन आयोग की पहल पर प्री एसआईआर के तहत अभी वोटर लिस्ट की मैपिंग का काम चल रहा है। इसमें वर्ष 2003 के मतदाता सूची को आधार बनाते हुए सत्यापन किया जा रहा है। पहली मैपिंग में वर्ष 2003 के मतदाता सूची से करेंट मतदाता सूची का मिलान किया गया है।

दूसरी मैपिंग में 2025 की वोटर सूची को पांच अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर मैपिंग हुई है, जबकि तीसरी मैपिंग के चल रहे काम में बीएलओ ऐप के माध्यम से सत्यापन किया जा रहा है।

इसमें बीएलओ ऐप के जरिए आनलाइन सत्यापन हो रहा है। इस प्रक्रिया में करेंट मतदाता सूची के साथ वर्ष 2003 के मतदाता सूची को टैग किया जा रहा है। मैपिंग पूरी होने पर ऐप में ग्रीन सिग्नल हो जाएगा।

धनबाद में कुल वोटरों की संख्या का 42 फीसदी मैपिंग को ऑनलाइन किया जा चुका है। उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा ने बताया कि तीसरी मैपिंग में बीएलओ ऐप के माध्यम से मैपिंग की जा रही है। अब तक 45 प्रतिशत मैपिंग हो चुकी है।

निर्वाचन शाखा का कहना है कि दिसंबर मध्य तक मैपिंग का काम 90 से 95 प्रतिशत पूरा कर लिया जाएगा। जिन मतदाताओं की मैपिंग यानी सत्यापन का काम पूरा नहीं हो पाएगा, उनका एसआईआर के दौरान सत्यापन का मौका मिलेगा।

जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार प्री एसआईआर के काम में 2372 बीएलओ लगे हैं। इन बीएलओ के माध्यम से ही प्री काम कराया जा रहा है। बीएलओ की मॉनीटरिंग के लिए 20 एइआरओ को, जबकि सभी विधानसभा में मानिटरिंग के लिए 6 ईआरओ को जिम्मेदारी दी गई है।

बाकी प्री एसआईआर के काम में जिला निर्वाचन पूरी मानिटरिंग कर रहा है। उप निर्वाचन अधिकारी ने लोगों से अपील की है कि प्री एसआइआर के दौरान मतदाता अपने अपने मतदाताओं से संपर्क कर अपना नाम जरूर दर्ज कराएं।

एसआइआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन) यानी विशेष गहन पुनरीक्षण भारत निर्वाचन आयोग की एक प्रक्रिया है जिसके तहत मतदाता सूची को घर-घर जाकर बड़े पैमाने पर सत्यापित किया जाता है।

इसका मकसद सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और विश्वसनीय बनाना है, ताकि योग्य मतदाता शामिल हो सकें और गलत या डुप्लिकेट प्रविष्टियां हट सकें। इसका एक उद्देश्य यह भी है कि मतदाता सूची में फर्जी, मृत या घुसपैठिए को हटाया जाए।

सरकारी चिकित्सक लिख रहे ब्रांडेड दवा, परिजन बेहाल

4 से 6 गुनी कम कीमत पर उपलब्ध होती है जेनरिक दवा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। कई चिकित्सकों को ब्रांडेड दवा से मोह नहीं छूट रहा है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के निदेर्शों स्पष्ट निदेर्शों के बावजूद ओपीडी में चिकित्सक जेनरिक दवा नहीं लिख रहे हैं।

अस्पताल में दो जगहों पर जेनरिक दवा की दुकान है। एक स्त्री व प्रसूति रोग विभाग व दूसरा ओपीडी भवन के दूसरे तल पर, लेकिन चिकित्सक बाहर की दवा लिख रहे हैं। ऐसे में यहां आने वाले गरीब मरीजों की दवा के निजी दुकान जाना पड़ रहा है। यहां आर्थिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

ब्रांडेड दवा की तुलना में जेनरिक दवा लगभग 4 से 6 गुनी सस्ती तक होती है। ब्रांडड में जिस दवा की कीमत 100 रुपए होती है, इसकी कीमत जेनरिक में कई बार 20 से भी कम रहती है।

सुगर का मेटफार्मिंग की कीमत ब्रांडेड में 200 तक होती है, जेनरित में 6 रुपए है। एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसिन ब्रांडेड में 150 हो, तो जेनरिक में 30 से 40 रुपए है।

अस्पताल के चिकित्सकों के साथ दवा कंपनियों के सांठगांठ है। दवा लिखने पर चिकित्सक को 30 से 40 प्रतिशत तक कमीशन मिल रही है। बताया जाता है कि अस्पताल के बाहर के दवा दुकान से भी कुछ चिकित्सकों के सांठगांठ हैं।

निरसा के रहने वाले 30 वर्षीय विकास महतो बुखार व खांसी है। मेडिसिन विभाग में चिकित्सकों से दिखाया। चिकित्सक ने एमोमाक्सी क्लेव 625, ओमजेड 20, लिवोवैक्स 80, कालपोल 650, माटिंकप दवा लिख दी। अस्पताल से एकमात्र एंटीबायोटिक मिला। बाकी के ब्रांडेड दवा के लिए बाहर जाना पड़ा, जबकि इसके जेनरिक दवा अस्पताल के जन औषधि केंद्र में रखा हुआ है। विकास के लिए 350 रुपए की दवा बाहर से लेनी पड़ी।

इसी तरह गिरिडीह के बिरनी से 56 वर्षीय दशरथ महतो यहां इलाज के लिए आए। उनके दाहिने पैर में चोट है। चिकिक्सक ने यहां जांच कर जीरोडाल एसपी, ओमेज, लायमे फोर्ट समेत छह दवा लिख ली। जबकि गैस की की दवा अस्पताल से मिली, बाकी दवा को बाहर से लेना पड़ा। दशरथ ने बताया कि चिकित्सक ने एक खास दवा दुकान भेजा था, वहां पर दवा दुकान वाले ने पूरा पैसा लिया और बिल भी नहीं दिया।

अवकाश के दिन आधा होगा पार्किंग शुल्क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। नगर निगम की ओर से शुक्रवार को वाहन पड़ाव व आटो स्टैंड की सूची जारी की गई। संबंधित वाहन पड़ाव व आटो स्टैंड पर 10 मिनट का पार्किंग निःशुल्क होगा, जबकि शनिवार, रविवार व राजपत्रित अवकाश (सरकारी छुट्टी) के दिनों में पार्किंग शुल्क आधा होगा।

रांची नगर निगम की ओर से संबंधित वाहन पड़ाव व आटो स्टैंड पर पार्किंग की दर भी निर्धारित कर दी गई है। साथ ही सभी वाहन पड़ाव के संवेदकों को पड़ाव स्थल पर दर सूची लगाने का सख्त आदेश दिया गया है।

रांची नगर निगम की ओर से आम लोगों से अपील की गई है कि यदि किसी भी वाहन पड़ाव व आटो स्टैंड के संवेदक की ओर से निर्धारित दर के अतिरिक्त राशि ली जाती है तो रांची नगर निगम कार्यालय के टाल फ्री नंबर 1800-120-2929/9431104429 पर शिकायत दर्ज कराएं।

अपर समाहर्ता ने किया अगहनी धान कटनी प्रयोग का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। बिहार राज्य फसल सहायता योजना अंतर्गत शनिवार को अपर समाहर्ता अनिल कुमार झा ने अररिया जिला के अररिया प्रखंड अंतर्गत गैयारी पंचायत के गैयारी राजस्व ग्राम में किसान प्रदीप कुमार यादव पिता गोदी लाल यादव के खेत में अगहनी धान फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण किया।

चयनित खेसरा में 10 गुना 5 मीटर के क्षेत्रफल में कटनी प्रयोग में हरा दाना का वजन 50 वर्ग मीटर में 21 किलो 535 ग्राम आया। इस प्रकार इसका उपज दर 43 क्विंटल 07 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर आकलित किया गया। इस अवसर पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी श्रीकांत पासवान, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी राजकुमार महतो, प्रयोगकर्ता सह किसान सलाहकार सूफियान सहित अनेक कर्मी एवं किसान उपस्थित थे।

बाल संरक्षण इकाई ने की जांच, आरोपों का नहीं मिला कोई प्रमाण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। बरवाडीह प्रखंड के मंगरा रोड स्थित कल्याण विभाग द्वारा संचालित एकलव्य माडल आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाली तीन छात्राओं को तंत्र-मंत्र करने के आरोप में विद्यालय से घर भेज दिया गया।

कक्षा आठ की तीनों छात्राओं को कथित भूत-प्रेत, झाड़झफूंक और तंत्र-विद्या जैसी गतिविधियों के आरोप में विद्यालय से घर भेजे जाने का मामला तूल पकड़ चुका है। छात्राओं में दो मंगरा और एक कचनपुर गांव की रहने वाली है। छात्राओं के स्वजनों ने पूरे मामले को निराधार बताते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

विद्यालय प्रबंधन का दावा है कि छात्राओं ने रात के समय छात्रावास तथा महिला शिक्षिकाओं के कमरों के बाहर ओझा-गुणी जैसी हरकतें कीं, जिससे अन्य छात्राएं भयभीत हो रही थीं। इसी आधार पर प्रधानाध्यापक कमलेश कुमार ने छात्राओं के स्वजनों को बुलाकर बच्चियों को घर ले जाने और किसी अन्य विद्यालय में नामांकन कराने की सलाह दी।

प्रधानाध्यापक का कहना है कि बच्चियों को निष्कासित नहीं किया गया है, बल्कि सुरक्षा और अनुशासन को देखते हुए घर भेजा गया है।

तीनों बच्चियों का नामांकन एक नवंबर 2025 को हुआ था। विद्यालय का कहना है कि तीन नवंबर से ही वे अन्य छात्राओं को डराने लगीं। नए माहौल में पहुंची कोई बच्ची मात्र दो दिनों में कैसे दूसरों को डराने लगेगी, यह सवाल ग्रामीणों और स्वजनों को खटक रहा है।

स्वजनों ने आरोप लगाया कि उन्हें विद्यालय बुलाकर मनगढ़ंत बातें बताई गईं, जबकि बच्चियों को ऐसी किसी गतिविधि की जानकारी तक नहीं है। उन्होंने प्रधानाध्यापक से बच्चियों को पढ़ाई जारी रखने देने का भी अनुरोध किया, लेकिन उनकी एक नहीं सुनी गई।

मामले की शिकायत पर बाल संरक्षण इकाई लातेहार ने संज्ञान लेते हुए एक टीम भेजी। एनजीओ से जुड़ी टीम की सदस्य रूबी कुमारी मंगलवार को विद्यालय पहुंचीं। उनके साथ छात्राओं के स्वजन और सामाजिक कार्यकर्ता एवं कांग्रेसी नेता अवधेश मेहरा भी मौजूद थे।

शुरूआत में विद्यालय प्रबंधन ने टीम को परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी। बाद में वरिष्ठ अधिकारियों से बात होने के बाद टीम को अंदर जाने दिया गया। जांच के बाद रूबी कुमारी ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा लगाए गए आरोपों का कोई प्रमाण नहीं मिला है। छात्राओं के साथ किया गया व्यवहार अत्यंत दुखद व अनुचित है। मामले की रिपोर्ट विभाग को भेज दी गई है।

बाल संरक्षण इकाई के सदस्यों ने बताया कि जब उन्होंने विद्यालय प्रबंधन से जानकारी एवं आवश्यक दस्तावेज मांगे तो स्कूल अधिकारियों ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। टीम से मिलना भी जरूरी नहीं समझा। यह रवैया स्वयं स्कूल के दावों पर सवाल खड़े करता है और मामले को और संदिग्ध बनाता है।

कांग्रेसी नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता अवधेश मेहरा ने कहा कि बिना सबूत किसी बच्ची पर ऐसे गंभीर आरोप लगाना मानसिक उत्पीड़न जैसा है। उन्होंने पूरे मामले में शामिल जिम्मेदार कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। साथ ही बताया कि मामले की जानकारी स्थानीय विधायक को भी दी गई।

मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि बच्चियों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हटिया- आसनसोल एक्सप्रेस ट्रेन रद्द

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। न्यू गिरिडीह स्टेशन से रेलगाड़ी से सफर करने वालों के लिए आने वाले तीन दिन हटिया-आसनसोल एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन स्थगित रहने के कारण थोड़ी परेशानी महसूस होगी।

रांची रेल मंडल ने हटिया-आसनसोल एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 13513 व 13514 का परिचालन तीन दिनों के लिए अस्थाई रूप से स्थगित कर दिया है। इसकी पुष्टि न्यू गिरिडीह स्टेशन के स्टेशन मास्टर संतोष कुमार ने की।

इसके तहत 22 नवंबर से लेकर 24 नवंबर तक इन ट्रेनों का परिचालन आसनसोल, चितरंजन, मधुपुर, महेशमुंडा, न्यू गिरिडीह, जमुआ, धनवार, कोडरमा, हजारीबाग होते हुए रांची से हटिया स्टेशन के बीच नहीं होगी।

इस रेल खंड पर 25 नवंबर से इन ट्रेनों का परिचालन नियमित रूप से शुरू किया जाएगा। यह स्थगन रेलवे ने विभिन्न रेलखंडों पर जारी निर्माण कार्य को लेकर तकनीकी कारणों के कारण ट्रेनों को अस्थायी रूप से रद्द किया है।

मेला देखने गयी आदिवासी किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। थाना क्षेत्र के एक गांव के मैदान में गुरुवार देर रात एक शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। अपने प्रेमी के साथ मेला घूमने आई 17 वर्षीय नाबालिग आदिवासी किशोरी के साथ उसके प्रेमी सहित चार युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया।

दुष्कर्म की घटना में शामिल चारों में से तीन नाबालिग है। पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर चारों को अलग-अलग जगह से पकड़ा। पुलिस ने शुक्रवार को ही किशोरी का मेडिकल करवा लिया था। उसके निशान देही पर उसके प्रेमी के अलावे दो अन्य को निरूद्ध कर बाल सुधार गृह दुमका भेजा जबकि एक अन्य आरोपित को शनिवार को जेल भेज दिया गया।

इन चारों में से एक आरोपित किरता गांव निवासी 20 वर्षीय किलियान सोरेन है। महेशपुर पुलिस ने नाबालिग पीड़ित किशोरी का बयान दर्ज करने को उसे पाकुड़ लेकर आयी है। नाबालिग ने आवेदन में उल्लेख किया है कि वह गुरुवार शाम को थाना क्षेत्र के एक मेला में अपने नाबालिग प्रेमी के साथ मेला देखने गई थी।

मेला में देर रात तक रहने के बाद उसके नाबालिग प्रेमी ने उसे घर छोड़ने की बात कह कर बाइक से एक मैदान में लेकर चला गया। उस समय रात के लगभग 1:30 बज रहा था। दोनों मैदान में बैठकर भुजा खा रहा था। इसी दौरान उसके नाबालिग प्रेमी ने अपने तीन अन्य दोस्तों को मैदान में बुला लिया।

इसी दौरान उसके प्रेमी समेत चारों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने के बाद चारों उसकी जान से मारने की योजना भी बना रहा रहा था। इसी दौरान उसने उन लोगों की बात सुन ली और वहां से भागते हुए अपने मोबाइल से इसकी सूचना अपने स्वजनों को दी।

घटना की सूचना मिलते ही उसके स्वजन घटनास्थल पर पहुंचे। किशोरी के स्वजनों को देखते ही सभी आरोपित बाइक एवं मोबाइल छोड़कर भाग निकला। घटना के बाद शुक्रवार सुबह किशोरी अपने स्वजनों के साथ महेशपुर थाना पहुंची।

घटना की जानकारी होते ही थाना प्रभारी रवि शर्मा ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपित चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें से तीन को पाकुड़िया थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक आरोपित को उसके घर से गिरफ्तार किया गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर त्वरित कार्रवाई की गई है।

पूर्व विश्व चैंपियन गोलोवकिन वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष बने

वॉशिंगटन, एजेंसी। गोलोवकिन ने 2004 में ओलंपिक में रजत पदक जीता था और पेशेवर बनने के बाद वह लंबे समय तक विश्व चैंपियन रहे। उन्होंने 2022 में संन्यास ले लिया था। अब उन्हें नई जिम्मेदारी मिली है। पूर्व विश्व चैंपियन गेनाडी गोलोवकिन विश्व मुक्केबाजी की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। कजाकिस्तान के रहने वाले गोलोवकिन को वर्ल्ड

बॉक्सिंग के अध्यक्ष पद के लिए यूनान के हरिलाओस मारिओलिस के खिलाफ चुनाव लड़ने की उम्मीद थी, लेकिन संगठन ने शुक्रवार को कहा कि जांच प्रक्रिया के बाद वह एकमात्र योग्य उम्मीदवार पाए गए हैं। गोलोवकिन ने एक प्रतिनिधि के माध्यम से जारी बयान में कहा, 'मुझे सूचित किया गया है कि अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल एकमात्र अन्य उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'मैं वर्ल्ड बॉक्सिंग के स्वतंत्र जांच पैनल के काम की सराहना करना चाहूंगा, जिसने यह सुनिश्चित करने में मदद की कि सभी चुनाव ओलंपिक खेल में प्रशासन के उच्चतम मानकों के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हों। कजाकिस्तान के पूर्व मिडिलवेट चैंपियन गोलोवकिन को अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था, क्योंकि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ संबंधों को फिर से सुधारने के लिए वर्ल्ड बॉक्सिंग के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। गोलोवकिन ने 2004 में ओलंपिक में रजत पदक जीता था और पेशेवर बनने के बाद वह लंबे समय तक विश्व चैंपियन रहे। उन्होंने 2022 में संन्यास ले लिया था।

न्यूज़ीलैंड - वेस्टइंडीज

न्यूज़ीलैंड ने तीसरा वनडे 4 विकेट से जीता, वेस्टइंडीज को 3-0 से किया क्लीन स्वीप

हैमिल्टन, एजेंसी। न्यूज़ीलैंड ने सेडन पार्क में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 3–0 से क्लीन स्वीप कर दिया। कीवी तेज गेंदबाज मैट हेनरी को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फैसला किया, लेकिन पूरी टीम 36.2 ओवर में 161 रन पर सिमट गई। रोस्टन चेस ने 51 गेंदों पर 38 रन बनाकर टीम के लिए सबसे बड़ी पारी खेली। जॉन कैंपबेल ने 26 और खैरी पियरे ने नाबाद 22 रन बनाए।

न्यूज़ीलैंड के लिए मैट हेनरी ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 4 विकेट झटके। जैकब डफी और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 2–2 विकेट लिए। टारगेट का पीछा करते हुए न्यूज़ीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। डेवोन कॉन्वे (11), रचिन रविंद्र (14) और विल यंग (3) जल्दी आउट हो गए। लेकिन इसके बाद मार्क चैपमैन (64 रन, 63 गेंद) और माइकल ब्रेसवेल (नाबाद 40 रन, 31 गेंद) ने टीम को संभाला और 30.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया। वेस्टइंडीज़ की ओर से मैथ्यू फोर्ड और जेडन सील्स ने 2–2 विकेट लिए। इससे पहले, न्यूज़ीलैंड ने पहला वनडे 7 रन से और दूसरा वनडे 5 विकेट से जीता था। टी20 सीरीज़ में भी न्यूज़ीलैंड ने वेस्टइंडीज़ पर 3–1 से कब्ज़ा किया था। अब दोनों टीमें 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होने वाली 3 मैचों की टेस्ट सीरीज़ में आमने–सामने होंगी, जो आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025–27 का हिस्सा है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड

ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से रौंदकर

फाइनल में पहुंची भारतीय महिला टीम

कोलंबो, एजेंसी। भारत ने शनिवार को पी. सारा ओवल में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से मात देकर महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड के फाइनल में जगह बना ली है। भारत की जीत में बसंती हंसदा ने अहम भूमिका निभाई, जिन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्ट्रेलियाई टीम 37 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से चानाकन बुआखाओ ने जूली न्यूमैन के साथ टीम को संभाला। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 109 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बी2 बैटर जूली न्यूमैन ने 25 रन बनाए, जबकि बी3 प्लेयर्स चानाकन बुआखाओ ने 34 और कोर्टनी लुईस ने 14 रन बनाकर स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया, जिसमें 20 एक्स्ट्रा रन भी शामिल थे। भारत की तरफ से बी2 सिमरनजीत कौर, बी1 जमुना रानी और बी1 अनु कुमारी ने 1-1 विकेट हासिल किया। इसके जवाब में बी3 गंगा कदम ने तेजी से रन जुटाते हुए भारत को शानदार लय दिलाई। उन्होंने बी2 बसंती हंसदा के साथ 11 ओवरों में 93 रन बनाए। बसंती हंसदा 39 गेंदों में 3 चौकों के साथ 45 रन बनाकर रन आउट हुईं। यहां से बी1 स्ट्राइकर करुणा ने सिर्फ 5 गेंदों में 16 रन बनाकर मैच खत्म किया। भारत ने 11.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत की ओर से गंगा कदम 31 गेंदों में 3 चौकों के साथ 41 रन बनाकर नाबाद रहीं।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बी3 कोर्टनी लुईस और बी3 एडेलिन रो ने 4-4 ओवर गेंदबाजी की, लेकिन विकेट हासिल नहीं कर सकीं। इनके अलावा, चानाकन बुआखाओ ने 3.5 ओवरों में 46 रन दिए, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। अब नेपाल और पाकिस्तान के बीच दूसरा सेमीफाइनल तय करेगा कि भारत रविवार को ऐतिहासिक फाइनल में किस टीम से भिड़ेगा। महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड टूर्नामेंट में छह टीमों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने एक ही राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे के साथ खेला। टीम इंडिया ने अपने सभी पांच मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

सिर्फ 2 दिनों में खत्म हुआ पर्थ टेस्ट

एशेज :, ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से जीता मुकाबला

पर्थ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पर्थ स्टेडियम में खेले गए एशेज सीरीज 2025-26 के पहले मुकाबले को 8 विकेट से अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ मेजबान टीम ने 5 मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली। यह मैच सिर्फ दो ही दिन चला। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। यह टीम 32.5 ओवरों में सिर्फ 172 रन ही बना सकी। इंग्लैंड की ओर से इस पारी में हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 52 रन बनाए, जबकि ओली पोप ने 46 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की तरफ से मिचेल स्टार्क ने 12.5 ओवरों में 58 रन देकर 7 विकेट हासिल किए, जबकि ब्रेंडन डोगेट ने 2 विकेट निकाले। 1 विकेट कैमरून ग्रीन के नाम रहा। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम सिर्फ 132 रन पर सिमट गई। इस पारी में एलेक्स कैरी ने 26 रन की पारी खेली, जबकि कैमरून ग्रीन ने 24 रन टीम के खाते में जोड़े। इंग्लैंड की ओर से कप्तान बेन स्टोक्स ने 6 ओवरों में 23 रन देकर 5 विकेट हासिल किए, जबकि ब्रायडन कार्स ने 3 सफलताएं हासिल कीं। इंग्लैंड ने पहली पारी के आधार पर 40 रन की बढ़त बना कर ली थी। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 164 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को

जीत के लिए 205 रन का लक्ष्य दिया। इंग्लैंड की दूसरी पारी में गस एटकिंसन ने सर्वाधिक 37 रन बनाए, जबकि ओली पोप ने 33 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, बेन डकेट ने 28 रन की पारी खेली। मिचेल स्टार्क और ब्रेंडन डोगेट ने इस पारी में 3-3 विकेट निकाले, जबकि स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट हासिल किए। सिर्फ 5 सेशन में 30 विकेट गिर चुके थे। यहां से लगा कि ऑस्ट्रेलिया के लिए 205 रन तक पहुंचना आसान नहीं होगा, लेकिन सलामी जोड़ी ने मेजबान टीम को शानदार शुरुआत दिलाते हुए जीत की नींव रखी। ट्रेविस हेड ने जैक वेदरलैंड के साथ 11.3 ओवरों में 75 रन जुटाए। वेदरलैंड 34 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद मार्नस लाबुशेन ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। हेड 83 गेंदों में 4 छक्कों और 16 चौकों के साथ 123 रन बनाकर आउट हुए, जबकि लाबुशेन ने नाबाद 51 रन की पारी खेली।

माहित ने बधिर ओलंपिक में जीता अपना दूसरा स्वर्ण

- **50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में शीर्ष पर रहीं**

टोक्यो, एजेंसी। माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालिफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। भारत की माहित संधू ने बधिर ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन जारी रखा। माहित ने टोक्यो में चल रहे बधिर ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता जो उनका चौथा

पदक है। माहित ने 45 शॉट के बाद कुल 456.0 अंक हासिल कर बधिर ओलंपिक खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की डैन जियोंग ने 453.5 अंक के साथ रजत और हंगरी की मीरा जुज़ाना बियातोव्स्की ने 438.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

बनाया बधिर खेलों का नया रिकॉर्ड

माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालिफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। माहित ने नीलिंग में 194, प्रोन में 198 और स्टैंडिंग में 193 अंक प्राप्त किए तथा पिछले वर्ष हनोवर में आयोजित विश्व बधिर निशानेबाजी चैंपियनशिप में बनाए गए 576 अंकों के अपने ही पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। भारत की नताशा जोशी ने भी 566 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। वह फाइनल में 417.1 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। भारतीय निशानेबाजों ने बधिर ओलंपिक में अब तक पांच स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य सहित 14 पदक जीते हैं। अभिनव देशवाल और चेतन हनमंत सपकाल 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा में हैं।

व्हाइट बॉल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका टीम घोषित

बावुमा वनडे, मार्करम टी-20 में कप्तानी करेंगे; भारत के खिलाफ 30 नवंबर से मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ही वनडे में भी टीम को लीड करेंगे। वहीं ऐडन मार्करम टी-20 फॉर्मेट में कप्तानी संभालते नजर आएंगे। दोनों टीमों के बीच 30 नवंबर से 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज शुरू होगी।

रांची में पहला वनडे होगा

साउथ अफ्रीका ने वनडे टीम में ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जकी, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, प्रनेलन सुब्रायन और रुबिन हरमन को शामिल किया। ये सभी प्लेयर्स फिलहाल खेली जा रही टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। वनडे सीरीज के 3 मैच रांची, रायपुर और विशाखापट्टनम में खेले जाएंगे।

रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब 10 महीने बाद भारत में इंटरनेशनल मैच खेलते नजर आएंगे। दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी बार घरेलू मैदान पर वनडे सीरीज खेली थी। फिर दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद दोनों ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया सीरीज से वापसी की थी। टेम्बा बावुमा वनडे सीरीज में भी साउथ अफ्रीका की कप्तानी करते नजर आएंगे।

लक्ष्य सेन का जबरदस्त कमबैक

विश्व नंबर-6 चौ तिएन को रोमांचक मैच में हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे

सिडनी, एजेंसी। फाइनल में लक्ष्य का सामना या तो जापान के युशी तानाका या चीनी ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुने-यी से होगा। इस सीजन लक्ष्य अभी तक कोई खिताब नहीं जीत पाए हैं, इसलिए यह फाइनल उनके लिए बेहद खास मौका होगा। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने विश्व नंबर-छह और दूसरे वरीय खिलाड़ी चौ तिएन-चेन (चीनी ताइपे) को कड़े संघर्ष में 17-21, 24-22, 21-16 से पराजित किया। यह मुकाबला करीब 86 मिनट तक चला और इसमें लक्ष्य का जज्बा और धैर्य देखने लायक था।

पहला गेमः धीमी शुरुआत, दबाव में गिरे अंक– पहले गेम में लक्ष्य की शुरुआत कमजोर रही और चेन ने अपनी सटीक प्लेसमेंट और आक्रामक गेम के दम पर 11-6 की बढ़त बना ली। लक्ष्य ने कुछ शानदार शॉट्स जरूर लगाए, लेकिन लगातार गलतियों ने अंतर बढ़ाया और वे पहला गेम 17-21 से हार गए।

दूसरा गेमः रफ्तार, धैर्य और वापसी की कहानी

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी रैलियों और शानदार नेट गेम देखने को मिला। स्कोर कई बार बराबर पहुंचा, लेकिन अंतिम पलों में लक्ष्य के शानदार स्मैश और आत्मविश्वास ने उन्हें 24-22 से गेम जिताया। यह जीत निर्णायक साबित हुई क्योंकि इससे मैच का मोमेंटम भारत की ओर शिफ्ट हुआ।

तीसरा गेमः अनुभव बनाम ऊर्जा और जीत लक्ष्य की– निर्णायक गेम में लक्ष्य ज्यादा फिट और तेज नजर आए, जबकि 35 वर्षीय चेन की रफ्तार कम होती दिखी। लक्ष्य ने लगातार दबाव बनाए रखा और 6-1 की शुरुआती बढ़त के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। शानदार नेट ड्रॉप्स, सटीक स्मैश और आत्मविश्वास भरे शॉट्स की बदौलत लक्ष्य ने गेम 21-16 से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

अब फाइनल में मुकाबला– फाइनल में लक्ष्य का सामना या तो जापान के युशी तानाका या चीनी ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुने-यी से होगा। इन दोनों के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाना है।

इस बहुत बड़े 'ब्लंडर' की वजह से सेमीफाइनल हारा भारत

वैभव सूर्यवंशी को बाहर करने से सभी भड़के

नई दिल्ली। एशिया कप राइजिंग स्टार्स के सेमीफाइनल मैच में बांग्लादेश ने भारत पर रोमांचक जीत दर्ज की. जानिए टीम इंडिया अपनी किस सबसे बड़ी गलती की वजह से हारी.

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के सेमीफाइनल मैच में बांग्लादेश ने भारत पर रोमांचक जीत दर्ज की. सुपर ओवर तक चले इस मैच को बांग्लादेश ने वाइड गेंद की मदद से जीता. दरअसल सुपर ओवर में भारत ने बिना रन बनाए अपने दोनों विकेट गंवा दिए थे. बांग्लादेश को सुपर ओवर जीतने के लिए सिर्फ एक रन बनाना था. सुयश शर्मा वाइड गेंद फेंक बैठे, जिसके चलते बांग्लादेश के स्कोरकार्ड में एक रन जुड़ गया और उसने फाइनल में एंट्री ली. मगर भारत की इस शर्मनाक हार का असली कारण आखिर क्या रहा?

इस गलती की वजह से हारा भारत– पारी की आखिरी गेंद पर 3 रन भाग कर भारतीय बल्लेबाज जैसे-तैसे मैच को सुपर-ओवर तक ले गए थे. भारतीय टीम के पास फाइनल में जाने का सुनहरा मौका था, लेकिन सुपर ओवर में भारतीय मैनेजमेंट बहुत बड़ी गलती कर बैठा.

भारतीय टीम ने जीतेश शर्मा और रमनदीप सिंह को बल्लेबाजी के लिए भेजा. एक तरफ जीतेश शर्मा टूर्नामेंट के पहले मैच के बाद बैटिंग में चले ही नहीं हैं, वहीं रमनदीप सिंह को भी बहुत बड़े-बड़े शॉट लगाने के लिए नहीं जाना जाता है.

वैभव सूर्यवंशी को नहीं भेजा

सुपर ओवर की स्थिति आने पर भारतीय टीम को अपने दोनों नियमित ओपनिंग बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्या से शुरुआत करवानी चाहिए थी. सूर्यवंशी ने पूरे टूर्नामेंट में करीब 244 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बैटिंग की. वहीं बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में उन्होंने पहली ही गेंद पर बल्ला घुमाना शुरू कर दिया और पारी की पहली 3 गेंदों में 2 छक्के जड़ दिए थे. जब टीम को सूर्यवंशी की सबसे अधिक जरूरत थी, तब उन्हें बैटिंग के लिए नहीं लाया गया.

दूसरी ओर प्रियांश आर्या इस मैच में 23 गेंदों में 44 रन की पारी खेल चुके थे. 4 चौके और 3 छक्के लगाने वाले प्रियांश भी अच्छे टच में लग रहे थे.

दिल्ली में 2416 फ्लैट्स की होगी मरम्मत, दिल्ली सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को सावड़ा घेवरा में तैयार पड़े 2,416 फ्लैटों की मरम्मत और नवीनीकरण को मंजूरी दे दी। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इन फ्लैटों का आवंटन तेज गति से पूरा किया जाए। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड की 34वीं बोर्ड बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सभी नवीनीकरण कार्य 15 जनवरी तक हर हाल में पूरा कर लिया जाए। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं के लिए बजट की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।

शुक्रवार को हुई बैठक में सुल्तानपुरी, द्वारका और भलस्वा सहित कई स्थानों पर फ्लैटों के नवीनीकरण को भी मंजूरी दी गई है। रेखा गुप्ता सरकार की योजना है, जिसमें करीब 50,000 बिना उपयोग वाले ईडब्ल्यूएस फ्लैटों को मरम्मत कर स्लम में रहने वाले पात्र गरीबों को आवंटित किया जाएगा। शुक्रवार को हुई बैठक में 'अटल कैंटीन' परियोजना और दूसरे आधारभूत ढांचों की प्रगति की समीक्षा भी की गई।

सीएम गुप्ता ने निर्देश दिया कि सभी डीयूएसआईबी कॉलोनियों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। रेखा गुप्ता ने रोज इस्तेमाल में आने वाली दुकानें, सब्जी मंडी, कम्युनिटी हॉल, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, एसटीपी, कचरा निस्तारण प्रणाली,

पर्याप्त पानी, सड़कें, पार्क, बिजली लाइनें और सीवर नेटवर्क की सुविधा मौजूद रहे। बोर्ड ने 124 डीयूएसआईबी स्थलों पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित करने को भी मंजूरी दी, जिसे सीएम ने झुग्गी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की बड़ी उपलब्धि बताया। इसके अलावा, गरीब परिवारों के क्षेत्रों में ई-रिक्शा चार्जिंग पॉइंट और पर्याप्त पार्किंग बनाने के निर्देश भी दिए गए हैं। सभी चल रही और आगामी परियोजनाओं के व्यापक लेआउट प्लान अगली बोर्ड बैठक में पेश किए जाएंगे। मंत्री आशीष सूद ने कहा कि नए और मौजूदा सभी फ्लैटों में आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान होना चाहिए।

लेट हुआ तो कैब वाले ने दी मर्डर की धमकी! डर गया इंजीनियर; फिर आया मजेदार ट्विस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आपने कभी सोचा है कि एक छोटी-सी चूक आपकी जान हलक में ला सकती है? दिल्ली में एक मेटा इंजीनियर के साथ कुछ ऐसा ही हुआ, जब उनके कैब ड्राइवर के एक मैसेज ने कुछ देर के लिए उनके होश उड़ा दिए। हालांकि थोड़ी देर में पूरा मामला पलट गया।

मामला मेटा में कार्यरत अर्णव गुप्ता से जुड़ा है। अर्णव ने सोशल मीडिया पर अपनी आपबीती साझा की, जो अब लोगों को खूब हंसा रही है। उन्होंने बताया कि जब वह कैब ड्राइवर को लेने के लिए घर से बाहर निकलने में केवल 2 मिनट लेट हुए, तभी उन्हें उबर ऐप से एक भयानक नोटिफिकेशन मिला।

मैसेज देखकर घबरा गया शख्स: अर्णव गुप्ता ने बताया कि मैसेज देखते ही उनको हिल गए। उन्होंने सोचा, आखिर है तो दिल्ली। कुछ भी हो सकता है। क्या ड्राइवर मुझे इंतज़ार करवाने के लिए धमकी दे रहा है और उसने टाइपिंग में गलती कर दी? या कहीं रोड ब्लॉक करने के चलते कोई राहगीर उसे धमकी तो नहीं दे रहा? तमाम तरह के सवाल उनके दिमाग में दौड़ने लगे।

जब सामने आई सच्चाई: जब अर्णव ने ज़्यादा दिमाग लड़ाना बंद किया, तो उन्हें याद आया कि यह गूगल ट्रांसलेशन द्वारा अनुवादित किया गया मैसेज हो सकता है। अर्णव ने जैसे ही असली मैसेज देखें पर क्लिक किया, तो एक पल में उनकी सारी घबराहट दूर हो गई। असल में ड्राइवर ने हिंदी में लिखा था, मैं मदर डेयरी के सामने हूं।

जी हां, ड्राइवर केवल यह बताना चाह रहा था कि वह मदर डेयरी के ठीक सामने खड़ा है, लेकिन गूगल ट्रांसलेशन ने मदर डेयरी के सामने को कुछ इस तरह अनुवाद किया कि कत्ल की धमकी जैसा खतरनाक वाक्य बन गया। अर्णव ने चैन की सांस ली और लिखा, मैंने इतने लम्बे समय में सबसे बड़ी राहत की सांस ली।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा पोस्ट: यह मजेदार पोस्ट अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। लोग हंसते-हंसते लोट-पोट हो रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने चुटकी लेते हुए कहा, मैं एक 5 मिनट की थ्रिलर कहानी पढ़ने के लिए तैयार था, लेकिन ये तो शुरू होते ही खत्म हो गया। दूसरे ने लिखा, क्या ज़बरदस्त प्लॉट ट्विस्ट है, मैंने इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं की थी।

एमसीडी ने दिल्ली मेट्रो पर ठोका 3.8 लाख रुपये का जुर्माना, प्रदूषण नियमों के उल्लंघन पर ऐक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने महरौली-बदरपुर रोड पर कंस्ट्रक्शन साइट्स पर प्रदूषण रोकने के जरूरी उपाय शुरू नहीं करने पर शुक्रवार को दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के 3 लाख 80 हजार रुपये के चालान काटे हैं। हालांकि, डीएमआरसी ने एमसीडी के इन दावों खारिज करते हुए कहा था कि उसके अधिकार क्षेत्र में आने वाला हिस्सा सीमित है। इसके साथ ही उसकी कंस्ट्रक्शन साइट्स पर जरूरी प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, एमसीडी ने बताया कि साउथ और सेंट्रल जोन ने डीएमआरसी को कुल 28 चालान जारी किए, जिनमें नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) कानूनों और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों का उल्लंघन शामिल है। इन उल्लंघनों में धूल रोकने के नाकाफी इंतजाम, कंस्ट्रक्शन मटीरियल को ढकने में नाकामी, काम की जगहों पर सही बैरिकेडिंग न होना और धूल को कम से कम फैलाने के लिए जरूरी ऑन-साइट हाउसकीपिंग की कमी शामिल है। वहीं, डीएमआरसी ने एक बयान जारी कर बताया कि दिल्ली मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (स्त्र्र्स) प्रोजेक्ट फेज-चार के तहत एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर (लाइन-10) से जुड़े कंस्ट्रक्शन के कामों के लिए पूरे एमबी रोड का सिर्फ 6.58 किमी हिस्सा उसके अधिकार क्षेत्र में आता है। एमबी रोड के इस हिस्से में कोई फुटपाथ नहीं है और सड़क के बाहर कच्ची जमीन है। डीएमआरसी का काम सड़क के बीच में बैरिकेड्स के अंदर चल रहा है। कुछ जगहों पर, गाड़ियों और पैदल चलने वालों को सड़क पार करने में आसानी के लिए बैरिकेड्स खोले गए हैं।

चीन-तुर्की और पाकिस्तान; दिल्ली में बम के बाद बंदूक वाली साजिश का खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के इशारे पर दिल्ली में अंजाम दिए गए बम धमाके के 10 दिन बाद ही अब बंदूक वाली एक साजिश का खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़े हथियार तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिसके तार पाकिस्तान, चीन और तुर्की से जुड़े हुए हैं। पूरे नेटवर्क के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ बताया गया है, जो तरह-तरह से भारत में खून-खराबे और तबाही की साजिश रचने में व्यस्त रहता है। दिल्ली पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान मनदीप, दलविंदर, रोहन और अजय के रूप में हुई है। इनके कब्जे से चीन और तुर्की में बने 10 अत्याधुनिक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और 92 जिंदा कारतूस की बरामदगी हुई है। बरामद पिस्टल्स में तुर्की में निर्मित क्क्ष-5.7 और चीन में निर्मित क्क्ष-3 शामिल हैं। ये पिस्टल बेहद खतरनाक हैं, जिनका इस्तेमाल आमतौर पर स्पेशल फोर्स में होता है।

खंगाला जा रहा पूरा नेटवर्क: गिरोह का सीधा संबंध आईएसआई से मिला है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुट गई है। पता लगाया जा रहा है कि इस तरह के कितने पिस्टल पहले आ चुके हैं और नई खेप किन लोगों तक पहुंचना था।

ड्रोन से पंजाब भेजते थे हथियार: एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तुर्की और चीन में निर्मित इन बंदूकों को भारत भेजने का काम आईएसआई की ओर से किया जा रहा था। यह भी पता चला है कि हथियारों को पाकिस्तान से पंजाब के रास्ते दिल्ली तक पहुंचाया जा रहा था। तस्करी से जुड़े गुर्गे ड्रोन के जरिए पंजाब में सीमा पार गिराते थे। यहां से इन पिस्टल को दिल्ली लाया गया था।

फिर से चमकेगा चांदनी चौक

सीएम के फटकार के बाद शुरू हुई महा-सफाई अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की शान चांदनी चौक अब जल्द ही अपना पुराना ग्लैमर वापस पाने वाली है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सख्त हिदायत के बाद आखिरकार प्रशासन हरकत में आया है और लाल किले से फतेहपुरी मस्जिद तक की पूरी सड़क को चमकाने का मेगा प्लान शुरू हो गया है।

शुक्रवार से ही सफाई दस्ते मैदान में उतर गए। हाई-प्रेशर जेटिंग मशीनों से गीली सफाई शुरू हो चुकी है। ग्रेनाइट का फर्श, लाल पत्थर की दीवारें, ग्रिल्स, डस्टबिन, बोलार्ड सब कुछ चमक रहा है। कचरा उठाने का काम भी जोर-शोर से चल रहा है।

पीडब्ल्यूडी ने एक नई एजेंसी को ठेका दे दिया है, जो रोजाना डीप क्लीनिंग करेगी। एमसीडी कचरा उठाएगी। इसका खर्चा शाहजहानाबाद रिडेवलपमेंट कॉर्पोरेशन उठाएगा।

क्या बोले व्यापारी?

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चांदनी चौक व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय भार्गव ने बताया कि करोड़ों रुपये खर्च करके इसे हेरिटेज स्ट्रीट बनाया था, लेकिन रखरखाव न होने से ये कचरे और अतिक्रमण का अड्डा बन गया था। अब साफ-सफाई से फिर से रौनक लौटेगी। पुराना ठेका पिछले साल 7 सितंबर को खत्म हो गया था। उसके बाद 14 महीने तक कोई एजेंसी नहीं थी।

सीएम ने जताई थी नाराजगी: सितंबर में जब सीएम रेखा गुप्ता खुद चांदनी चौक पहुंची थीं, तो हालात देखकर उन्होंने नाराजगी जताई थी। उन्होंने तुरंत स्त्र्र्ष्ट को फटकार लगाई और एमसीडी को सख्ती करने को कहा। तय हुआ कि रजिस्टर्ड रिक्शा सिर्फ 400 ही चलेंगे, लेकिन अभी 2500 से ज्यादा घूम रहे हैं। एमसीडी और ट्रैफिक पुलिस अब छापेमारी करेंगे, अनरजिस्टर्ड रिक्शा जब्त होंगे।

व्यापारी संजय भार्गव ने खुलासा किया, अतिक्रमण हटाने के लिए जॉइंट एन्क्रोचमेंट प्रिवेंशन टीम बनाने की बात हुई थी, लेकिन अभी तक वो टीम बनी ही नहीं।

9 अक्टूबर की मीटिंग में फैसला हुआ था कि दिवाली तक हर रोज चांदनी चौक की वीडियो और फोटो रिकॉर्ड करके सीएम को रिपोर्ट भेजी जाएगी। व्यापारियों के मुताबिक एजेंसी ने ये काम किया और रिपोर्ट भी पहुंचा दी।

लाल किले के धमाके के बाद सुरक्षा पर भी मीटिंग: 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए ब्लास्ट के बाद चांदनी चौक और पुरानी दिल्ली के व्यापारियों ने सांसद प्रवीन खंडेलवाल के साथ नॉर्थ दिल्ली के डीसीपी राजा बंठिया से मुलाकात की। उन्होंने मांग पुरानी दिल्ली में सुरक्षा बढ़ाने, अतिक्रमण हटाने और रिक्शा और ट्रैफिक जाम की समस्या खत्म करने के निर्देश दिए।

नेपाल में आम चुनावों के दौरान सेना की तैनाती की सिफारिश, कई हिस्सों से हटा कर्फ्यू

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने पांच मार्च 2026 को होने वाले आम चुनाव के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सेना तैनात करने की सिफारिश की है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) ने गुरुवार को देश की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के बाद यह सलाह दी।

रक्षा सचिव सुमन राज आर्यल और एनएससी के सदस्य सचिव ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक तरीके से चुनाव को संपन्न कराने के उद्देश्य से ये सिफारिश की गई है।गृह मंत्रालय ने चुनावों के लिए एक एकीकृत सुरक्षा योजना को पहले ही मंजूरी दे दी है और इसे कार्यान्वयन के लिए सभी 77 जिला प्रशासन कार्यालयों को भेज दिया है।

इस योजना के तहत, प्रत्येक जिला अपनी सुरक्षा रणनीति तैयार करेगा और प्रत्येक मतदान केंद्र पर सेना, पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल, राष्ट्रीय जांच विभाग को तैनात करेगा। इस बीच, भारतीय सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को कर्फ्यू हटा लिया गया और सामान्य स्थिति लौट आई। यह जिला जेन जी प्रदर्शनकारियों और अपदस्थ प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की पार्टी के सदस्यों के बीच हिंसक झड़पों से प्रभावित था। जिले में रोजमर्रा की गतिविधियों में तेजी आने के साथ ही बाजार फिर से खुल गए, स्कूलों में कक्षाएं शुरू हो गईं और परिवहन सेवाएं फिर से शुरू हो गईं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाक को दिए खतरनाक हथियार, राफेल को भी किया बदनाम; रिपोर्ट में खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। द्विदलीय अमेरिकी आयोग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मई 2025 में हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष को चीन ने अपने सबसे आधुनिक हथियारों का लाइव कॉम्बैट टेस्टिंग ग्राउंड बना दिया। चीन ने अपनी रक्षा क्षमताओं का परीक्षण और प्रचार के मकसद से पाकिस्तान को हथियारों की मदद की।

दरअसल, मंगलवार को प्रकाशित यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि चीन ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष का लाभ उठाया ताकि वह अपने हथियारों का परीक्षण और प्रचार कर सके।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन को संघर्ष के दौरान ऐसा मौका पहली बार मिला था, जब उसने आधुनिक हथियार प्रणालियों का उपयोग किया था। उनमेंमुख्यालय-9 वायु रक्षा प्रणाली, पीएल-15 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और छ्-10 लड़ाकू विमान शामिल हैं। जो वास्तविक दुनिया में एक क्षेत्रीय प्रयोग था।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद कथित तौर पर चीन ने जून में पाकिस्तान को 40 जे-35 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू जेट, केजे-500 विमान और बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली बेचने की पेशकश की। यही नहीं संघर्ष के कुछ हफ्तों बाद ही चीनी दुतावास ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष में अपने सिस्टम की सफलताओं की प्रशंसा की, जिसका उद्देश्य हथियार बिक्री को बढ़ावा देना था।

अमेरिका के नए प्रपोजल को पुतिन से मिली हरी झंडी

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी जंग को लेकर अमेरिका ने हाल ही में एक नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। अब इस प्रस्ताव पर पहली बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रिएक्शन सामने आया है। जहां एक तरफ यूक्रेन की तरफ से इस प्रस्ताव को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, वहीं पुतिन ने इस पीस प्रपोजल को हरी झंडी दे दी है। पुतिन ने कहा है कि अमेरिका का यह प्लान यूक्रेन में शांति का आधार हो सकता है। रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि लेकिन अगर कीव ने यह प्लान ठुकरा दिया तो रूसी सेना आगे बढ़ती रहेगी।

पुतिन ने रशियन सिक्योरिटी काउंसिल की एक मीटिंग में सीनियर अधिकारियों से कहा, 'मेरा मानना है कि इसे आखिरी शांतिपूर्ण समझौते के आधार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।' पुतिन ने आगे कहा कि 28-पॉइंट वाले इस प्लान पर अभी तक अमेरिका

के साथ विस्तार से बातचीत नहीं हुई है, लेकिन रूस को इसकी एक कॉपी मिल गई है।

पुतिन ने कहा कि अमेरिकी सरकार अब तक यूक्रेनी पक्ष की मंजूरी लेने में नाकाम रहा है और यूक्रेन शांति के खिलाफ है। पुतिन ने आगे कहा, 'अगर यूक्रेन प्रेसिडेंट ट्रंप के प्रपोज़ल पर बात नहीं करना चाहता और ऐसा करने से मना करता है, तो उन्हें और यूरोपियन वारमोंगर्स दोनों को यह समझना चाहिए कि कुपियांस्क में जो घटनाएं हुईं, वे फ्रंट के दूसरे खास सेक्टर्स में भी जरूर दोहराई जाएंगी।'

नए शांति प्रस्ताव में क्या?: बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेन युद्ध खत्म करने की कोशिश में अमेरिका ने नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। जानकारी के मुताबिक इस प्रस्ताव को अमेरिका और रूस के बीच हुई बातचीत के आधार पर यह तैयार किया गया है और यूक्रेन को चर्चा में शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में यह मसौदा साफ तौर पर रूस के पक्ष में दिखाई देता है।

प्रस्ताव के तहत यूक्रेन को अपनी सेना की क्षमता आधी करनी होगी और कई अहम हथियार छोड़ने होंगे। वहीं अमेरिका और अन्य देश क्रीमिया और डोनबास को रूस के हिस्से के रूप में मान्यता दे सकते हैं। वहीं रूस को यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र जापोरिज्जिया से उत्पादित आधी बिजली का उपयोग करने की भी अनुमति होगी।

यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी शांति?: इससे पहले जेलेंस्की ने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक संतुलित बयान दिया था। उन्होंने लिखा, 'यूक्रेन और अमेरिका की हमारी टीमें शांति योजना के प्रावधानों पर मिलकर काम करेंगी। हम ईमानदारी, तेजी से और सकारात्मक माहौल में काम करने के लिए तैयार हैं।' हालांकि, पिछला रुख देखते हुए यह माना जा रहा है कि जेलेंस्की इस प्रस्ताव को मानने से इनकार कर सकते हैं, क्योंकि वह पहले भी अपनी जमीन छोड़ने के ट्रंप के सुझावों का सख्त विरोध कर चुके हैं।

न्यूजीलैंड का सख्त फैसला: ट्रांसजेंडर बच्चों के इलाज पर लगाई रोक! विशेषज्ञ बोले-खतरनाक साबित होगा निर्णय

बेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने ट्रांसजेंडर नाबालिगों के लिए प्यूबर्टी ब्लॉकर्स पर बड़ा फैसला लेते हुए 19 दिसंबर से इन दवाओं पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। न्यूजीलैंड के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि इन दवाओं के लाभ और दुष्प्रभावों पर उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक सबूत उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए यह कदम उठाया गया है ।सरकार के अनुसार 2021 में 140 मरीज़ ये दवा ले रहे थे,2023 में यह संख्या घटकर 113 रह गई। स्वास्थ्य मंत्री साइमॉन ब्राउन ने कहा कि यह निर्णय वर्तमान वैज्ञानिक समीक्षा के आधार पर लिया गया है। जो बच्चे पहले से प्यूबर्टी ब्लॉकर्स ले रहे हैं, वे अब केवल अन्य मेडिकल स्थितियों जैसे असमय यौवन या एंडोमीट्रियोसिस के लिए ही इन दवाओं का उपयोग कर सकेंगे। जेंडर–ट्रांज़ीशन के लिए अब ये दवाएँ नहीं दी जाएँगी। एलिज़ाबेथ मैक्लरेआ ने कहा कि यह प्रतिबंध जेंडर डाइवर्स बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य, डिस्फोरिया और आत्महत्या के जोखिम को बढ़ाएगा।

सेवा का अधिकार सप्ताह

पंचायत व प्रखंड खुशहाल होगा, तो झारखंड खुशहाल होगा : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को दूसरे दिन भी जिले भर में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार सेवा का अधिकार सप्ताह शिविर का आयोजन किया गया। इसी क्रम में चंद्रपुरा प्रखंड के पूर्वी तेलो पंचायत में आयोजित शिविर में उपायुक्त अजय नाथ झा शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित भारी संख्या में ग्रामीणों में भारी उत्साह देखने को मिला।

सरकार-प्रशासन आपके द्वार : योजनाओं का लाभ हर नागरिक तक

मौके पर अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि। हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ बिना बाधा पहुंचे। उन्होंने कहा कि आप सबों को लाभ पहुंचाने - योजनाओं से जोड़ने के लिए सरकार स्वयं आपके द्वार पहुंच रही है।उन्होंने लोगों से अपील की कि वे शिविर का अधिकतम लाभ उठाएं और अपनी समस्याएं - कठिनाईयों को अधिकारियों के समक्ष खुलकर रखें। सभी समस्याओं का त्वरित व समयबद्ध निष्पादन होगा।

समस्याओं के त्वरित समाधान का दिया आश्वासन

उपायुक्त ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीणों द्वारा रखी गई समस्याओं और आवेदनों का त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। कहा कि सेवा का अधिकार सप्ताह का मूल उद्देश्य ही है लोगों को समय पर सेवा, समाधान और सुविधा प्रदान करना। उन्होंने ग्रामीणों को कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए पहचान सुनिश्चित करना जरूरी है। जन्म- आवासीय-जाति-आय आदि का प्रमाण पत्र आवश्यक है, अगर परिवार में किसी सदस्य की मृत्यू हुई है, तो उनका मृत्यू प्रमाण पत्र-आगे मुआवजा व अन्य लाभ के लिए जरूरी है। शिविर में पुलिस हेल्प डेस्क भी है, जिसके माध्यम से पुलिस संबंधित समस्याओं को रख सकते हैं। सभी सेवाएं आप सबों को एक साथ प्राप्त हो रहा है।

विभिन्न स्टॉलों का किया निरीक्षण, प्राप्त आवेदनों की ली जानकारी

शिविर परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए थे। उपायुक्त, वरीय पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने स्टॉलों का निरीक्षण किया, लाभुकों से बातचीत की और प्राप्त आवेदनों की संख्या, उनकी स्थिति और समाधान की प्रगति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने भी विभिन्न योजनाओं, प्रमाण पत्रों, सामाजिक पेंशन, आवास, कृषि सहायता आदि के लिए बड़ी संख्या में आवेदन जमा किए।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर, नये समूह बनाएं

उपायुक्त ने जेएसएलपीएस समूह से जुड़ी सखी दीदियों से कहा कि अधिक से अधिक नये समूह बनाने एवं महिलाओं को खेती के अलावा एक अतिरिक्त आय स्त्रोत विकसित करने हेतु प्रेरित करने को कहा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के बिना ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं हो सकती, इसलिए प्रशासन हर जरूरी सहयोग प्रदान करेगा। समस्याओं का चिन्हितिकरण - सूचीबद्ध कर प्रखंड के माध्यम से जिला को समर्पित करें।

ऑन द स्पॉट स्वीकृति : लाभुकों को परिसंपत्ति व स्वीकृति पत्र वितरण

शिविर में कई विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों को स्थल पर ही स्वीकृत किया गया। इसके बाद लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण, स्वीकृति पत्रों का हस्तांतरण भव्य रूप से किया गया। इससे लोगों का विश्वास और उत्साह दोनों बढ़ा। इस अवसर पर प्रखंड की वरीय नोडल पदाधिकारी सह डीपीएलआर श्रीमती मेनका ने भी ग्रामीणों को संबोधित किया। शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने का अपील किया। मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी ईश्वर दयाल महतो, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, मुखिया शंकर महतो, प्रखंड स्तरीय अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, जेएसएलपीएस की दीदियां, युवा, किसान व स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सेवा का अधिकार सप्ताह के इस शिविर ने ग्रामीणों में सरकारी योजनाओं के प्रति विश्वास और जागरूकता दोनों को बढ़ाया।

उपायुक्त ने बोकारो एयरपोर्ट परिसर का किया औचक निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने बोकारो एयरपोर्ट परिसर में चल रहे साफ-सफाई एवं झाड़ी कटाई कार्य का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के जिला प्रतिनिधि एवं बीएसएल अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि तय समय सीमा के भीतर सभी कार्य पूरे किए जाएं, ताकि एयरपोर्ट परिसर का वातावरण स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित रह सके। उन्होंने अधिकारियों को टीम बनाकर कार्य की गति बढ़ाने तथा नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि एयरपोर्ट क्षेत्र में साफ-सफाई की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

रबी फसल पर प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पूर्वी टुंडी प्रखंड सभागार में प्रखंड स्तरीय रबी फसल कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित हुए। कृषि विभाग की ओर से किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, अनुदानों और नई तकनीक आधारित कृषि पद्धतियों की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से किसान कम लागत में अधिक पैदावार हासिल कर सकते हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे। किसानों ने कार्यशाला के दौरान पानी की कमी को लेकर अपनी समस्याएं भी साझा कीं। इस पर पी डी एम सी से आए राजेश कुमार वर्मा और मुन्ना प्रसाद ने टपक सिंचाई (ड्रिप इरिगेशन) प्रणाली की जानकारी दी।

समाहरणालय में उपायुक्त का औचक निरीक्षण

फाइल प्रबंधन और साफ-सफाई को दिए सख्त निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त अजय नाथ झा ने शनिवार को समाहरणालय स्थित डीएमएफटी कक्ष, नजारत शाखा, पंचायती राज शाखा और समाज कल्याण कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। अचानक हुए इस निरीक्षण से कार्यालयों में हलचल मच गई। उपायुक्त ने प्रत्येक शाखा में कर्मियों एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट कहा कि समय पालन और नियमित उपस्थिति कार्य कुशलता की पहली आवश्यकता है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने फाइल प्रबंधन की व्यवस्था को बारीकी से परखा। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी फाइलों को सही ढंग से लाल कपड़े में लपेटकर उचित मार्किंग के साथ व्यवस्थित रूप से रखा जाए। उन्होंने कहा कि सुसंगठित फाइल प्रणाली न सिर्फ पारदर्शिता सुनिश्चित करती है, बल्कि कार्यों की गति भी बढ़ाती है। कुछ शाखाओं की साफ-सफाई की स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने संबंधित शाखाओं को नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और अनुशासित वातावरण से ही कर्मचारियों का मनोबल और कार्यकुशलता बढ़ती है। उपायुक्त ने चेतावनी दी कि निरीक्षण के दौरान पाई गई किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों और कर्मियों से कहा कि सभी शाखाएं निर्धारित मानकों का पालन करें और कार्यालय को बेहतर कार्य संस्कृति का मॉडल बनाएं।

कार्यस्थल पर सुरक्षा संवाद, कर्मियों ने दोहराया 'सुरक्षित हम, सुरक्षित प्लांट'

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट में सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करने तथा जिम्मेदार कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन्स) श्री अनुप कुमार दत्त ने एसएमएस (न्यू) विभाग का दौरा कर वहां कार्यरत कर्मचारियों तथा ठेका श्रमिकों के साथ सुरक्षा संवाद किया. कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) श्री बी. के. सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-न्यू) श्री पी. वी. राव सहित सुरक्षा अभियंत्रण एवं एसएमएस-न्यू विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक मौजूद थे. अपने संबोधन में श्री दत्त ने कार्यस्थल पर स्वयं एवं सहकर्मियों के प्रति सुरक्षित व्यवहार के महत्व पर जोर दिया. उन्होंने सभी कार्यरत कर्मियों से सतर्क रहने, सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता देने और प्रत्येक गतिविधि को सावधानीपूर्वक करने की अपील की. अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन्स) श्री अनुप कुमार दत्त ने जोखिम पहचान एवं जोखिम आकलन की प्रभावी प्रथाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन प्रक्रियाओं का दृढ़ता से पालन दुर्घटनाओं की रोकथाम और सतत उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है. संवाद सत्र के दौरान श्री दत्त ने उपस्थित कर्मियों से सुरक्षा संबंधी सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त किए और अपने अनुभवों साझा किए. कर्मियों ने भी उत्साहपूर्वक सत्र में भाग लेते हुए सुरक्षित कार्य परिवेश को और सुदृढ़ करने में सक्रिय योगदान करते हुए 'शून्य-दुर्घटना कार्यस्थल' की दिशा में अपने प्रयासों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया.

बीएसएल में सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत मानव श्रृंखला एवं गैस सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो इस्पात संयंत्र में सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाने तथा 'सुरक्षा सर्वप्रथम' की मूल भावना को कार्यस्थल की संस्कृति में प्रभावी रूप से स्थापित करने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. इसी क्रम में प्लांट प्लाजा रोड पर एक विशेष मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य कर्मियों में सुरक्षा चेतना को और अधिक मजबूत करना तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा को कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाना था. इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन तथा अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनुप कुमार दत्त उपस्थित रहे. उन्होंने सभी कर्मियों से सुरक्षित कार्य व्यवहार अपनाने और हर समय सतर्क रहने का आह्वान किया. कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बी. के. सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक (यांत्रिकी) प्रकाश कुमार सहित सुरक्षा अभियंत्रण एवं यांत्रिकी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक मौजूद रहे. प्रतिभागियों ने सुरक्षा संदेशों से युक्त तख्तियों के माध्यम से सड़क और कार्यस्थल दोनों पर सतर्कता एवं जिम्मेदारी का संदेश दिया. एक अन्य कार्यक्रम में मानव संसाधन विभाग के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में गैस सुरक्षा पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया. इसमें संयंत्र के विभिन्न विभागों से कुल 83 अधिकारी, कर्मचारी एवं निविदा कर्मियों ने भाग लिया. कार्यक्रम का आयोजन सुरक्षा अभियंत्रण विभाग एवं ऊर्जा प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत में ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक महाप्रबंधक श्री सुखदेव महतो ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सुरक्षा शपथ दिलाई तथा गैस सुरक्षा के महत्व और इसकी उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला. तत्पश्चात ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक प्रबंधक श्री सुशिल कुमार ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से गैस सुरक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की और सभी प्रतिभागियों को इस प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम के सफल संचालन में जनार्जन एवं विकास विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

बीएसएल में क्रड 9001:2015 दटर का द्वितीय सर्विलांस ऑडिट सफलतापूर्वक संपन्न

बोकारो स्टील प्लांट के ज्ञानार्जन एवं विकास तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभागों में क्रड 9001:2015 क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम (दटर) का द्वितीय सर्विलांस ऑडिट मेसर्स टीयूवी के लीड ऑडिटर श्री अंकुर सरकार द्वारा किया गया. यह ऑडिट दोनों विभागों की गुणवत्ता प्रबंधन प्रक्रियाओं, कार्य-प्रणालियों और सतत सुधार के प्रति प्रतिबद्धता का पुनः सशक्त प्रमाणन है. ऑडिट प्रक्रिया का शुभारंभ 17 नवंबर को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के लिए आयोजित उद्घाटन बैठक से हुआ, जिसकी अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा ने की. उन्होंने विभाग में गुणवत्ता-संस्कृति को और मजबूत बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करते हुए लीड ऑडिटर का स्वागत किया. इस अवसर पर श्री अंकुर सरकार ने टीयूवी की ऑडिट प्रक्रिया, मानकों और आवश्यकताओं का विस्तृत परिचय दिया. मूल्यांकन उपरांत आयोजित समापन सत्र में महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) अनुपमा तिवारी ने ऑडिट के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डाला. लीड ऑडिटर ने अपने निष्कर्ष तथा सुधार के संभावित अवसर साझा किए, जिन पर विभाग द्वारा त्वरित अनुपालन का आश्वासन दिया गया. अंत में विभाग के ISO 9001:2015 दटर प्रमाणन को जारी रखने की अनुशंसा की गई. ऑडिट के सफल आयोजन में वरीय प्रबंधक (जनार्जन एवं विकास) प्रीति कुमारी एवं उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जबकि समन्वय महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) अनुपमा तिवारी एवं वरीय प्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) डी. चक्रवर्ती द्वारा किया गया. इसी क्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग में ISO 9001:2015 दटर सर्विलांस ऑडिट आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र बोकारो जनरल अस्पताल के अधिशासी निदेशक डॉ. बी.बी. करुणामय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ. इसमें लीड ऑडिटर श्री अंकुर सरकार ने ऑडिट पद्धति का परिचय दिया, वहीं टीयूवी विशेषज्ञ डॉ. सुधामया नायक वर्चुअली उपस्थित रहे. तीन दिवसीय समग्र मूल्यांकन के उपरांत लीड ऑडिटर ने विभाग की गुणवत्ता प्रणालियों एवं सतत सुधार पहलों की सराहना करते हुए ISO प्रमाणन जारी रखने की अनुशंसा की। अधिशासी निदेशक डॉ. करुणामय ने इस अवसर पर कहा कि यह ऑडिट विभाग की कार्य-प्रणालियों को और बेहतर बनाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है. उन्होंने टीम के समर्पित प्रयासों की सराहना की. विभाग की टीम का नेतृत्व मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. इंद्रनील चौधरी द्वारा किया गया। डॉ. तृप्ति चंद्रा, वासुगी, आर. कुम्भकार एवं अनिरुद्ध की टीम ने ऑडिट के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. ऑडिट का समन्वय महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) अनुपमा तिवारी एवं वरीय प्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) सागरिका साहू द्वारा किया गया. 9001:2015 दटर प्रमाणन का दोनों विभागों के लिए सफलतापूर्वक जारी रहना बोकारो स्टील प्लांट की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और उत्कृष्टता की संस्कृति को और मजबूत करता है तथा संगठन की प्रक्रियागत दक्षता और सतत सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को नए मानक प्रदान करता है.

बी एस एल के स्कूल में पब्लिक हेल्थ एवं वाटर सप्लाई विभाग द्वारा स्वच्छता एवं जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु कार्यक्रम का अयोजन

बी एस एल के पब्लिक हेल्थ एवं वाटर सप्लाई विभाग द्वारा स्वच्छता एवं जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु चलाए जा रहे IEC कार्यक्रम के अंतर्गत आज सेक्टर 08इ एवं 09 ए के डी ए वी इस्पात विद्यालय में विशेष जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गई. कार्यक्रम में छात्रों के द्वारा स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, दो डस्टबिन प्रयोग, कम्पोस्टिंग तथा जल संरक्षण पर रोचक संवाद, प्रश्नोत्तरी तथा नारे प्रस्तुत किए गए. कार्यक्रम में घर और आसपास की स्वच्छता, गीले-सूखे कचरे को अलग रखना, सफाई मित्रों को पृथक कचरा देना और सार्वजनिक कूड़ेदानों का उपयोग करना क्यों आवश्यक है इसके बारे में बच्चों को जानकारी प्रदान की गई. वाटर सप्लाई विभाग ने जल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन, रिसावयुक्त नलों की मरम्मत, बकेट उपयोग तथा अनावश्यक जल बहाव रोकने जैसे महत्वपूर्ण उपायों पर जागरूकता फैलाई. बच्चों ने शपथ ली कि वे स्वच्छता एवं जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाएंगे तथा बोकारो को भारत का सबसे स्वच्छ एवं जागरूक टाउनशिप बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे.

जीजीपीएस बोकारो में नवाचार विज्ञान और संस्कृति का भव्य उत्सव

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 05 स्थित गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल (जी.जी.पी.एस) परिसर में शनिवार को वार्षिक प्रदर्शनी सृजन 2025-26 आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर विज्ञान, तकनीक, कला, भाषा और झारखंडी संस्कृति के बहुरंगी रूपों से दमक रहा था। इस वार्षिक आयोजन में उपायुक्त अजय नाथ झा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने बच्चों की वैज्ञानिक सोच, कलात्मक अभिव्यक्ति तथा झारखंड-थीम आधारित सजावट की सराहना की।

झारखंड गांव थीम रहा मुख्य आकर्षण

प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण रहा - झारखंड के ग्रामीण जीवन पर आधारित थीम। मिट्टी की झोपड़ियां, जनजातीय कलाएं, पारंपरिक लोक-चित्र, बाँस और लकड़ी की हस्त-कृतियां, तथा प्राकृतिक सजावट ने पूरे परिसर को एक जीवंत झारखंडी गांव के रूप में प्रस्तुत किया। मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि यह प्रदर्शनी केवल मॉडल्स का प्रदर्शन नहीं, बल्कि छात्र - छात्राओं की चिंतन-शक्ति, शोध क्षमता और समाज के प्रति संवेदनशीलता का परिचय है। उन्होंने विद्यालय की शोध-आधारित शैक्षणिक परंपरा की प्रशंसा करते हुए छात्रों को भविष्य का जागरूक और तकनीक - समृद्ध नागरिक बताया।

विज्ञान, तकनीक और कला की रही प्रभावशाली प्रस्तुतियां

प्रदर्शनी में छात्र - छात्राओं ने एक से बढ़कर एक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए - जिसमें वायु दाब एवं ऊर्जा आधारित मशीनें, सेंसर-युक्त उपकरण, डिजास्टर रेस्क्यू सिस्टम, स्वास्थ्य, योग एवं गणित प्रोजेक्ट, रोबोटिक्स क्लब की विशेष प्रस्तुति, रेडार सिस्टम मॉडल, सामाजिक विज्ञान एवं वाणिज्य विभाग द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था, संसाधन प्रबंधन और व्यापार - अर्थशास्त्र आदि से जुड़े मॉडल शामिल रहे। वहीं, भाषा और कला विभाग द्वारा रचनात्मक लेखन, पोस्टर, चार्ट, संगीत, नृत्य और प्रकृति - केंद्रित कलाकृतियों ने अतिथियों - अभिभावकों को काफी आकर्षित किया। इस अवसर पर जी.जी.ई.एस. के अध्यक्ष श्री तरसेम सिंह, सचिव सुरेंद्र पाल सिंह और विद्यालय के प्रधानाचार्य अभिषेक कुमार सहित विभिन्न शाखाओं के प्राचार्य, शिक्षकगण और विशिष्ट जन उपस्थित थे।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत 80 मास्टर वॉलंटियर्स को मिला विशेष प्रशिक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नशा मुक्त भारत अभियान को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से शनिवार को समाहरणालय सभागार में एक दिवसीय मास्टर वॉलंटियर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से चुने गए कुल 80 मास्टर वॉलंटियर्स ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया, जिन्हें आगे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नशा-मुक्ति संबंधी जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यक्रम की शुरूआत जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर की। प्रशिक्षण सत्र का संचालन सुशील कुमार शर्मा और मनोज कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सहयोगिनी संस्था के संस्थापक गौतम सागर भी उपस्थित हुए। उन्होंने नशा मुक्त भारत अभियान की महत्ता, सामाजिक जिम्मेदारी तथा सामुदायिक सहभागिता पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अनीता झा ने बच्चों को नशे से दूर रखने की रणनीतियों, विद्यालयी जागरूकता कार्यक्रमों और सामुदायिक सतर्कता की आवश्यकता पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में नीति आयोग के अमर कुमार, सहयोगिनी एनजीओ, जेएसएलपीएस एवं विभिन्न स्कूलों के छात्र भी शामिल हुए, जिससे प्रशिक्षण कार्यक्रम और अधिक प्रभावी एवं सहभागितापूर्ण बन सका।

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार के तहत लगाए गए शिविरों में उमड़ें लोग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले के सभी प्रखंडों के विभिन्न पंचायतों में शनिवार को आपकी योजना - आपकी सरकार, आपके द्वार सेवा का अधिकार सप्ताह शिविर का आयोजन किया गया, शिविर में काफी लोग उमड़ें। जहां जिला स्तरीय पदाधिकारियों के अलावा संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचलाधिकारियों की अगुवाई में ऑन स्पॉट सैकड़ों मामलों का निष्पादन करके सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया गया। अपने संबोधन में वरीय पदाधिकारियों ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशासन व आम नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता को दिलाना है। इस कार्यक्रम में आपकी समस्याओं का समाधान करने का ऑन द स्पॉट प्रयास किया जा रहा है। कुछ समस्याओं जिनका निष्पादन ऑन द स्पॉट संभव नहीं है, उसे भी जल्द निष्पादित कर दिया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन आज चास प्रखंड के टुपरा, कुमारदागा, कोलबेंदी, खमारबेंदी, बारपोखर, घटीयाली पू०, घटीयाली प०, मानगो, कनारी प०। चंदनकियारी प्रखंड के नयावन, सिलफोर, सिमुलिया, लाघला, लालपुर, लंका पंचायत। गोमिया प्रखंड के महुआटांड, चुट्टे, साड़म पू०, साड़म प०, होसिर पू०, होसिर पंचायत। नावाडीह प्रखंड के गोनियाटो, बरई, पलामू, आहरडीह पंचायत, चंद्रपुरा प्रखंड के तेलो पूर्वी, तारमी, अलारगो, बंदियो पंचायत, पेटरवार प्रखंड के पतकी, तेनुघाट, उतासारा, चापी पंचायत।, जरीडीह प्रखंड के भसकी, तातरी द०, तातरी उत्तरी, कसमार प्रखंड के पोण्डा, सोनपुरा पंचायत, बेरमो प्रखंड के गोविंदपुर ए०, गोविंदपुर बी०, गोविंदपुर सी० पंचायत, नगर निगम चास के वार्ड संख्या 24,25,33,34,35 एवं 21 और नगर परिषद फुसरो के वार्ड संख्या 02,18,16,27,22 में किया गया।

पर्यवेक्षक सह प्रखंडों के वरीय नोडल पदाधिकारी शिविरों में रहे उपस्थित

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार सेवा का अधिकार सप्ताह कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर सभी प्रखंडों के लिए पर्यवेक्षक पदाधिकारी बनाया गया है। पर्यवेक्षक पदाधिकारी संबंधित प्रखंडों के पंचायतों में आयोजित शिविर में शामिल हुए। उल्लेखनीय हो कि चास प्रखंड में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, चंद्रपुरा प्रखंड में निदेशक डीपीएलआर मेनका, चंदनकियारी प्रखंड में एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, जरीडीह प्रखंड में अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, पेटरवार प्रखंड में जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज, नावाडीह प्रखंड में एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, बेरमो प्रखंड में जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालको,कसमार प्रखंड में जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा एवं गोमिया प्रखंड में जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. शफीक आलम को पर्यवेक्षक सह वरीय नोडल पदाधिकारी प्रतिनियुक्त किया गया है।

स्वाद और सुगंध के साथ-साथ कविता वाचन के बिखरे रंग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डीएवी सेक्टर-4 में आज शनिवार का दिन विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए विविध प्रकार की गतिविधियों में सहभागिता और सक्रिय होने का दिवस रहा। विद्यालय आगमन के साथ ही जहां एक तरफ कक्षा 8 के बच्चों के लिए हवन का आयोजन किया गया, वही कक्षा छठी और सातवीं के बच्चों के लिए क्रमशः एकल अंग्रेजी कविता वाचन एवं एक्टेंम्पोर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। कक्षा-8 और 9 के बच्चों के लिए फायरलैस कुकिंग का आयोजन भी किया गया था जिसमें प्रत्येक हाउस से 6-6 प्रतिभागियों को अपने हाउस की ओर से प्रस्तुतीकरण में शामिल होना था। एकल कविता वाचन में स्मरण , वाणी का उतार-चढ़ाव एवं प्रस्तुतीकरण उत्कृष्टता मुख्य रूप से निर्णय के आधार रहे जिसके तहत स्पर्धा सिंह कक्षा 6ई प्रथम स्थान, अनिमेष तिवारी कक्षा 6डी द्वितीय स्थान एवं स्वाति कुमारी कक्षा 6ई तृतीय स्थान पर चयनित हुए। आशु भाषण प्रतियोगिता में विषय सामग्री की वैद्यता, अभिव्यक्ति कौशल एवं भाषा कौशल जैसे कसौटी पर खरे उतर कर निर्णायक मंडल द्वारा श्रेया कुमारी कक्षा 7बी की प्रथम, धान्वी वर्मा कक्षा 7डी एवं हर्षिता कुमारी कक्षा 7डी की द्वितीय एवं आदित्य कुमार पष्ठी 7ई तृतीय स्थान पाने में सफल रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com